आज का मौसम
29.0⁰ अधिकतम तापमान
23.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.00
सूर्यास्त 06.10

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या 01:23 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 21 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 302, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- बुलेट ट्रेन परियोजना अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी - 9

एसी 4,700 और डिशवॉशर 8,000 रुपये तक होगा सस्ता - 12

भारत और कनाडा संबंधों में नया अध्याय जोड़ने की दिशा में काम करने पर राजी - 13

पाकिस्तान के खिलाफ प्रभावशाली जीत दर्ज करने उतरेगा भारत - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, नव पैकेजिंग में पारंपरिक आयुर्वेद व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर 1 लाख डॉलर किया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 1 लाख अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

व्हाइट हाउस के स्टाफ सचिव विल शार्फ ने कहा कि एच1बी गैर-प्रवासी वीजा कार्यक्रम देश की वर्तमान आव्रजन प्रणाली में सबसे अधिक दुरुपयोग की जाने वाली वीजा प्रणालियों में से एक है। इससे उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति दी जाती है जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं जहां अमेरिकी काम नहीं

भारतीय होंगे प्रभावित

करते। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि 100,000 डॉलर का शुल्क यह सुनिश्चित करने के लिए लगाया गया है कि देश में लाए जा रहे लोग वास्तव में अत्यधिक कुशल हों और अमेरिकी कामगारों का स्थान नहीं लें। इस कदम का उद्देश्य अमेरिकी कामगारों की सुरक्षा और यह सुनिश्चित करना है। ट्रंप ने वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक की मौजूदगी में ओवल ऑफिस में घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि हमें बेहतरीन कामगारों की जरूरत है और इससे यह सुनिश्चित होगा की ऐसा ही हो। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत कुल एच-1बी वीजा में से लगभग 71 प्रतिशत भारतीयों को जारी किए गए हैं। चीनी इस वीजा कार्यक्रम के दूसरे सबसे बड़े लाभार्थी हैं। फिलहाल एच-1बी वीजा शुल्क नियोक्ता के आकार और अन्य लागत के आधार पर लगभग 2,000 अमेरिकी डॉलर से 5,000 अमेरिकी डॉलर तक है। भारतीय पेशेवरों के बीच बेहद लोकप्रिय ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं और इन्हें अगले तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है।

वीजा धारकों को तुरंत लौटने की सलाह

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। कामकाजी वीजा पर एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क लागू करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई योजना के बीच आव्रजन मामलों के वकील और विभिन्न कंपनियां अमेरिका से बाहर यात्रा पर गए एच-1बी वीजा धारकों को आगाह करते हुए उन्हें तुरंत वापस लौटने की सलाह दे रहे हैं। ट्रंप का यह आदेश 21 सितंबर 2025 रात 12:01 बजे से प्रभावी होगा। आव्रजन मामलों के वकील और कंपनियां उन एच-1बी वीजा धारकों या उनके परिवार के सदस्यों को 21 सितंबर को आदेश लागू होने से पहले अमेरिका लौटने की सलाह दी है।

बढ़ा शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शनिवार को स्पष्ट किया कि एच1बी वीजा के लिए 1,00,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि अगर यह शुल्क लागू रहता है तो कंपनियों को इस वीजा पर काम करने वाले कर्मचारी के लिए छह साल तक 1लाख डॉलर देना होगा। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि नया शुल्क नए आवेदकों पर लागू होगा और मौजूदा वीजा धारकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जो अभी अमेरिका से बाहर हैं।

उपयुक्त हल तलाशेंगे : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को कहा कि एच-1बी वीजा के लिए वार्षिक शुल्क बढ़ाने संबंधी ट्रंप प्रशासन के फैसले से मानवीय समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका है। उसने उम्मीद जताई कि वाशिंगटन इन व्यवधानों का उपयुक्त समाधान करेगा। वीजा शुल्क में वृद्धि का भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों,पेशेवरों पर काफी प्रभाव पड़ने की आशंका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी इन व्यवधानों का उपयुक्त रूप से समाधान करेंगे। सभी हितधारक समग्र प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

मोहनलाल को मिलेगा फाल्के पुरस्कार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रसिद्ध मलयाली अभिनेता मोहनलाल को शीर्ष सिनेमा सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार 2023' से सम्मानित करने की शनिवार को घोषणा की जिन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड और हिन्दी फिल्मों में भी अभिनय किया है। मोहनलाल अभिनेता के साथ निर्देशक और निर्माता भी हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि भारतीय सिनेमा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

रेल नीर की कीमत एक रुपये घटाई

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने अपने बोतलबंद पेयजल ब्रांड रेल नीर की कीमत में एक रुपये की कटौती की है। बोर्ड ने शनिवार को जोनल रेलवे व आईआरसीटीसी को संबोधित परिपत्र में कहा कि रेल नीर की कीमत घटाई गई है। एक लीटर की बोतल का मूल्य 15 से घटाकर 14 और 500 मिलीलीटर की बोतल का मूल्य 10 से 9 रुपये कर दिया गया है। अन्य ब्रांडों की पेयजल बोतलों की कीमत भी संशोधित की जाएगी। संशोधित कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी।

चिप हो या शिप, भारत में बनाने होंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-दूसरे देशों पर निर्भरता ही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन

- गुजरात के भावनगर में किया कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

भावनगर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत का मुख्य दुश्मन अन्य देशों पर उसकी निर्भरता है। उन्होंने आत्मनिर्भरता का नारा दिया और सेमीकंडक्टर चिप्स से लेकर जहाजों तक हर चीज का स्वदेशी उत्पादन करने का आह्वान किया। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में 'समुद्र से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। मोदी ने कहा कि भारत की सभी समस्याओं का समाधान है आत्मनिर्भरता।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक बंधुत्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है और आज दुनिया में भारत का कोई बड़ा दुश्मन नहीं है, लेकिन सही मायनों में भारत का सबसे बड़ा दुश्मन अन्य देशों पर निर्भरता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस निर्भरता को सामूहिक रूप से पराजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी निर्भरता बढ़ने से राष्ट्रीय

गुजरात के भावनगर में रोड शो के दौरान उपस्थित जनसमूह का अभिवादन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

विफलता बढ़ती है। मोदी ने कहा कि वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने आगाह किया कि दूसरों पर निर्भरता राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों का भविष्य बाहरी ताकतों पर नहीं छोड़ा जा सकता, न ही राष्ट्रीय विकास का संकल्प विदेशी निर्भरता पर आधारित हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य दूसरों पर नहीं छोड़ा जा सकता। 140 करोड़ की आबादी वाला देश अगर दूसरों पर निर्भर है, तो यह राष्ट्रीय स्वाभिमान के साथ समझौता है। मोदी ने कहा कि एक लोकप्रिय कहावत के अनुसार, 100 प्रकार के दर्द का एक ही इलाज है, इसी तरह, भारत की सभी समस्याओं का एक ही समाधान है, और वह है आत्मनिर्भरता।

मोदी ने कहा कि चिप्स (सेमीकंडक्टर चिप्स) या शिप (जहाज), हमें उन्हें भारत में ही बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घरेलू बंदरगाह वैश्विक समुद्री महाशक्ति के रूप में भारत के उदय की रीढ़ हैं। भारत का समुद्री क्षेत्र अब अगली पीढ़ी के सुधारों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने घोषणा की कि आज से देश के सभी प्रमुख बंदरगाहों को बहुविध दस्तावेज़ों और खंडित प्रक्रियाओं से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक दस्तावेज' और 'एक राष्ट्र, एक बंदरगाह' प्रक्रिया के कार्यान्वयन से व्यापार और वाणिज्य सरल हो जाएगा। उन्होंने समुद्री क्षेत्र से संबंधित 7,870 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कांग्रेस के लाइसेंस राज ने पहुंचाई क्षति

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने युवाओं की प्रतिभा को दबा दिया और 'लाइसेंस राज' जैसे प्रतिबंध लगा दिए। मोदी ने कहा कि भारत की अंतर्निहित शक्तियों को लगातार नजरअंदाज करने के परिणामस्वरूप, देश आजादी के छह-सात दशक बाद भी वह सफलता हासिल नहीं कर सका जिसका वह वास्तव में हकदार था। उन्होंने लाइसेंस-कोटा व्यवस्था में लंबे समय तक उलझे रहने और वैश्विक बाजारों से अलगाव को मुख्य कारक बताया। मोदी ने कहा कि जब वैश्वीकरण का युग शुरू हुआ तो तत्कालीन सरकारों ने केवल आयात पर ध्यान केंद्रित किया, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये के घोटाले हुए। उन्होंने कहा कि इन नीतियों से भारत के युवाओं को काफी नुकसान पहुंचा है और देश की वास्तविक क्षमता को उभरने से रोका गया है।

न्यायाधिकरण के सम्मेलन में बोले सीजेआई

सरकार के खिलाफ आदेश देने से कतराते हैं गैर न्यायिक सदस्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई ने केंद्रीय कानून मंत्री और पीएमओ में राज्य मंत्री की उपस्थिति में विभिन्न मुद्दे उठाए

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि न्यायाधिकरणों के कुछ गैर-न्यायिक सदस्य, जो आमतौर पर पूर्व नौकरशाह होते हैं, सरकार के खिलाफ कोई भी आदेश पारित करने के खिलाफ हैं। उन्होंने ऐसे सदस्यों से इस बारे में विचार करने का आग्रह किया। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण 2025 के 10वें अखिल भारतीय सम्मेलन में प्रधान न्यायाधीश ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह की उपस्थिति में न्यायाधिकरणों और देश की न्याय वितरण प्रणाली से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाया।

सीजेआई ने कहा कि प्रशासनिक न्यायाधिकरण न्यायालयों से भिन्न हैं क्योंकि वे कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक विशिष्ट स्थान रखते हैं तथा उनके कई सदस्य प्रशासनिक सेवाओं से आते हैं जबकि अन्य न्यायपालिका से आते हैं। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि सदस्यों को लगातार प्रशिक्षित किया जाए। सीजेआई ने कहा कि न्यायिक सदस्यों को लोक प्रशासन की बारीकियों से परिचित होने से लाभ होगा, जबकि प्रशासनिक सदस्यों को कानूनी तर्क-वितर्क का प्रशिक्षण आवश्यक होगा। मेरी बात को अन्यथा न लें क्योंकि आजकल आपको पता ही नहीं होता कि आप क्या कह रहे हैं और सोशल मीडिया पर क्या आ रहा है। उन्होंने कहा कि लेकिन एक न्यायाधीश के तौर पर, मैंने व्यक्तिगत रूप से देखा है कि कुछ प्रशासनिक सदस्य - प्रशासन से आने वाले कुछ न्यायाधीश... यह नहीं भूलते कि वे प्रशासन से आते हैं और... सरकार के खिलाफ कोई भी आदेश पारित करने के खिलाफ हैं। इसलिए उन्हें इस पर विचार करना चाहिए।

सबसे तेज शतक जड़ने वाली दूसरी बल्लेबाज बनीं मंधाना

महिला वनडे

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय एक दिनी मैच में 50 गेंदों में बनाया शतक
- पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 57 गेंद में बनाए रिकॉर्ड को तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में 50 गेंद में शतक जड़कर महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं।

मंधाना ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं। मंधाना ने 50 गेंद की शतकीय पारी में 14 चौके और चार छक्के जड़े थे और यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक भी है। इस तरह बाएं हाथ की 29 साल की बल्लेबाज ने अपना ही 70 गेंद में शतक बनाने का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। मंधाना एक ही साल में चार वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला बल्लेबाज भी हैं और उन्होंने यह उपलब्धि 2024 में हासिल की थी। दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स यह उपलब्धि हासिल करने वाली दूसरी बल्लेबाज हैं। ऑस्ट्रेलिया की टैमी ब्यूमोंट के बाद वह महिला वनडे में लगातार दो शतक बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज भी बन गई हैं।

उधमपुर में मुठभेड़, सेना का जवान शहीद

- आतंकवादियों की तलाश तेज

जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के ऊधमपुर जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को ठिकाने लगाने के लिए सुरक्षाबलों द्वारा शनिवार को तलाशी अभियान का दायरा बढ़ाए जाने के बीच गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल एक सैनिक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार देर शाम उधमपुर के डूडू-बसंतगढ़ क्षेत्र और डोडा के भद्रवाह के बीच सेओज धार वन के कांजी में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के तलाशी दल पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी जिसमें लांस दफादार बलदेव घायल हो गया था। अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

ड्यूटी के दौरान सैन्य अधिकारी की मौत

श्रीनगर। बारामूला जिले में ड्यूटी के दौरान एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई। श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि मेजर अप्रांत रौनक सिंह ने शुक्रवार को ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना ने बताया कि नवंबर 2021 में कुलगाम जिले में एक मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराने में अहम भूमिका निभाने के लिए मेजर सिंह को 2023 में सेना पदक से सम्मानित किया गया था।

यूरोप के कई हवाई अड्डों पर साइबर हमला

ब्रसेल्स, एजेंसी

यूरोप में चेक-इन और बोर्डिंग प्रणाली को निशाना बनाकर किए गए एक साइबर हमले से हवाई यातायात बाधित हुआ जिससे यूरोप के कुछ शीर्ष हवाई अड्डों पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ब्रसेल्स हवाई अड्डे की तरफ से बताया गया कि इस हमले के चलते केवल हस्तचालित माध्यम से चेक-इन और बोर्डिंग ही संभव थी,

- चेक इन प्रणाली बाधित, उड़ानों में देरी से यात्री परेशान

और इस घटना का उड़ान कार्यक्रमों पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है। एक बयान में कहा गया कि शुक्रवार रात 19 सितंबर को चेक-इन और बोर्डिंग प्रणाली के सेवा प्रदाता के खिलाफ एक साइबर हमला हुआ, जिससे ब्रसेल्स हवाई अड्डे सहित कई यूरोपीय हवाई अड्डे प्रभावित हुए। बर्लिन के ब्रैंडेनबर्ग हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि यात्री प्रबंधन प्रणाली से जुड़े एक सेवा प्रदाता पर शुक्रवार शाम को (साइबर) हमला हुआ, जिससे हवाई अड्डा संचालकों को प्रणाली से कनेक्शन काट देना पड़ा। यूरोप के सबसे व्यस्त लंदन स्थित हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि एक तकनीकी समस्या के कारण चेक-इन और बोर्डिंग प्रणाली से जुड़ा एक सेवा प्रदाता प्रभावित हुआ।

नारी सम्मान मुख्यमंत्री ने लोक भवन से की मिशन शक्ति के पांचवें चरण की शुरुआत, हर थाने में महिला केंद्र, योजनाओं से आत्मनिर्भरता, अपराधियों में खौफ

पहले असुरक्षित थीं बेटियां, आज खुद बना रहीं अपनी राह : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशव्यापी मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण का शनिवार को लोक भवन से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन आज वे खुद अपने रास्ते बना रही हैं। योगी ने कहा कि नारी सम्मान उनकी सरकार की प्राथमिकता है और साफ नीयत से बनाई गई योजनाएं स्वयं राह बना लेती हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी 1647 थानों में नव स्थापित मिशन शक्ति

केंद्रों का बटन दबाकर उद्घाटन भी किया। साथ ही, मिशन शक्ति केंद्रों की एओपी पुस्तिकाओं, बुकलेट और 'सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश' फोल्डर का विमोचन भी किया। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारी और मंत्रीगण जुड़े रहे। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2020 में इस अभियान की शुरुआत के समय लोग संशय में थे कि क्या होगा, कैसे होगा, इसकी थीम क्या होगी? लेकिन मिशन शक्ति को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जोड़कर इसे नारी गरिमा के अनुरूप ढाला गया। आज इसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं। महिला सुरक्षा पर योगी ने कहा कि 2024-25 में ही 9,513 मामलों में 12,271 अपराधियों को सजा दिलाई गई। इनमें 12 को मृत्युदंड और 987 को उम्रकैद हुआ। बरेली की हाल की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब अपराधी माफी मांगते हैं और कहते हैं कि गलती से यूपी आ गए। योगी ने महिला हेल्पलाइन : 1090, 181, 112, 1930, 1076, 102, 101, 108, 1098 की जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान ने नारी को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का मार्ग दिखाया है, जिसे तेजी से आगे बढ़ाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले बेटियां स्कूल में बिना जूते-बस्ते के जाती थीं। आज हर बच्चे को यूनिफॉर्म, किताबें, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध हैं। कन्या सुमंगला योजना के तहत 25 हजार रुपये का पैकेज और सामूहिक विवाह योजना में एक लाख रुपये की सहायता ने बेटियों के जीवन में सम्मान भरा है। अब तक 26 लाख बेटियां सीधा लाभ पा चुकी हैं।

किसी सीता के हरण पर लंका दहन तय : केशव

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले महिलाओं पर अपराध चरम पर थे। योगी सरकार ने मिशन शक्ति और एंटी रोमियो स्क्वायड से हालात बदले। कहा कि किसी भी सीता का हरण हुआ तो लंका दहन होगा।

बेटियों को सत्ता में भागीदारी मिली : ब्रजेश

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद योगी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान को प्राथमिकता दी। एंटी रोमियो स्क्वायड सक्रिय है, 44,177 बेटियां पुलिस विभाग में भर्ती हुईं। अपराधियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट से सजा मिल रही। प्रधानमंत्री आवास योजना व महिला आरक्षण से बेटियों को सत्ता में भागीदारी मिली है।

सजा दिलाने में यूपी प्रथम : डीजीपी

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि योगी सरकार में यूपी महिला सुरक्षा का मॉडल बना है। एंटी रोमियो स्क्वायड लगातार सक्रिय है। महिला अपराधों में सजा दिलाने में यूपी प्रथम है। 98.8 प्रतिशत मामलों का निस्तारण हुआ।

न्यूज ब्रीफ

महानगरों में नमो मैराथन आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से शुरू हुए 'सेवा पखवाड़ा' अभियान का उत्साह पूरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है। भाजपा ने रविवार को प्रदेश के 16 महानगरों में एक साथ 'नमो मैराथन' का आयोजन करने की घोषणा की है। पार्टी का दावा है कि इस दौड़ में युवाओं की भारी भागीदारी होगी और इसे 'विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और नशामुक्त भारत' जैसे संकल्पों से जोड़ने का संदेश दिया जाएगा। नमो मैराथन दौड़ में भाजपा के शीर्ष नेता भी विभिन्न महानगरों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी लखनऊ में मैराथन का नेतृत्व करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल वाराणसी महानगर में युवाओं के साथ दौड़ेंगे। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आगरा में और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बरेली में दौड़ में हिस्सा लेंगे। पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह मेरठ महानगर में शामिल होंगे।

पूर्वांचल में दी जा रही लंपी वैक्सीन

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं को लंपी स्किन रोग से बचाने के लिए पूर्वांचल के कई जिलों में एक "इम्यून बेल्ट" विकसित की जा रही है, जिसके लिए बेंगलुरु से मंगाई गई 60 हजार लंपी प्रो-स्पेसिफिक वैक्सीन वितरित की जा रही हैं। गोरखपुर के मंडलीय अधिकारी की देखरेख में वैक्सीन वितरण किया जा रहा है। यह जानकारी राजधानी स्थित 1962 मुख्यालय में संयुक्त निदेशक, रोग नियंत्रण डॉ.विवेकानंद ने दी। वह शनिवार को देवीपाटन, आजमगढ़, गोरखपुर, अयोध्या तथा बस्ती मंडलों की मोबाइल वेटनरी यूनिट 1962 के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से लंपी स्किन डिजीज विषय वर्चुअल समीक्षा बैठक कर रहे थे।

पशुओं के हमले में हो रहीं मौतें, सरकार मौन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में जंगली जानवरों और छुट्टा पशुओं के हमले में लगातार लोगों की मौत हो रही है। बिजनौर, पीलीभीत, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर सहित अन्य कई जिलों में यह संकट गहराता जा रहा है। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लखनऊ में भी जंगली जानवरों के आने की घटनाएं बढ़ी हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि जंगली जानवरों के हमले से निपटने के लिए शासन-प्रशासन कुछ नहीं कर रहा।

सीजीएल परीक्षा में सॉल्वर गिरोह का खुलासा, 11 आरोपी गिरफ्तार

नियम विरुद्ध दिव्यांग अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराए गए स्क्राइबर व लेखक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

एसटीएफ की गिरफ्त में सीजीएल परीक्षा के सॉल्वर गिरोह के सदस्य।

अमृत विचार : कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीजीएल परीक्षा-2025 में दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियम विरुद्ध स्क्राइबर/लेखन उपलब्ध कराकर नकल कराई गई। इस मामले में फर्जी फिजीकल हैंडीकैप्ड प्रमाण पत्र तैयार कराया गया। इसी आधार परीक्षा दिलाई गई। एसटीएफ ने इस गिरोह के सरगना समेत 11 आरोपियों को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ नोएडा के फेस-2 थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। वहीं, गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

कर्मचारी चयन आयोग द्वारा कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) टीयर-1 परीक्षा-2025 ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन 12 से 26 सितंबर किया गया है। इसे नकलविहीन व पारदर्शी तरीके से कराने के लिए एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में टीम लगी थी। टीम ने नोएडा में परीक्षा का निरीक्षण के फेस-2 थाना क्षेत्र के आदर्श परीक्षा केंद्र पर दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियम विरुद्ध स्क्राइबर/लेखक उपलब्ध कराए जाने की सूचना मिली।

परीक्षा केंद्र के कर्मचारियों की मिलीभगत : डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक, जांच में सामने आया कि कंपनी के कर्मचारी रोहित कुमार व नरेंद्र से सांठगांठ कर फिजीकल हैंडिकैप्डेट अभ्यर्थियों को सॉल्वर उपलब्ध कराया गया। अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध कराये गये स्क्राइबर/लेखक उच्च शिक्षा में पास हैं। जबकि नियमतः ग्रेजुएट लेवल की परीक्षा में एक लेवल कम के स्क्राइबर/लेखक उपलब्ध कराये जा सकते हैं। केंद्र में बतौर साल्वर अभ्यर्थियों के साथ बैठाकर प्रश्नपत्र हल कराया जा रहा था। सामने आया कि परीक्षा को ईडूक्यूटी नाम की संस्था द्वारा कराया जा रहा है। परीक्षा केंद्र से संबंधित पूरी व्यवस्था इनोवेटिव व्यू प्रा. लि. कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई थी।

- 12 से 26 सितंबर तक होनी है कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा
- परीक्षा दिलाने वाले गिरोह का सरगना भी गिरफ्तार, अन्य की तलाश

अभ्यर्थियों से दो लाख रुपये तक की वसूली

पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि गिरोह द्वारा एक अभ्यर्थी को पास कराने के लिए दो से ढाई लाख रुपये लिये गये थे। इसमें अनधिकृत रूप से परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिलाने के लिए केंद्र प्रभारी व मैनेजर समेत कर्मचारियों को मोटी रकम उपलब्ध कराई गई थी। गिरोह का सरगना सागर पांडेय अपने साथियों के साथ गौर सिटी टॉवर-डी-1 के द्वितीय तल पर मौजूद था। वहीं, से अपने गिरोह को संचालित कर रहा था। टीम ने छापा मारा तो सागर पांडेय समेत तीन लोग दबोच गये। उनकी निशानदेही पर कई सामान बरामद किया गया। पूछताछ में सरगना सागर पांडेय ने बताया कि सॉल्वर को 10 हजार रुपये घंटे के हिसाब से भुगतान किया जाता है। गिरोह द्वारा फर्जी हैंडीकैप्ड प्रमाण पत्र तैयार कराकर भी अभ्यर्थी को परीक्षा में शामिल कराते हैं। इसके लिए 50 हजार रुपये लेते हैं।

ये हुए गिरफ्तार

छापे में मौके से सरगना सागर पांडेय, विराट कुमार, दुर्गेश कुमार, जयप्रकाश मौर्या, चेतन शर्मा, बसंती लाल कुमावत, रोहित कुमार सिंह (आदर्श परीक्षा केंद्र का सेंटर हेड व इनोवेटिव व्यू कंपनी का कर्मचारी), नरेंद्र सिंह(आदर्श परीक्षा केंद्र का मैनेजर व इनोवेटिव व्यू कंपनी का कर्मचारी), अमित कुमार (फर्जी प्रमाणपत्र पर परीक्षा देने वाला) , झांसी के गुरसराय का सरवन कुमार और नावाबाद स्थित मुसकुरा का शरद यादव शामिल है।

जीएसटी में सुधार से व्यापारी और ग्राहक को होगा लाभ : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 22 से 29 सितंबर तक चलेगा जागरूकता अभियान, स्वदेशी को मिलेगा बढ़ावा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एनडीए के सांसदों, विधायकों और मंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' (22 से 29 सितम्बर) की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि ने नेक्स्ट-जेन जीएसटी रिफार्म नीतिगत समायोजन के साथ मोदी सरकार के एक दशक के स्थिर और दूरदर्शी आर्थिक प्रबंधन की परिणति है।

मुख्यमंत्री योगी ने आवास पर हुई वीसी में कहा कि जीएसटी रिफॉर्म मूल रूप से हर भारतीय पर टैक्स का बोझ कम करने के लिए है। इससे किसान, व्यापारी, विद्यार्थी और महिलाओं तक को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करें, ताकि त्योहारी सीजन में इसका लाभ दुकानदारों और ग्राहकों तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी सांसद, मंत्री, विधायक, एमएलसी और पार्षद प्रतिदिन 1-2 घंटे बाजारों में जाकर अभियान को आगे बढ़ाएं। जिलों में प्रभारी मंत्री स्थानीय जनप्रतिनिधियों और व्यापारिक संगठनों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री भी सातों दिन सक्रिय रहेंगे।

दुकानदार को फूल देंगे जनप्रतिनिधि

सीएम योगी कहा कि अभियान के दौरान जनप्रतिनिधि दुकानदारों को गुलाब का फूल भेंट कर धन्यवाद देंगे और यह संदेश देंगे कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी पुरानी मांग पूरी करते हुए जीएसटी रिफॉर्म लागू किया है। दुकानों पर 'गर्व से कहो यह स्वदेशी है' के पोस्टर लगाए जाएंगे।

ग्राहकों को बताएं रिफॉर्म से सामान सस्ता

योगी ने कहा कि ग्राहकों को बताया जाएगा कि रिफॉर्म से सामान सस्ता हुआ है और अब उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी। त्योहारी खरीदारी के मौके पर ग्राहकों से संवाद कर उन्हें स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ग्राहकों के छोटे वीडियो भी बनाए जाएंगे, जिनमें वे सस्ते सामान मिलने पर प्रधानमंत्री को धन्यवाद देंगे।

यूपी टीईटी की नहीं बढ़ेगी फीस : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- परीक्षार्थियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटेट) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राहत की बड़ी खबर है। जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यह जानकारी मिली कि विभागीय स्तर पर परीक्षा शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप किया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी हाल में परीक्षार्थियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा और शुल्क वृद्धि का कोई प्रस्ताव लागू नहीं होगा।

सीएम योगी ने अधिकारियों से कड़े शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं और अभ्यर्थियों की मदद करना है, न कि उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ डालना। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर भविष्य में ऐसी कोई कवायद की गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभ्यर्थियों का कहना है कि लगातार महंगाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की लागत पहले से ही बढ़ चुकी है, ऐसे में शुल्क वृद्धि का कदम उनके लिए भारी पड़ता।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई.एच.एफ.सी. शाखा बरेली से मधु पत्नी गजेन्द्र कुमार निवासी शिवपुरिया पीलीभीत एक किता मकान तादादी 120 वर्गगज यानि 100.33 वर्गमी. जो खसरा नं0 78 में से वाकै परतापुर जीवन सहाय तह. व जिला बरेली को बंधक रखकर आपकी शाखा से लोन ले रही है। उक्त सम्पत्ति को बाबू खां पुत्र अकबर खां निवासी ग्राम परतापुर जीवन सहाय बरेली व उनके भाई जान मोहम्मद व अफसर अली खां व माता भूरी के मुख्त्यारेआम सईद खां ने राम निवास जायसवाल को द्वारा बैनामा विक्रय किया था जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 01.05.2003 को श्रीमान स.र. बरेली में ए. फा.बुक सं. 1 जिल्द सं0 497 के पृष्ठ 237 से 250 तक क्रमांक 4473 पर हुई है। उक्त बैनामा के समय बाबू खां नाबालिग था व उक्त आराजी बाबू खां की माता ने बतौर संरक्षिका विक्रय की थी। अब बाबू खां बालिग हो चुका है व राम निवास जायसवाल द्वारा उक्त सम्पत्ति को भारत चन्द्र डालाकोटी को विक्रय कर दिया है व भारत चन्द्र डालाकोटी मधु पत्नी गजेन्द्र कुमार को विक्रय कर रहे हैं। अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सामान्य कार्य दिवस के 15 दिन के अन्दर मेरे मुवक्किल आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. शाखा बरेली पर या मेरे कार्यालय पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर दर्ज करा सकता है उक्त समयावधि बीत जाने के उपरान्त मेरे मुवक्किल द्वारा उक्त ऋण जारी कर दिया जायेगा। दिनांक : 19.09.2025 **अमिताभ भन्ज एडवोकेट चैम्बर नं. 11 बड़ा वकालतखाना सिविल कोर्ट बरेली। सूचीबद्ध अधिवक्ता आई.सी.आई.सी.आई. एच.एफ.सी. बरेली।**

जीएनएम : नर्सिंग कॉलेजों में सीधे दाखिले मान्य नहीं

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर एक बार फिर अनियमितताएं सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी की ओर से पुनः स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि नर्सिंग कॉलेजों में दाखिले काउंसिलिंग के माध्यम से ही होते हैं, अन्य माध्यम से लिए गए दाखिले अमान्य होंगे। फैकल्टी के सचिव डॉ.अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि किसी भी स्थिति में कॉलेज स्तर पर सीधे दाखिले मान्य नहीं होंगे।

मालूम हो कि हो कि इस वर्ष सरकारी और निजी नर्सिंग संस्थानों में जीएनएम कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया केंद्रीकृत की गई है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और मेरिट के आधार पर योग्य विद्यार्थियों को प्रवेश मिल सके। बावजूद इसके, कुछ कॉलेज नियमों को दरकिनार कर सीधे दाखिले कर रहे हैं, जिस पर अब मेडिकल फैकल्टी की नजर है।

पश्चिमी यूपी में एक अक्टूबर से होगी धान खरीद

पूर्वी जिलों में एक नवंबर से होगी खरीद, सरकार ने बढ़ाया समर्थन मूल्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धान (कॉमन) 2369 और (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य

अमृत विचार : धान खरीद की शुरुआत पश्चिमी उप्र. में 1 अक्टूबर से 31 जनवरी तक होगी, जबकि और पूर्वी उप्र में 1 नवंबर से 28 फरवरी तक होगी। इस बार सरकार ने धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि भी की है, धान (कॉमन)- 2369 और (ग्रेड ए) 2389 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है।

धान बिक्री के लिए किसानों का पंजीकृत होना अनिवार्य है। किसानों को खाद्य व रसद विभाग की वेबसाइट fcs.up.gov.in या मोबाइल ऐप 'UP KISAN MITRA' पर पंजीकरण कराना होगा। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक, किसी भी सहायता या जानकारी के लिए किसान टोल फ्री नंबर 18001800150 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। साथ ही अपने जनपद के जिला खाद्य विपणन अधिकारी, तहसील के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी व ब्लॉक के विपणन निरीक्षक से भी संपर्क कर सकते हैं।

खरीद पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, आगरा, अलीगढ़, झांसी संभाग में होगी। वहीं लखनऊ संभाग के हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर जनपद में भी धान खरीद इसी अवधि में होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश के संभागों में 1 नवंबर से धान खरीद शुरु होगी। यह खरीद पूर्वी उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, कानपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, वाराणसी, मीरजापुर व प्रयागराज संभाग में होगी। इसके साथ ही लखनऊ संभाग के लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में भी पहली नवंबर से खरीद होगी, जो 28 फरवरी 2026 तक चलेगी।

10 हजार किसानों ने कराया पंजीकरण

धान खरीद के लिए पंजीकरण प्रारंभ हो गया है। 20 सितंबर दोपहर 10 हजार से अधिक किसानों ने धान विक्रय के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कर लिया है। विभाग के मुताबिक धान की बिक्री के लिए ओटीपी आधारित सिंगल पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। किसान मोबाइल पर एसएमएस से मिले ओटीपी को भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं किसानों को भुगतान सीधे आधार लिंक्ड बैंक खाते में किया जाएगा।

आउटसोर्स एजेंसी चुनने के अधिकार पर रस्साकसी

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- विभागों की सुस्ती पर सरकार सख्त, सचिवालय प्रशासन ने दी चार दिन की डेडलाइन

अमृत विचार : आउटसोर्स सेवा निगम के साथ कई विभाग तालमेल बैठाने में हिचकिचा रहे हैं। भर्ती एजेंसियों के चयन को लेकर रस्साकसी शुरू हो गई है। निगम भर्ती की पारदर्शिता पर अड़ा है, जबकि विभाग, निगम व निकाय अपने पुराने अधिकार छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सरकार ने सचिवालय प्रशासन के माध्यम से चार कार्यदिवस यानी गुरुवार तक यह रिपोर्ट तलब की है कि कौन-सा विभाग क्या संशोधन या सुझाव चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में 2 सितंबर को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि विभागों को अब विभागीय स्तर पर एजेंसियों का चयन करने का अधिकार नहीं होगा। 19 सितंबर को शासनादेश भी जारी कर दिया गया।

निगम को कंपनी अधिनियम-2013 की धारा-8 के तहत नॉन-प्रॉफिट संस्था के रूप में पंजीकृत किया जा रहा है। लेकिन इसकी नियमावली को अंतिम रूप देने में अब विभागों और आउटसोर्स निगम के बीच अधिकारों की रस्साकसी शुरू हो गई है।

यदि विभागों को फिर से एजेंसी चयन का अधिकार मिला तो पुरानी विसंगतियां जैसे भ्रष्टाचार, ठेकेदारी और देरी से वेतन का मामला रोकना मुश्किल होगा। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि विभागों को अब केवल अपनी जरूरत की संख्या और श्रेणी बतानी होगी। सरकार के निर्देश पर सचिवालय प्रशासन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निगम की रूपरेखा पर कार्मिक, वित्त, नगर विकास, चिकित्सा स्वास्थ्य, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, सिंचाई, लोक निर्माण और ऊर्जा विभाग सहित सभी प्रमुख महकमों को अपने-अपने लिखित संशोधन सुझाव गुरुवार तक देने होंगे।

लेकिन सूत्र बताते हैं कि इन्हीं विभागों से सबसे ज्यादा आरक्षण, वेतन संरचना और चयन प्रक्रिया को लेकर एतराज आ रहे हैं। यही वजह है कि पत्र भेजकर इन्हें समय सीमा में जवाब देने की हिदायत देनी पड़ी है। हालांकि कुछ विभाग कोर्टों के स्थाई कार्मिक बनने के आदेशों का अध्ययन करके तर्क दे रहे हैं कि नियमावली में पदों के नाम सरकारी सेवा में प्रचलित पद से भिन्न तय किए जाएं, ताकि भविष्य में आउटसोर्स निगम के किसी आदेश को लेकर कार्मिक समान पद-समान वेतन या स्थायीकरण की वैधानिक मांग न कर सके।

अंदरखाने नाराजगी और राजनीति

विभागीय अफसरों को लगता है कि निगम बनने से विभागों की स्वायत्तता खत्म हो जाएगी। उधर, विपक्ष भी इसे मुद्दा बनाने की तैयारी में है। सपा और कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को मुख्यमंत्री कार्यालय में केंद्रीकृत कर दिया है। वहीं, योगी सरकार का दावा है कि इस कदम से भ्रष्टाचार रुकेगा, तीन साल की पारदर्शी भर्ती, न्यूनतम 20 हजार व अधिकतम 40 हजार रुपये तक मासिक मानदेय की गारंटी और समय पर वेतन सीधे बैंक खाते में आएगा। साथ ही ईपीएफ, ईएसआई, मातृत्व अवकाश और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलेंगे।

अच्छी पुस्तक योग्य मार्गदर्शक : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में लगे पुस्तक मेले में किताबें देखते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों-युवाओं को स्मार्टफोन से दूरी और पुस्तकों का महत्व बताया। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लिखी पुस्तक 'परीक्षा योद्धा' भेंट की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी पुस्तक सदैव जीवन की योग्य मार्गदर्शक होती है, जो हर परिस्थिति में पथप्रदर्शक बनकर हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने हर छात्र से कम से कम एक पुस्तक खरीदने की अपील की।मुख्यमंत्री ने उद्घाटन समारोह में कहा कि अगले नौ दिन तक लखनऊ विश्वविद्यालय में पुस्तक मेला चलेगा, जहां आने वाले पाठक ज्ञान और साहित्य के महाकुंभ का अनुभव कर सकेंगे। गोमती बुक फेस्टिवल 20 से 28 सितंबर तक चलेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इन्जीनियर (टीआरएस), लोको शेड, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं0-M/DSL/IZN/TC/OT/107 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है:-

कार्य का नाम: रिहेबिलीटेशन ऑफ 08 अदद टैप चेन्जर एन-32 ऑफ इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव ऑफ लोको शेड, इज्जतनगर। कार्य की अनुमानित लागत (रू0 में): ₹ 1,94,51,312/-(सभी कर सहित), अर्नेस्ट मनी/बिड सिक्योरिटी (रू0 में): ₹ 2,47,300/- कुल मात्रा-08 अदद, निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये: 0.00, कार्य की अवधि-24 माह, ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 14.10.2025 को समय 15:00 बजे। निविदाकार ई-निविदा को दिनांक 14.10.2025 को समय 15:00 बजे तक आन लाईन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं ई-निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(टीआरएस)
मुजाधि/विद्युत-139 लोको शेड,इज्जतनगर

ट्रेनों में बीडी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत लखा विकास खंड शेरगढ़, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी पंजीकृत फर्मो को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-2026 की ग्राम निधि/मनरेगा RGSA , की धनराशि से बहुउद्देशीय पंचायत भवन का निर्माण कराया जाना है। जिसमें निर्माण हेतु सामग्री सरिया, सीमेंट, बजरी, बजरफुट, प्रथम श्रेणी ईट, इंटरलॉकिंग ईट, बालू, रेता, चौखट, विंडो, दरवाजे, पाइप लाइन, बिजली फिटिंग, लोहे का गेट, टंकी फिटिंग प्राइमर, पेंट, वृक्षारोपड आदि आपूर्ति हेतु सीलबन्द निविदाएं दिनांक 21.09.2025 से 03.10.2025 के 11 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 2 बजे तक खोली जाएगी। निविदा स्वीकृत करने न करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	ग्राम पंचायत लखा में पंचायत भवन का निर्माण	1830870/-

ग्राम प्रधान-रियासत खां — सचिव-इमरान खां

कार्यालय नगर पालिका परिषद लखीमपुर खीरी

पत्रांक: 280/शापरेण्ट/एम.बी.एल./2025-26 — दिनांक: 20.09.2025

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गल्ला मण्डी स्थिति पालिका की दुकानों के प्रथम तल पर निर्मित दुकानों की नीलामी की उच्चतम बोली के आधार पर दिनांक 30.09.2025 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद, लखीमपुर में सार्वजनिक रूप से की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति अंकन 50,000/- का बैंक ड्राफ्ट अथवा नकद जमानत राशि के रूप में जमा कर बोली में भाग ले सकता है। बोली निर्धारित लागत से कम आने या अन्य कारणों से बिना किसी सूचना के निरस्त की जा सकती है। यदि बोली किन्हीं कारणोंवश निर्धारित तिथि में नहीं हो पाती है। तो बोली अगले कार्य दिवस में की जायेगी, जिसकी सूचना पृथक से नहीं दी जायेगी। शेष नीलामी की शरायतें पूर्ववत् रहेगी जो पालिका कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस/कार्य अवधि में देखी जा सकती है।

क्र.	नीलामी का विवरण	जमानत धनराशि	नीलामी दिनांक
1.	गल्ला मण्डी स्थिति पालिका की दुकानों के प्रथम तल पर निर्मित दुकानों की प्रीमियम नीलामी।	50,000.00	07.10.2025

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, लखीमपुर — **अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, लखीमपुर**

कार्यालय नगर पालिका परिषद लखीमपुर खीरी

पत्रांक: 279/शापरेण्ट/एम.बी.एल./2025-26 — दिनांक: 20.09.2025

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रान्सपोर्ट नगर स्थिति 08 दुकानों की नीलामी प्रीमियम की उच्चतम बोली के आधार पर दिनांक 27.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद लखीमपुर में सार्वजनिक रूप से की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति अंकन 50,000/- का बैंक ड्राफ्ट/नकद जमानत राशि के रूप में जमा कर बोली में भाग ले सकता है। बोली निर्धारित लागत से कम आने या अन्य कारणों से बिना किसी सूचना के निरस्त की जा सकती है। यदि बोली किन्हीं कारणोंवश निर्धारित तिथि में नहीं हो पाती है तो बोली अगले कार्य दिवस में की जायेगी, जिसकी सूचना पृथक से नहीं दी जायेगी। शेष नीलामी की शरायतें पूर्ववत् रहेगी जो पालिका कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस/कार्य अवधि में देखी जा सकती है।

क्र.	नीलामी का विवरण	जमानत धनराशि	नीलामी दिनांक
1.	ट्रान्सपोर्ट नगर स्थित 08 दुकानों की प्रीमियम नीलामी।	50,000.00	07.10.2025

अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, लखीमपुर — **अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, लखीमपुर**

नेशनल ब्रीफ

दीपोत्सव में होगा मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या में 18 से 20 अक्टूबर तक आयोजित दीपोत्सव-2025 में पर्यटन विभाग की ओर से प्रतिदिन कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शो आयोजित होंगे। मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन व लेजर शो का भव्य प्रदर्शन होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक दीयों के साथ आधुनिक प्रकाश तकनीकों के संगम से मंत्रमुग्ध कर देने वाला दृश्य प्रस्तुत करना है।

नकल माफिया हाकम समेत दो लोग पकड़े गए

देहरादून, अमृत विचार : एसटीएफ और देहरादून पुलिस ने अभ्यर्थियों को गुमराह कर परीक्षा में पास कराने का प्रलोभन देने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सख्त नकल विरोधी कानून के तहत नकल माफिया हाकम सिंह समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई रविवार को होने वाली उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय पदों की लिखित परीक्षा से ठीक पहले की गई है।

हाईकोर्ट बेंच के लिए किया प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार : हाईकोर्ट बेंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश के निर्देश पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू के नेतृत्व में अधिवक्ता एकत्र हुए। हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करने के बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। अधिवक्ताओं ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रयागराज में है, जिसकी एक बेंच केवल प्रदेश की राजधानी लखनऊ में है।

लखनऊ के मॉल में गोलीबारी, 4 गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी : लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के एक मॉल में गोलीबारी करने के आरोप में एक महिला समेत चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना 19 और 20 सितंबर की दरमियानी रात हुई, जब कुछ लोगों ने मॉल के सुरक्षाकर्मियों से विवाद किया। उन्होंने बताया कि इसी बीच एक व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से गोलीबारी की। इस मामले में हर्ष मिश्रा (23), प्रिंस वर्मा (28), रोहित पटेल (30) और स्वाति (35) को गिरफ्तार किया गया है।

अयोध्या में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़

अयोध्या, एजेंसी : अयोध्या पुलिस ने शहर में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़ कर एक निजी अतिथि गृह के मालिक गणेश अग्रवाल और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान 11 लड़कियों को भी पकड़ा गया। अयोध्या के पुलिस क्षेत्राधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि को पुलिस टीम अतिथि गृह पहुंची, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने कहा कि कमरों में मौजूद लड़कियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन बाहर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया और सभी को थाने लाया गया। सिंह के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में पता चला कि गणेश अग्रवाल इन लड़कियों को बिहार और गोरखपुर से लाया था।

वर्ष का अंतिम सूर्य ग्रहण आज रात लगेगा

संवाददाता, नैनीताल

- सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा

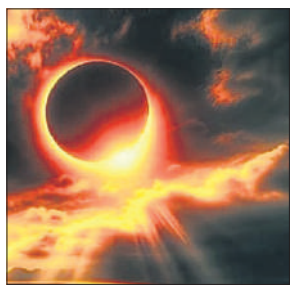

अमृत विचार : वर्ष का अंतिम सूर्य ग्रहण रविवार को लगने जा रहा है। 4.33 घंटे की अवधि वाला यह खंडग्रास सूर्य ग्रहण होगा जो ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भाग, न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका, प्रशांत महासागर व अटलांटिक महासागर में दिखाई देगा।

भारतीय समय के अनुसार ग्रहण की शुरुआत रात लगभग 11 बजे से होगी जो देर रात लगभग 3.33 बजे तक चलेगा। इससे पहले सात सितंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण की खगोलीय घटना हुई थी। जिसे भारत में देखा गया था, लेकिन 21 सितंबर को लगने जा रहा सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडेय के अनुसार, सूर्य ग्रहण सामान्य खगोलीय घटना है।

ग्लोबल मार्केट प्लेस जैसा अनुभव, सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन पर फोकस

यूपीआईटीएस 2025 : हर जिला कहेगा अपनी कहानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) -2025 इस बार एक नया अनुभव लेकर आ रहा है। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में लगने वाले इस महाकुंभ में हॉल नंबर-9 का ओडीओपी पवेलियन विशेष आकर्षण का केंद्र होगा। यहां पूरे प्रदेश के 343 स्टॉल सजेंगे, जो न सिर्फ उत्पाद दिखाएंगे बल्कि हर जिले की अपनी पहचान और अपनी कहानी भी सुनाएंगे।

योगी सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के तहत यह पवेलियन परंपरा, नवाचार और उत्कृष्टता का संगम बनेगा। भदोही के कालीन, फिरोजाबाद का ग्लास आर्ट, मुरादाबाद का मेटलवेयर और सहारनपुर की लकड़ी पर नक्काशी प्रदेश की समृद्ध कारीगरी को दुनिया के सामने रखेंगे। इन उत्पादों के जरिए स्थानीय कारीगरों की कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी और 'लोकल से ग्लोबल' के विजन को नया आयाम मिलेगा। इस बार का ओडीओपी पवेलियन सस्टेनेबिलिटी और इनोवेशन पर खास ध्यान देगा। पारंपरिक शिल्प को आधुनिकता से जोड़कर टिकाऊ उत्पादन की दिशा में पहल होगी। पर्यावरण हितैषी तकनीक के साथ डिजाइन अपडेट कर कारीगरों को वैश्विक बाजार की जरूरतों से जोड़ा जाएगा।

वैश्विक बाजार तक होगी पहुंच

यह पवेलियन केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ग्लोबल मार्केटप्लेस जैसा होगा। यहां परंपरागत हस्तकला के साथ आधुनिक डिजाइन और तकनीक का संगम दिखेगा। स्टार्टअप्स, डिजाइनर्स और इंटरनेशनल बायर्स के लिए यह साझा मंच बनेगा। प्रदर्शनी से व्यापारिक समझौते, नेटवर्किंग और भविष्य की साझेदारियों के अवसर खुलेंगे। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय उद्योग और कारीगर सीधे वैश्विक बाजार तक पहुंच सकेंगे, जिससे उनकी पहचान और आमदनी दोनों में इजाफा होगा।

हर जिले का अलग आकर्षण

फिरोजाबाद का ग्लास आर्ट, हाथरस की हींग, हापुड़ की हैंडलूम बेडशीट, गौतमबुद्ध नगर का टेक्सटाइल व ज्वेलरी, मुरादाबाद का मेटल फर्नीचर, बरेली की जरी जरदोजी, कन्नौज का इत्र, वाराणसी की बनारसी साड़ी, कानपुर का लेदर प्रोडक्ट्स, चित्रकूट के लकड़ी के खिलौने, बुलंदशहर की खुर्जा पॉटरी, लखनऊ का चिकनकारी परिधान, एटा के घुंघरू, मैनपुरी की ताकशी आर्ट, प्रतापगढ़ का आमला, आजमगढ़ की सिल्क साड़ी, अलीगढ़ के ताले, सहारनपुर का वुडेन किचनवेयर और मथुरा के ठाकुर जी की पोशाक।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर पलटी कार, दो युवकों की मौत

बरेली से लौट रहे थे, सुबह घूमने निकले लोगों ने पुलिस को दी सूचना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

एक्सप्रेस वे पर खड़ी क्षतिग्रस्त कार।

अमृत विचार : निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पर अनियंत्रित कार पलट गई। हादसे में बरेली से लौट रहे दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर परिजन चीत्कार करते हुए पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कोतवाली बिसौली क्षेत्र के मेन चौराहा स्थित मोहल्ला कटरा निवासी अंशुल गुप्ता और कस्बा के मोहल्ला बुद्ध बिहार निवासी स्पर्श गर्ग किसी काम से कार से बरेली गए थे। लौटने में रात हो गई थी। शुक्रवार देर रात गंगा एक्सप्रेस वे स्थित गांव जुलहापुर भमोरी के पास कार अनियंत्रित हो गई और पलट गई। शनिवार को लोग टहलने के लिए निकले तो पलटी कार दिखा। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों युवकों की पहचान करके उनके परिजनों को सूचना दी। शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पुलिस ने शवों को पीएम के लिए भेज दिया।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर शुरू नहीं हुआ यातायात

जिले में करीब 92 किलोमीटर लंबाई का गंगा एक्सप्रेस-वे बन रहा है। इसका काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है। इसी वजह से गंगा एक्सप्रेस वे पर अभी यातायात शुरू नहीं हुआ है। लेकिन यह लोग गंगा एक्सप्रेस वे पर किस लिए गए। इसका कारण पुलिस को अभी तक नहीं मिला है। सुबह के समय शनिवार को ग्रामीणों ने एक्सप्रेस वे पर क्षतिग्रस्त कार देखी। इसके बाद इसकी सूचना उनके द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव कार से बाहर निकाले। पुलिस ने उनकी पहचान उनके पास से मिले दस्तावेजों से की। पहचान होने पर पुलिस ने परिजनों को सूचना दी।

शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों की भर्ती का रास्ता साफ

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) जूनियर हाईस्कूलों में शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों की लंबित भर्ती का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। शासन ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर भर्ती को मंजूरी दे दी है। बेसिक शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि आरक्षण नियमों का पालन करते हुए जल्द से जल्द चयन प्रक्रिया पूरी की जाए।

वर्ष 2021 में प्रदेश के जूनियर हाईस्कूलों में करीब 1500 पदों (260 प्रधानाध्यापक और 1250 शिक्षक) के लिए अधियाचन जारी हुआ था। परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने लिखित परीक्षा भी कराई, जिसमें लगभग 41 हजार अभ्यर्थी सफल हुए थे। लेकिन प्रश्नपत्र के एक सवाल पर विवाद के चलते मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया और भर्ती अटक गई। फरवरी 2025 में हाईकोर्ट ने इस मामले में अंतिम फैसला सुनाया। इसके बाद शासन ने कार्मिक विभाग सहित अन्य विभागों से आरक्षण संबंधी स्थिति स्पष्ट कराई।

तीन दोस्तों ने युवक की हत्या कर भट्ठे की चिमनी में डाला शव

कार्यालय संवाददाता, संभल

मृतक मोनू।

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र में साथ रामलीला देखने गए तीन दोस्तों ने युवक की हत्या कर शव बंद पड़े ईंट भट्ठे की चिमनी में मिट्टी से दबा दिया। शव को गला कर खत्म करने के लिए हत्यारे हर दूसरे दिन शव पर नमक डालते रहे। छह दिन से लापता युवक को तलाशने में जुटी पुलिस ने संदेह के आधार पर एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या का राज खोलने के साथ ही शव भी बरामद करा दिया।

हत्या के बाद हत्यारे युवक के गले से सोने की चेन भी निकाल लाये थे। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को हिरासत में लेकर हत्या की वजह जानने के लिए पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने एक हत्यारोपी के घर से चेन भी बरामद कर ली है। गुमसानी गांव निवासी योगेश कुमार का 22 साल का बेटा मोनू 15 सितंबर की रात को घर से गांव में रामलीला देखने जाने की बात कहकर निकला था और फिर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रात को मोनू का इंतजार किया और फिर सुबह को गांव व आसपास इलाके में तलाशा। जब कुछ पता नहीं चला तो बड़े भाई तुषार सिंह ने मोनू की गुमशुदगी असमोली थाने में दर्ज करा दी।

पुलिस मोनू का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही थी। जांच के दौरान गांव के ही सत्यवीर व मनवीर ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 15 सितंबर की रात मोनू को गांव के ही निवासी तीन दोस्तों अर्पित, शोभित व बॉबी के साथ जाते उन्होंने देखा था। तीनों से पूछताछ की गई तो इन्होंने बताया कि रामलीला देखने मोनू के साथ गए थे लेकिन उसके बाद वह कहां गया उन्हें नहीं पता।शनिवार को ग्रामीणों ने अर्पित को बंद पड़े ईंट भट्ठे की ओर जाते हुए देखा तो शक हो गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने ईंट भट्ठे के पास ही अर्पित को पकड़ लिया।

राहुल, सोनिया, प्रियंका व खरगे के खिलाफ कोर्ट में शिकायत दर्ज

लखनऊ, एजेंसी: लखनऊ की स्थानीय सांसद/विधायक अदालत में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी व प्रियंका गांधी वाद्रा समेत पार्टी के छह वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ शनिवार को राष्ट्र-विरोधी बयान देने के आरोप में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में दावा किया गया है कि दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान, राहुल गांधी ने कहा था कि वह भारत के खिलाफ लड़ रहे हैं।

सांसद/विधायक अदालत के विशेष अपर मुख्य दंडाधिकारी (एसीजेएम) आलोक वर्मा ने शिकायत का संज्ञान लिया है और शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए एक अक्टूबर को सुनवाई निर्धारित की है।यह शिकायत सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव नृपेंद्र पांडे ने दायर की है। शिकायत में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, राज्यसभा सदस्य के.सी. वेणुगोपाल और जयराम रमेश के नाम शामिल हैं।

सरकार संकट की घड़ी में आपदा पीड़ितों के साथः धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मृतकों के परिजनों को प्रदान की 5-5 लाख की सहायता राशि

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को चमोली जनपद के नंदानगर क्षेत्र में आपदा प्रभावितों का दुःख साझा करते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। कहा कि, संकट की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का विस्तृत आकलन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि के चेक भी प्रदान किए। आपदा प्रभावित कुंतारी लगा फाली और कुंतारी लगा सरपाणी का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही धुर्मा, मोख, कुंडी, बांसबारा और मोखमल्ला गांवों का हवाई सर्वेक्षण कर आपदा से नुकसान एवं राहत कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों से भेंट कर कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार पूरी तरह से प्रभावितों की साथ खड़ी है। प्रभावित क्षेत्रों में युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनजीवन को जल्द सामान्य करने के लिए राहत एवं बुनियादी सुविधाओं की बहाली के कार्यों को पूरी क्षमता व तत्परता से संचालित करने में निरंतर जुटे रहें। प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत एवं पेयजल की सुचारू आपूर्ति और सभी क्षेत्रों तक सड़क संपर्क बहाल करने के काम को प्राथकिता से पूरा किया जाए। इस दौरान डीएम चमोली संदीप तिवारी ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं। अब तक 12 घायलों को हेलीकॉप्टर से हायर सेंटर रेफर किया गया है, जिनमें से 1 घायल को एम्स ऋषिकेश तथा 11 को मेडिकल कॉलेज श्रीनगर भेजा गया। कुंतरी लगा फाली, सरपाणी, धुर्मा, सेरा एवं मोख में लगभग 45 भवन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं तथा 15 गौशालाएं भी नष्ट हुई हैं। वहीं, इन क्षेत्रों में आठ मवेशी मृत एवं 40 लापता बताए गए हैं।

पेट्रोल लेकर छत पर चढ़ा छात्रनेता आत्मदाह की दी चेतावनी

संवाददाता, हल्द्वानी

छात्रनेता दीपक।

- एमबीपीजी में दूसरे छात्र का नामांकन निरस्त करने की मांग को लेकर बवाल

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में 27 सितंबर को होने वाले छात्रसंघ चुनाव से पहले कॉलेज में विवाद गहराता जा रहा है। कॉलेज का छात्रनेता दीपक पलड़िया शनिवार को वर्तमान में अध्यक्ष पद के दावेदार कमल बोरा का नामांकन रद्द करने की मांग को लेकर पेट्रोल से भरी बोतल लेकर प्राचार्य कक्ष की छत पर चढ़ गया और रद्द नहीं किये जाने पर आत्मदाह की चेतावनी देने लगा।

स्थिति बिगड़ते देख प्रॉक्टर बोर्ड ने उसे काफी देर तक समझाया, जिसके बाद वह छत से नीचे उतर गया। लेकिन इसके कुछ देर बाद ही वह कुछ बाहरी युवकों के साथ प्राचार्य कक्ष में घुस गया और प्राचार्य पर कमल बोरा का नामांकन रद्द करने का दबाव बनाने लगा। इस दौरान बाहरी युवक प्राचार्य की टेबल को पीटने लगे, जिस पर कोतवाल ने उन्हें समझाने का प्रयास किया लेकिन वह कोतवाल के साथ भी अभद्रता करने लगे। काफी देर हंगामा होने के बाद प्राचार्य और पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद मामला शांत हुआ। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व दीपक पलड़िया ने वर्तमान में अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कमल बोरा पर आरोप लगाया था कि उसने पूर्व छात्रसंघ सचिव कमल सिंह बोहरा के पद का दुरुपयोग किया।

कहा कि उसने दीपक बोहरा की जगह पर सचिव के पद पर कार्य किया और एक ही तरह के नाम होने का नाजायज फायदा उठाया। इस तरह उसका नामांकन रद्द किया जाना चाहिए। प्राचार्य की ओर से शिकायत के निस्तारण के लिए जांच समिति गठित की गई थी, जिस पर उसे शीघ्र ही रिपोर्ट सौंपे जाने का आश्वासन दिया गया था। घटनाक्रम के तहत शनिवार को दीपक पलड़िया जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त करने प्राचार्य कक्ष में पहुंचा। जिस दौरान समझाने पर वह लौट गया। लेकिन कुछ देर बाद वह दोबारा एक पेट्रोल से भरी बोतल लेकर कॉलेज की छत पर चढ़ गया और आत्मदाह की चेतावनी देते हुए अध्यक्ष पद के प्रत्याशी कमल बोरा का नामांकन रद्द करने की मांग करने लगा।

छात्र नेता दीपक पलड़िया की ओर से की गई शिकायत की जांच के बाद प्राचार्य एनएस बनकोटी ने स्पष्ट किया कि सभी दस्तावेजों की जांच के दौरान कोई अनियमितता नहीं पाई गई। कमल बोरा और कमल सिंह बोहरा दो अलग-अलग व्यक्ति हैं और नामांकन और कार्यवाही पूरी तरह से नियमानुसार रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रपत्रों की जांच पूरी पारदर्शिता से की गई है। यदि इसके बाद भी किसी को अब भी आपत्ति है, तो वह न्यायालय की शरण ले सकता है।

अनामिका शुक्ला प्रकरण में एसटीएफ की जांच तेज

अयोध्या कार्यालय

- महत्वपूर्ण सुराग लगे हाथ, दो दिन में कुछ गिरफ्तारी संभव

अमृत विचार : गोंडा जिले में बहुचर्चित अनामिका शुक्ला प्रकरण ने नया मोड़ ले लिया है। लखनऊ हाईकोर्ट के हालिया आदेश के बाद उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। प्रारंभिक जांच में अयोध्या एसटीएफ इकाई को महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं। जिनमें फर्जी दस्तावेजों और नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े प्रमाण शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, जांच के दायरे में कई संदिग्ध सूत्रधार आ गए हैं, जिनकी गिरफ्तारी किसी भी समय संभव है।

यह प्रकरण 2020 से चर्चा में है, जब कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में एक फर्जी अनामिका शुक्ला ने सहायक अध्यापिका के पद पर नौकरी हथिया ली थी। असली अनामिका शुक्ला के सामने आने के बाद खुलासा हुआ कि फर्जी व्यक्ति ने नकली डिग्री और प्रमाणपत्रों का इस्तेमाल कर वेतन का गबन किया। स्थानीय पुलिस की प्रारंभिक जांच में गोंडा के नगर कोतवाली में 2020 में अनामिका द्वारा ही दर्ज मुकदमे का जिक्र आया, जिसमें डिग्री दुरुपयोग का आरोप था। अगस्त 2025 में सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप कुमार पांडे ने अनामिका शुक्ला समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।जिसमें फर्जी नियुक्ति और आर्थिक हेराफेरी के गंभीर आरोप लगाए गए। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने 10 सितंबर 2025 को सुनवाई के दौरान इस मामले को गंभीर बताते हुए दोनों मुकदमों (2020 और 2025) की संयुक्त जांच एसटीएफ को सौंपी। जस्टिस रजनीश कुमार और राजीव सिंह की डबल बेंच ने अनामिका शुक्ला को 27 अक्टूबर तक गिरफ्तारी से अंतरिम राहत दी है, लेकिन एसटीएफ से चार सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट मांगी है। अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली सुनवाई तक विवेचना की पूरी स्थिति एसटीएफ को रिपोर्ट करनी होगी।

रामनगर में लव जिहाद पर हिंदूवादी भड़के

संवाददाता, रामनगर

लव जिहाद के मामले को लेकर कोतवाल से वार्ता करते भाजपा नेता मदन जोशी।

अमृत विचार: अचानक एक नाबालिग छात्रा के लापता होने और बाद में विशेष समुदाय के एक युवक के घर से बरामद होने हंगामा खड़ा हो गया। हिंदूवादी संगठनों ने कोतवाली पहुंचकर नारेबाजी कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किए जाने की मांग की।

नगर की आठवीं कक्षा की छात्रा नियमित रूप से नगर के एक कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाती थी। आरोप हैकि उसकी एक सहेली जो दूसरे समुदाय से है, ने उसका परिचय अपने समुदाय के एक युवक से कराया। परिचय के बाद दोनों के बीच बातचीत और मुलाकातें शुरू हो गईं। आरोप है कि छात्रा को उसी सहेली ने हाल ही में बुर्का भी सौंपा था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नगर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया। शुक्रवार को जब छात्रा घर से स्कूल के लिए निकली और देर शाम तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद जब छात्रा का पता नहीं चला तो परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस और परिजनों ने मिलकर खोजबीन की तो छात्रा को संबंधित युवक के घर से बरामद कर लिया गया। छात्रा की बरामदगी की खबर जैसे ही नगर में फैली हिंदूवादी संगठन आक्रोशित हो गए। भाजपा नेता मदन जोशी, करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सूरज चौधरी समेत बड़ी संख्या में लोग कोतवाली पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। संगठनों ने आरोपी युवक पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने नगर में चल रहे कोचिंग सेंटरों की भी जांच कराने की अपील की।

अपराध | मूंढापांडे थाना क्षेत्र में दबिश के दौरान महिलाओं ने किया पथराव, सिपाही घायल

गोकशी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर फायरिंग

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

पुलिस की गिरफ्त में गोकशी का आरोप माजिद अली उर्फ अल्लामेहर।

अमृत विचार: मूंढापांडे थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात गोकशी के आरोपी माजिद अली उर्फ अल्लामेहर को पकड़ने गई पुलिस टीम को घेरकर हमला किया गया।

इस दौरान महिलाओं ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया। जिसमें सिपाही संजीव कुमार घायल हो गया। कई और अन्य पुलिस कर्मियों के पैरों में गुम चोट आई हैं। इसी बीच आरोपी पुलिस कर्मियों से हाथ छुड़ाकर जीने से छत पर पहुंच गया और तमंचे से फायरिंग की। घटना की सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस के साथ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी माजिद उर्फ अल्लामेहर को दबोच लिया। जिसके बाद पुलिस टीम पर पथराव करने वाली चार महिलाएं भी गिरफ्तार कर ली हैं।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि थाना मूंढापांडे के खानपुर लक्खी निवासी माजिद अली उर्फ अल्लामेहर गांव में मीट की दुकान चलाता है। लाइसेंसी दुकान की आड़ में वह गोकशी की घटनाएं करता है। पहले भी उसके खिलाफ गोकशी के मामले में केस दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि बीते शुक्रवार की रात मूंढापाडे थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ आरोपी की गिरफ्तारी करने आए थे। टीम ने उसके घर में दबिश दी तो महिलाएं और पुरुष इकट्ठा हो गए और माजिद को छुड़ाने का प्रयास करने लगे। हटाने का प्रयास किया तो पुलिस पर हमला कर पथराव किया। जिसमें सिपाही संजीव कुमार हाथ में पत्थर लगने से घायल हो गए। कई पुलिस कर्मी भी चोटिल हो गए। इसी बीच आरोपी पुलिस कर्मियों से छुड़ाकर जीने से छत पर पहुंच गया। इस दौरान एक आरोपी ने बिजली सप्लाई बंद कर दी। आरोपी माजिद ने छत से ही पुलिस पर निशाना बनाते हुए फायरिंग की। जिसमें पुलिस बाल बाल बची।

पुलिस टीम पर पथराव करने के आरोप में जैनब, शबीना, आसमा, नूर अफ्सा को गिरफ्तार किया गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपियों को शनिवार की शाम कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

आसपास के थानों से बुलाई गई पुलिस

सूचना मिलने पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह और सीओ हाईवे राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आस पड़ोस के थानों की पुलिस भी बुला ली गई। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी माजिद उर्फ अल्लामेहर को गिरफ्तार कर उससे तमंचा बरामद किया गया है।

- आरोपी माजिद उर्फ अल्लामेहर तमंचे के साथ दबोचा गया, चार महिलाएं भी गिरफ्तार

पुलिस की गोली से एक गो तस्कर घायल, दो गिरफ्तार

बिलासपुर, अमृत विचार : केमरी में पुलिस की गो तस्करों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने एक घायल बदमाश सहित दो को गिरफ्तार किया है। जबकि दो मौका पाकर फरार हो गए। आरोपियों के कब्जे से एक बाइक, तमंचा, एक कारतूस, दो खोखे एवं पशुओं के वध करने के उपकरण बरामद किए हैं।थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान के अनुसार शुक्रवार रात सूचना मिली कि गांव रहसैना के जंगल में कुछ लोग गोकशी करने जा रहे हैं। वह पुलिस बल के साथ पहुंच गए। इस दौरान गोतस्करों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम को जान से मारने की नियत से फायरिंग की।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,21 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पैर फिसलने से नदी में डूबा किशोर

फतेहगंजपूर्वी, अमृत विचार : जानवर चराने बहगुल नदी के किनारे गया युवक का पैर फिसल जाने से नदी में डूब गया जिसकी तलाश में गोताखोर लगातार नदी में खोजबीन कर रहे हैं। ग्राम कुठिला निवासी अमित कुमार पुत्र संजू कश्यप (15) शनिवार को जानवर चराने बहगुल नदी के किनारे गया था। जानवर चराते समय अमित का पैर अचानक फिसल गया जिससे वह बहगुल नदी में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियो की सूचना पर पहुचे परिजनों ने नदी में कूद कर तलाश शुरू कर दी जब देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लगा।

कुत्ते ने तीन लोगों को काटकर किया घायल

फतेहगंजपूर्वी, अमृत विचार : नगर में बंदरों एवं कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है । खूंखार हुए एक कुत्ते ने आज नगर में कई लोगों को काटकर जख्मी कर दिया । कुत्ते की वजह से लोग घरों से निकले को भय खा रहे हैं । शनिवार को मोहल्ला बाजार जनूवी निवासी अंशू (18) बबलू का 10 वर्षीय पुत्र,गिहार बस्ती की डॉली (11) नई कॉलोनी निवासी उमेश पाल (20) को कुत्ते ने काटकर जख्मी कर दिया। कुत्ते के लगातार नगर के मोहल्ले में घूमने से लोग भयभीत हैं । छोटे-छोटे बच्चे तो घर से निकलने में भय खा रहे हैं ।

कल से गन्ना समिति में लगेगा किसान मेला

मीरगंज, अमृत विचार : सहकारी गन्ना विकास समिति परिसर में 22 से 29 सितंबर तक सात दिवसीय सर्वे-सट्टा किसान मेला आयोजित होगा। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक संजय कुमार राव ने बताया कि किसान मेला अवधि में अपना सर्वे कैलेंडर देखकर अवलोकन कर सकेंगे। गन्ना समिति सचिव अशोक कुमार सिंह और जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार सैनी ने किसानों से अधिकाधिक भागीदारी की अपील की है।

दशहरा, दीपावली का त्योहार शांति से मनाएं

सिरौली, अमृत विचार : एसडीएम आंवला विदुषी सिंह ने कहा कि नौदेवी, दशहरा, दीपावली के त्योहार सादगी के साथ मनाए। यह बात आज उन्होंने थाने में आयोजित क्षेत्र के लोगों के साथ थाने में पीस कमेटी की बैठक में कही । बैठक में सीओ मीरगंज अजय कुमार, संदीप गौड़, सुरेश पांडे, प्रदीप गुप्ता , सभासद अकरम अली , विजय सिंह ,पुनीत गुप्ता, नितिन पांडे सभासद चंदन माली आदि रहे।

न्यायिक तहसीलदार नियुक्त करने की मांग

आंवला, अमृत विचार : आंवला बार एसोसिएशन के महासचिव राजपाल मौर्य ने एडीएम ई पूर्णिमा सिंह को ज्ञापन देकर न्यायिक तहसीलदार की नियुक्ति करने की मांग की है। कहा कि नायब तहसीलदार बल्लिया की पत्रावलियों पर समय से कार्य नहीं हो पा रहा है।

दुर्घटनाओं में चार की मौत, 6 घायल

बाइक में टक्कर मारकर ट्रक चालक फरार , राहगीरों ने रास्ता जाम कर जताया गुस्सा

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जिले में शनिवार को अलग अलग क्षेत्रों में हुई दुर्घटनाओं में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गये। राजपुरकलां में बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इससे एक महिला की मौके पर मौत हो गई ।आक्रोशित लोगों ने जाम लगा दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। नवाबगंज में बाइकों की आमने सामने भिडत से एक युवक की मौत हो गई।

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला धर्मपुर शिवदेई (55) अपने बेटे कृष्णपाल के साथ शनिवार को बाइक से दवा लेने भगवंतापुर जा रही थीं। गांव भंडसर में उनकी बाइक को सामने से एकअन्य वाहन ने टक्कर मार दी। इससे शिवदेई उछल कर दूर जा गिरीं और घायल हो गयीं। राहगीरों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के चार बेटे एक बेटी है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, तीन घायल

मृतक नरेश।

नवाबगंज, अमृत विचार : शनिवार दोपहर नवाबगंज क्षेत्र के धौरेरा चौराहे पर दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दूसरी बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मृतक की पहचान नरेश (पुत्र खुलासी राम), निवासी ग्राम ऐमी, थाना जहानाबाद, जिला पीलीभीत के रूप में हुई। नरेश अपनी पत्नी कौशल्या देवी को दवा दिलाकर नवाबगंज से घर लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में नरेश का सिर सड़क से टकराया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी कौशल्या देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें नवाबगंज के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवक भी गंभीर घायल हुए हैं, जिन्हें प्राइवेट एम्बुलेंस से पीलीभीत रेफर किया गया। घटना की सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया। नरेश भट्टे पर मजदूरी करता था। तीन महीने पहले ही उसके पिता की हार्ट अटैक से मौत हुई थी।

घायल ज्योति

ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत, दो घायल

राजपुरकलां, अमृत विचार : थाना अलीगंज क्षेत्र के ग्राम खटेटा में शनिवार शाम सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने ट्रक को रोक लिया और सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा, तब जाकर यातायात सुचारू हो सका। परिजनों के अनुसार मृतका धनदेई (50) अपने भांजे अवधेश (26) और भांजी ज्योति (17) के साथ पुन्नापुर गांव से मोटरसाइकिल पर दावत खाकर घर हर्रे की गोटिया लौट रही थीं। जैसे ही वे सिरौली-अलीगंज मार्ग पर खटेटा गांव के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अवधेश और ज्योति को हल्की चोटें आईं। पुलिस ने घायलों को सीएचसी मझगवां भिजवाया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रक को रोक लिया और तकरीबन आधे घंटे तक मार्ग अवरुद्ध कर हंगामा किया। सूचना पर अलीगंज पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेजकर लोगों को शांत कराया। थाना अलीगंज प्रभारी इंस्पेक्टर जगत सिंह ने बताया कि ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है।

रेल लाइन पर गाना सुनते जा रहे युवक की ट्रेन से कटकर मौत

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव रूकुमपुर निवासी मदन लाल ने रेलवे लाइन के पार मौजूद तालाब में सिंघाड़े की फसल लगाई है। शनिवार को बेटा सिंघम (19) तालाब में मौजूद सिंघाड़े को देखने जा रहा था। पिता मदन लाल ने बताया सुबह आठ बजे अप ट्रैक पर आ रही ट्रेन को तो उसने देख लिया, लेकिन डाउन ट्रैक पर आ रही ट्रेन को नहीं देख पाया कान में मोबाइल की लीड लगे होने से हॉर्नभी नहीं सुनाई पड़ा और ट्रेन की चपेट में आ गया। और मौके पर मौत हो गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस भी पहुंच गई। कुछ देर तक दोनों विभाग की पुलिस के बीच सीमा विवाद रहा ।बाद स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

रास्ते में दलदल से छात्रों को स्कूल जाने में हो रही दिक्कत

नवाबगंज, अमृत विचार, साहब प्राथमिक विद्यालय से नहर की पुलिया तक 200 मीटर का रास्ता दलदल में तब्दील हो चुका है। बच्चों को स्कूल जाना बंद हो गया है। ग्रामीणों को आवागम में परेशानी हो रही है। इस मार्ग को दुरुस्त करवा दें। यह बात गांव गौटिया हुसैनगंज मजरा लावा खेड़ा के ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में एसपी ग्रामीण मुकेश चन्द्र मिश्रा और एसडीएम उदित पवार के सामने उठाई तो उन्होंने मौके पर ही समस्या का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई का आश्वासन दिया। यहां कुल 59 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 5 का मौके पर निस्तारण कर दिया

फरीदपुर में एडीएम संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुए समाधान दिवस में 37 शिकायतों में से 6 शिकायतों का निस्तारण किया गया। **बहेडी** में 125 शिकायतें आई इनमें से 37 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। यहां एडीएम वित्त और एसडीएम और एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव रही। सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग एवं जमीनी सम्बन्धी आई ।तहसीलदार भानू प्रताप, ईओ शशि प्रभा चौधरी, रेन्जर एस एस,चौहान, अकिंत गंगवार आदि रहे।

चार घरों में नकब लगाकर नकदी, जेवर ले गए चोर

चोरी के बाद बिखरा सामान दिखाता पीड़ित ● अमृत विचार

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

- एक घर में नकब लगाई तो कमरे में भूसा मिला,दूसरे में हो गई जाग

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के धनेटा गांव में चोरो ने एक ही रात में चार घरों में नकब लगाई। इसमें दो घरों से तो हजारों की नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। एक घर में लोग जाग गये तो चोर भाग गये। एक घर में नकब लगाई तो कमरे में भूसा भरा था। इससे वहां भी सफल नहीं हो पाए। घटना के दौरान चोरों ने सीसीटीवी पर हाथ लगाकर बंद कर दिया था। जानकारी के बाद पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है।

शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने चंद्रपाल निवासी धनेटा फाटक के घर में नकब लगाकर घर में घुस गये औरअलमारी का ताला खोलकर 30 हजार नगद, एक सोने की चेन, दो चांदी की अंगूठी और एक सोने की बाली चुरा ले गये। इसके बाद वह पड़ोसी मनोहर लाल के घर में नकब लगाई। यहां बक्से का कुंडा तोड़कर सामान उठा ले गये। मनोहर लाल का परिवार हिमाचल में काम करने गया था। इसके बाद गांव के ही गंगा चरन के घर में नकब लगाया लेकिन कमरे में भूसा भरा होने से यहां चोरी नहीं हो पाई। नेमचंद के घर भी घुसे लेकिन यह लोग जाग गये तो चोर माका पारक फरार हो गये।

किसानों ने सौंपा समस्याओं का ज्ञापन

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: भारतीय किसान मजदूर यूनियन (राष्ट्रवादी) ने प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी के नेतृत्व में नायब तहसीलदार फरीदपुर को सौंपे ज्ञापन में क्षेत्र की समस्याओं के बारे में अवगत कराया। नायब तहसीलदार ने ज्ञापन को उच्चाधिकारियों तक पहुंचान का आश्वासन दिया है।

मंडल प्रभारी करण सिंह यादव ने बताया कि पितांबरपुर रेलवे फाटक पर सर्विस लेन न होने से निर्माणाधीन ओवरब्रिज के बाद रास्ता बाधित हो गया है। बुखारा रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास घरों के ऊपर से गुजरती हाई टेंशन लाइन ग्रामीणों के जीवन को खतरे में डाल रही है। विरासत दर्ज कराने में हो रही खींचतान और अधिकारियों की लापरवाही ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। किसानों ने चेतावनी दी कि समस्या हल नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में राम सिंह लोधी, हरवीर सिंह, सतीश सिंह, कुमार मौर्य, अरविंद कुमार, शिव प्रसाद, लालाराम, सुमित, अतर सिंह, विनोद और दृगपाल आदि रहे।

ट्रक के टैंक से 250 लीटर डीजल चोरी

मीरगंज, अमृत विचार: हाईवे पर सड़क किनारे ट्रक खड़ा करके केबिन में सो रहे चालक को तमंचा दिखाकर लुटेरे ट्रक से 250 लीटर डीजल चोरी कर ले गये। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है।

ट्रक चालक गोपाल सिंह ने बताया कि वह पेंट से भरे ट्रक को हरियाणा से बिहार लिए जा रहा था। कंपनी से ट्रक में टैंक को फुल करवाकर दिया था। शुक्रवार की रात में सोने के दौरान जब उसे आवाज सुनाई दी तो वह जागकर नीचे गया तो चोरों ने उसे तमंचा दिखा दिया। इससे वह चुप रहने को मजबूर हो गया। चोरों ने ट्रक का टैंक खाली कर दिया।

हर वार्ड में एक-एक हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव पास

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : नगर पालिका परिषद की 13 माह बाद हुई बोर्ड बैठक हंगामेदार रही। पिछले दिनों सपा सांसद की मौजूदगी में होने वाली बैठक स्थगित होने के बाद शनिवार को फिर बैठक हुई। इसमें जनता की सुविधा के मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। इस बीच हर वार्ड में एक-एक हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव पास किया गया। नगर पालिका में स्ट्रीट लाइट ठीक करने के लिए एक लिफ्ट लेने का प्रस्ताव भी पास हुआ। सभासद रंजीत चौहान ने सर्वसमाज की बात बैठक में रखी। कहा कि शवों को रखने के लिए चार डीप फ्रीजर पालिका में होने चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर जरूरतमंद उसे ले जा सके।

शनिवार को नगर पालिका के सभागार में पालिकाध्यक्ष शराफत जरी वाले व अधिशासी अधिकारी पुनीत कुमार की मौजूदगी में बोर्ड की बैठक में सभासदों ने अपने-अपने वार्डों में सड़क पानी डिप आदि समस्याओं को उठाया । इसके लिए हर वार्ड में जरूरत के अनुसार एक -एक हैंडपंप लगाने का प्रस्ताव पास हुआ। साथ ही नगर में स्ट्रीट लाइट को ठीक करने के लिए एक लिफ्ट लेने का प्रस्ताव पास किया गया।

बैठक में अनावश्यक रूप से बढ़ाए गए हाउस टैक्स के बोझ को कम करने की मांग भी सभासदों ने की। दीपावली के त्यौहार से पहले पथ प्रकाश व साफ सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

सभासद ने सर्वसमाज के हित का ध्यान रखते हुए शवों को रखे जाने वाले 4 फ्रीजर की मांग उठाई। पालिका द्वारा दो फ्रीजर हिंदू समाज व दो फ्रीजर मुस्लिम समाज के लिए व्यवस्था की जाए। बैठक में पालिका के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तीन कर्मचारियों को चेयरमैन द्वारा क्लीन चिट दिये पाने पर सभासदों ने हंगामा किया।

नाश्ते लिए सभासद पति से हाथापाई की नौबत

बोर्ड की बैठक में सभासदों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। नाश्ते में ढोकला, समोसा मिठाई परोसी गई। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को बांटने की जिम्मेदारी दी गई थी। जिस जगह नाश्ता रखा गया था वहीं सभासद पति भी बैठे थे। सभासदों को नाश्ता दे दिया गया। सभासद पति को नाश्ता नहीं मिला। उनको लगा कि नाश्ता खत्म हो गया। इसी को लेकर वह कर्मचारी से भिड़ गये। मामला हाथापाई तक पहुंच गया। कुछ लोगों ने बीच बचाव कर उन्हें अलग किया।

मिशन शक्ति : वेबसाइट के ईनाम के लालच में न आएं

संवाददाता, मीरगंज:

आरपी डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति के कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं व शिक्षिकाएं।

अमृत विचार : शनिवार को राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में प्रोफेसर एसके सिंह प्राचार्य की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम के तहत प्राचार्य ने छात्राओं को बताया कि किसी अनजान व्यक्ति को अपना मोबाइल नम्बर अथवा वेबसाइट के किसी भी इनाम के प्रलोभन में न फंसे और व्यक्तिगत जानकारी, सोशल मीडिया, ओटीपी, आधार कार्ड जैसी जानकारियां शेयर ना करें। इस कार्यक्रम की प्रभारी डॉक्टर रेखा रानी बंसल एवं चित्रकला विभाग अध्यक्ष डॉ ममता रंजन ने भी छात्राओं को संबोधित किया कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापिका नीलम राठौर, दीप्ति मिश्रा, रागिनी मिश्रा, प्रशंसा सक्सेना,विजयलक्ष्मी पांडे, वीरेंद्र शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

शेरगढ़ मिशन शक्ति के तहत थाने में महिला सुरक्षा केंद्र का शुभारंभ प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने किया। महिला उपनिरीक्षक विनिता गोस्वामी ने बताया कि केंद्र के जरिए महिलाओं की समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलेगी। **बहेड़ी** में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाइव संबोधन कार्यक्रम को सीओ अरुण कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर आदि ने कोतवाली परिसर में देखा।

आंवला थाना परिसर में भी स्क्रीन पर सजीव प्रसारण देखा गया।

खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने को दिया ज्ञापन

संवाददाता, भदपुरा

अमृत विचार : विश्व हिंदू महासंघ ने नवरात्र तक खुले में मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग का लेकर क्योलडिया प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपा। 22 से एक अक्टूबर तक नवरात्र पर्व मनाया जाएगा।

हिन्दुओ की धार्मिक भावनाओं को आहत नहीं होने देने के लिए मांस बिक्री पर प्रतिबंध लगानेकी मांग की गई है। कहा कि नवरात्र हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है नौ दिन चलने वाले इस पर्व पर शुद्धता का महत्व है। लेकिन सड़कों पर बिकने वाले मांस मछली और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं। इसे बंद होना चाहिए। इस दौरान तहसील प्रभारी मुकेश कुमार, सुरेश चंद्र गंगवार, अजीत कुमार नन्हेंलाल सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भुता। नवरात्रों पर हिन्दू समाज की धार्मिक भावनाओं और आस्था की रक्षा के लिए हिन्दू समाज के प्रतिनिधियों ने थाना भुता अध्यक्ष से आग्रह किया है नवरात्रों की अवधि में क्षेत्र की सभी अंडा, मांस और मछली की दुकानों को बंद रखने का आदेश दिया जाए।

ज्ञापन देने वालों में प्रदीप कुमार शर्मा, सूर्य प्रकाश शर्मा, पुष्पाल गंगवार, गिरीश गंगवार, राजकुमार, मोहित गंगवार, वीरेश कुमार, रोहित आदि रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

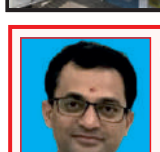
डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज डायरी

स्वास्थ्य देखभाल पर हुई चर्चा

रिठौरा, अमृत विचार : राजश्री आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल द्वारा स्कूल आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत क्षेत्र में संचालित विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य, उनके करियर व व्यक्तिगत विकास पर जानकारी प्रदान की गयी। जनता इंग्लिश इंटर कॉलेज , कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। ग्राम लभेड़ा विकासखंड नवाबगंज में स्थित कंपोजिट बालिका विद्यालय की छात्राओं के स्वास्थ्य और किशोरावस्था की स्वच्छता पर डॉक्टर श्वेता गुप्ता ने मार्गदर्शन किया।

दशरथ ने राम - लक्ष्मण को सौंपा

नवाबगंज, अमृत विचार : दशहरा मेले में विश्वामित्र आगमन व ताड़का सुबाहु वध की लीला का मंचन किया गया । राक्षसों के हमले से ऋषियों को बचाने हेतु महर्षि विश्वामित्र ने राजा से उनके पुत्रों राम - लक्ष्मण को मांगा राजकुमारो की अल्पावस्था के कारण महर्षि की इस मांग पर विचलित होने के बाद राजा दशरथ ने दोनो पुत्रो को उन्हें सौंप दिया । महर्षि के साथ गए राम - लक्ष्मण ने ताड़का व सुबाहु का वध किया। रावण के बुलावे पर मरीच के लंका पहुंचने की लीला का मंचन किया गया।

फ्रेशर पार्टी में खेल और गीत गाए

भदपुरा, अमृत विचार : संघटक राजकीय महाविद्यालय भदपुरा में सभी छात्र छात्राओं ने फ्रेशर व गेट टु गेदर कार्यक्रम में शिरकत की। फ्रेशर पार्टी मे डॉ बबीता चौधरी ने छात्राओं को विभिन्न खेल खिलवाये और छात्राओं ने गीत भी गाये। जिसमे निशा, शिवानी, दीक्षा गंगवार, रीना, मानव का विशेष संचालन रहा, महाविद्यालय की और से डॉ प्रीती गुप्ता, डॉ निर्भय शर्मा, डॉ बृजेश वर्मा,डॉ रितिका मिश्रा, डॉ ज्योति आदि रहे।

सदर में रामलीला का शुभारंभ

कैंट, अमृत विचार : सदर बाजार स्थित श्री रामलीला स्थल पर श्री रामलीला नाटक समाज कमेटी के तत्वाधान में शनिवार को 15 दिवसीय रामलीला का शुभारम्भ किया गया। माया फाउंडेशन की अध्यक्ष हिमानी पाराशर ने फीता काटकर उद्घाटन किया। रामलीला 4 अक्टूबर तक चलेगी। कमेटी अध्यक्ष प्रवेश पाराशर ने बताया, कि शनिवार को रामलीला की शुरुआत में नारद मोह का मंचन किया गया

प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

आंवला, अमृत विचार: इफको आंवला इकाई में 14 सितम्बर से हिन्दी सप्ताह के तहत संयंत्र परिसर में हुई प्रतियोगिताओं में 170 अधिकारियों, कर्मचारियों और महिलाओं ने हिस्सा लिया।

इसमें नारा लेखन में होशियार सिंह, श्यामचंद पांडे, गोपाल कृष्ण द्विवेदी, एकता गंगवार, सौरभ कुमार कुशवाहा, दीपक दीक्षित, हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में अरुण कुमार शुक्ला, अनिकेत यादव, दीपक दीक्षित, वेंकटेश्वर सिंह, अमित जौहरी, प्राची अग्रवाल, गणेश कुमार राय, सामान्य ज्ञान में अमित जौहरी, श्यामचंद पांडे, सोनू शंकर गुप्ता, राहुल रस्तोगी, गोपाल कृष्ण द्विवेदी, विद्यासागर गुप्ता, अंकित यादव, प्राची अग्रवाल, उमंग बंसल, अरनव मिश्रा, रिभु कुमार, उत्कर्ष उपाध्याय, महिला वर्ग की वाक्य एवं भाषा प्रतियोगिता में अंजलि खेतान, शालिनी, मनी, पायल सिंह, नीतू पुंडीर, रेणु बाला आर्य, शशि बाला श्रीवास्तव, केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों में मनस्विनी, आमोद राय, एरिका पुंडीर, रिया अग्रवाल, यशकी सिंह, शांभवी शांडिल्य, जीवन गुप्ता, अंशिका जौहरी, पल्लवी, रितिक कश्यप, अक्षिता, अन्वी सिंह, मोहम्मद आजम अंसारी को पुरस्कृत किया गया। संचालन दीपशिखा व प्रखर दुबे ने किया।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र सोहिल अंसारी को उसके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा । मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता ना होगा। **एजाज पुत्र मुख्तयार, नि. ग्राम करगैना, थाना सुभाषनगर, बरेली।**

सूचना

मैंने अपने पुत्र सवाब खान व उसकी पत्नी ऐमन खान को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **अफरोज जहां पत्नी स्व. इरफान अली नि. मो. नई बस्ती शहर लखीमपुर थाना कोतवाली सदर, जिला खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम सुमन से बदल कर सुमन लता कर लिया है,तथा मेरी जन्मतिथि 01/01/1970 है,जो कि मेरे आधार कार्ड के अनुरूप है, भविष्य में मुझे सुमन लता पत्नी श्री अवधेश कुमार सिंह ग्राम किशुनपुर अजीत, परगना पसगवां, तहसील मोहम्मदी, जिला लखीमपुर खीरी से जाना जाए।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

Indian's Academy
Nigohi Shahjahanpur
REQUIRED
Female Teachers
NC to VIII
Fluent in English
Conveyance Available
Salary 6000 to 10000
Interview School Working days
send your resume
9628425505

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 21 सितंबर 2025 www.amritvichar.com

नव पैकेजिंग में पारंपरिक आयुर्वेद

पारंपरिकता एवं आधुनिकता के मध्य के सेतु के लिए "सामंजस्य" "संतुलन" या फिर अंग्रेजी में कोऑर्डिनेशन अथवा बैलेंस जैसी शब्दावली एक अभिन्न अंग के रूप में प्रतीत होती है। यह किसी भी क्षेत्र के लिए उपयुक्त है, चाहे वह शिक्षा हो अथवा चिकित्सा, सभी में इसका अपना महत्व है।

डॉ. अर्पिता सी .राज
वरिष्ठ चिकित्सक

जिज्ञासु 'जेन-जी' का जीवंत योगदान

सरल उदाहरण स्वरूप एक 'जेन-जी' युवा आज के जमाने के अनुसार जब तमाम अनुनय-विनय विनय के उपरांत अपने पिता को टेक्नोलॉजी का प्रयोग बताता है, मोबाइल का प्रयोग, वीडियो कॉलिंग, ईमेल, गूगल वॉइस द्वारा टाइपिंग, फेसबुक, व्हाट्सएप चलाने की प्रक्रिया सिखाता एवं समझाता है या फिर एक पुराने व्यापारी का बेटा एंटरप्रेन्योर के रूप में नई पैकेजिंग के तरीके तथा ऑनलाइन पेमेंट, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन और उनसे जुड़ी सावधानियां के नए-नए तरीके बताता है। इसी प्रकार एक नवयुवती जब वात्सल्य से परिपूर्ण अपनी मां की साड़ी को एक विभिन्न स्टाइल में पहनकर स्वयं को आधुनिक दिखाने का प्रयास करती है। यह सभी सहज उदाहरण हैं पारंपरिक विरासत को नए कलेवर में प्रस्तुतीकरण के उपरोक्त उदाहरणों को अगर आज के परिपेक्ष्य में देखें तो आयुर्वेद के संदर्भ में यह अत्यंत सटीक बैठते हैं। यह कतई आवश्यक नहीं है कि जो पहले कहा गया वह आज के परिवेश में भी उतना ही प्रासंगिक होगा। विशेषकर आज की जिज्ञासु प्रवृति की जनरेशन इतनी आसानी से चीजें एक्सेप्ट नहीं करतीं। शास्त्रोंक्त ज्ञान और उनकी जिज्ञासा को यदि आपस में मिला दिया जाए और सभी चीजें वैज्ञानिक दृष्टिकोण देखते हुए स्टैटिसटिक्स एवं डॉक्यूमेंटेशन के साथ पुनर्स्थापित की जाए तो यह आगे आने वाली कई पीढ़ियों के स्वास्थ्य के लिए और भविष्य में होने वाले कई संक्रमणों से बचाव के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

योग वर्सेस जिम

"टेक एडिक्शन" से कोई भी वर्ग अछूता नहीं है। टेक्नोलॉजी का उपयोग आवश्यकता अथवा अनावश्यकता देखकर नहीं हो रहा है। कुछ इसे स्टेटस सिंबल समझकर उपयोग कर रहे हैं तो कुछ स्क्रोलिंग को अपने से अलग ही नहीं कर पा रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग एक हैबिट बनती जा रही है। यह सभी चीज परोक्ष रूप से सिडेंटरी लाइफ के लिए जिम्मेदार है। प्रायः आउटडोर गेम्स की जगह इंडोर गेम्स, बल्कि यू कहें कि "मोबाइल गेम्स" ने ले ली है। सोशल मीडिया में संलिप्त लोगों का टहलना घूमना लगभग समाप्त हो गया है। स्कूलों में पहले निश्चित रूप से होने वाली पीटी का कॉन्सेप्ट लगभग समाप्त होता जा रहा है। बच्चों से अधिक पढ़ाई का प्रेशर अभिभावकों पर है, जो डॉक्टर इंजीनियर और सिविल सर्विसेज की गलाकाट प्रतिस्पर्धा में अपने बच्चों को उनका मानसिक, बौद्धिक स्तर जाने बिना झोंक दे रहे हैं। इस कारण से बच्चे सामान्य खेलकूद में भी प्रतिभाग नहीं कर पाते हैं। पारंपरिक कबड्डी, खो-खो जैसे खेल, जिसमें पूरे शरीर में रक्त संचरण में अभिवृद्धि होती थी यह सभी खेल नेपथ्य में चले गए हैं। योग को आज जिम ने रिप्लेस कर दिया है, क्योंकि जिम जाना युवा वर्ग के लिए एक फैशन के समान हैं। दोनों भी अपने-अपने स्थान पर उत्तम है, परंतु योग यदि बाल्यावस्था से ही प्रारंभ कर दिया जाए तो किशोरावस्था एवं युवावस्था में जिम की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। पुराने लोगों का शारीरिक सौष्ठव किसी जिम आदि पर निर्भर नहीं था।

लाइफ स्टाइल डिसऑर्डर में लाभकारी

प्रभावित होना एक सामान्य प्रक्रिया है, परंतु जब अपनी ही पारंपरिक चीजें वेस्टर्न कंट्रीज में जाकर नई पैकेजिंग और पेटेंट होकर वापस आती हैं और उसे हाथों हाथ लिया जाता है तो इसका अर्थ है कि हम ऐसी मानसिकता से ग्रसित हैं, जो हमारे भविष्य को कतई गौरवान्वित नहीं कर सकती। उसको सिद्ध करने के लिए हमें एक नजर बाजार पर डालनी चाहिए। कई मल्टीनेशनल कंपनी अपने टूथपेस्ट में लौंग और नमक का इस्तेमाल का प्रयोग प्रारंभ करने के लिए बाध्य हो चुकी हैं। इसी प्रकार एलोवेरा, नीम, चंदन, हल्दी, गिलोययुक्त हर्बल प्रोडक्ट्स ने केमिकल युक्त सौंदर्य प्रसाधन को सुपरसीड कर लिया है। लाइफस्टाइल डिसऑर्डर जैसे डायबिटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीज, हाइपरटेंशन, ओबेसिटी सबके ट्रीटमेंट का पहला हिस्सा डाइटिशियन से प्रारंभ होता है और धीरे-धीरे आहार को मात्रा, अनुपात की परिधि में बांधना आवश्यक हो जाता है। साथ ही नियमित मॉर्निंग तथा इवनिंग वॉक, एक्सरसाइज, जिम की सलाह दी जाती है।

यहां यह गौर करने वाली बात है कि आयुर्वेद में ऐसी ही जीवनशैली को किसी रोग में नहीं, बल्कि सामान्य अवस्था में भी बताया गया है, जिसका उद्देश्य है "स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षण" अर्थात् जो स्वस्थ है, उसको स्वस्थ बनाए रखना। आज की जेनरेशन आश्चर्य करती है "शतायु" लोगों के स्वस्थ रूप को देखकर और उनसे जानना चाहती है। इसका राज और ज्यादा आश्चर्य में पड़ जाती है जब वह एक सामान्य सी व्यवस्था के बारे में बताते हैं, जो उन्हें किसी चिकित्सक ने नहीं, बल्कि उनके घर की परंपरागत जीवनशैली आहार-विहार सकारात्मक दृष्टिकोण से प्राप्त हुई होती है। एंजायटी, डिप्रेशन जैसे शब्द उनके जीवन का हिस्सा नहीं थे। उनकी सकारात्मकता ही उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुव्यवस्थित रखती थी। देखा जाए तो प्रत्यक्ष परिवेश में लाइफस्टाइल डिसऑर्डर का सटीक प्रत्युत्तर आयुर्वेद में ही है।

टेक्नोलॉजी का सार्थक प्रयोग

"परिवर्तन सृष्टि का नियम है" साइंटिफिक लिटरेसी के दौर में जब पैरामीटर पर स्वयं को सिद्ध करने के लिए टेक्नोलॉजी की व्यापकता ने आधुनिक रिसर्च लैबोरेट्रीज, मॉडर्न टूल्स और डॉक्यूमेंटेशन को सरलता प्रदान की है तो क्यों न उन सभी का प्रयोग करके नेपथ्य में चले गए शास्त्रोंक्त आयुर्वेद को आधुनिकता के नए कलेवर में प्रस्तुत करते हुए नए आयाम प्रदान किए जाएं। साधारण शब्दों में समझा जाए तो पारंपरिक विरासत को नई पैकेजिंग में परोसने की आवश्यकता है।

परिस्थिति और परिस्थितिकी दोनों के अनुसार परिवर्तन लाजमी है। अंतर्देशीय एवं पोस्टकार्ड ने ईमेल की जगह ले ली है। पिछले कई दशकों में आयुर्वेद सम्मत आहार को जंक फूड तथा अन्य प्रिजर्वेटिव युक्त खाद्य पदार्थों ने एक संतुलित आहार की थाली को परोक्ष रूप से क्षीण विषाक्तता से भर दिया है। चोकर युक्त आटे के स्थान पर प्रोसैस्ड मैदा की रोटी पूरे डाइजेस्टिव सिस्टम की सामान्य प्रक्रिया को जीण-क्षीण कर देती है। छाछ, बेल का शरबत, आम का पना के स्थान पर कैफीन युक्त कॉफी चाय एवं कोल्ड ड्रिंक ने सभी को अपने चंगुल में ले रखा है। स्ट्रीट फूड में चाऊमीन, मोमोज, स्प्रिंग रोल आदि में प्रयुक्त अजीनोमोटो ने जिह्वा स्वाद को बढ़ाकर आज की जेनरेशन को एडिक्ट बना दियाहै। पिज्जा तो जैसे नेशनल फूड बन गया है। बच्चे स्वाद के लिए और समय बचाने के लिए पिज्जा ऑर्डर करना फैशन हो गया है। इनडाइजेशन, कांसेटिपेशन गैस्ट्राइटिस, अधिकांश युवा इंटरनेट पर इन शब्दों को ढूंढते नजर आते हैं। इसीलिए अधिकांश लोग गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट की शरण में जाने लगे हैं।

मेंटल हेल्थ में कारगर आयुर्वेद

साउंड स्लीप का कॉन्सेप्ट धीरे-धीरे परिवर्तित सा हो रहा है। मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाले नाइट शिफ्ट में काम करने वाले, पढ़ाई के लिए देर रात तक मोबाइल और कंप्यूटर का प्रयोग, सोशल मीडिया फेसबुक आदि में संलिप्त लोग कुछ आवश्यक कारण से, कुछ अनावश्यक रूप से अपनी नींद को प्रभावित कर लेते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित होना अवश्यंभावी है। नींद आ भी जाए तो विचारों का प्रवाह बना रहता है। एक प्रकार की एंजायटी होती है, जो अंततः डिप्रेशन में परिवर्तित हो जाती है। सम्यक योग प्राणायाम तथा मेडिटेशन एक अच्छी नींद का उपाय है। आयुर्वेद में निद्रा का बहुत अधिक महत्व है। यदि आप अच्छी नींद लेते हैं, तो अगले दिन आप ऊर्जा से भरपूर होते हैं और कार्य करने में आपका कन्संट्रेशन अच्छा रहता है। साउंड स्लीप का कॉन्सेप्ट धीरे-धीरे परिवर्तित सा हो रहा है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए पंचकर्म का शिरोधारा एक उत्तम उपाय है।

सार्थक कदम

आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं आयुष सोसायटी द्वारा निर्धारित नीतियां एक व्यापक विस्तार प्रदान कर रही है। प्रतिष्ठित संस्थान जैसे ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद नई दिल्ली, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू), गुजरात आयुर्वेद यूनिवर्सिटी जामनगर, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद जयपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ यूनिवर्सिटी में रिसर्च, केंद्रीय आयुर्वेद एवं सिद्ध अनुसंधान परिषद क्लिनिकल ट्रायल्स के क्षेत्र में अनवरत कार्य हो रहे हैं तथा अनेक चिकित्सक सीमित संसाधनों के साथ भी दूरदराज क्षेत्र में आम जनमानस को चिकित्सा प्रदान करके अच्छा कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं। परंतु अभी भी आवश्यकता है संक्षिप्त संसाधनों को और विस्तृत स्वरूप प्रदान करने की, नित्य नव प्रयोग करने की, साइंटिफिक जर्नल्स में स्थान बनाने की, इन सभी सम्मिलित प्रयासों से पारंपरिकता को आधुनिकता का जामा पहनाकर वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने की।

आयुर्वेद दिवस 23 सितंबर विशेष

आयुर्वेदः भारत की अनमोल धरोहर

हमारे देश की पहचान सिर्फ संस्कृति, भाषा और परंपराओं से ही नहीं होती, बल्कि हमारी चिकित्सा प्रणाली से भी होती है। विश्व की सबसे पुरानी और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद। यह केवल बीमारियों का इलाज नहीं बताती, बल्कि जीवन को स्वस्थ, सुखमय और लंबा बनाने का मार्ग भी दिखाती है। हर साल पूरे देश में आयुर्वेद दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है कि लोग अपनी व्यस्त जिंदगी में भी आयुर्वेद को अपनाएं और प्राकृतिक तरीके से अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं। आज के समय में जब लोग दवाइयों के दुष्प्रभाव, तनाव, अनियमित दिनचर्या और प्रदूषण से परेशान हैं, तब आयुर्वेद ही वह राह है, जो हमें बिना नुकसान पहुंचाए स्वस्थ रहने की कला सिखाता है।

आयुर्वेद की मूल सोच

आयुर्वेद का सबसे बड़ा सूत्र है: "स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं, आतुरस्य विकार प्रशमनं च।" अर्थात- स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और बीमार व्यक्ति की बीमारी दूर करना ही आयुर्वेद का प्रयोजन है। यह बात बहुत गहरी है। इसका मतलब यह है कि आयुर्वेद केवल रोगी के इलाज पर ध्यान नहीं देता, बल्कि पहले से ही यह सुनिश्चित करने की कोशिश करता है कि हम बीमार ही न पड़ें।

उदाहरण के तौर पर

अगर कोई व्यक्ति समय से सोता-जागता है, मौसम के अनुसार खान-पान करता है और योग-व्यायाम करता है तो वह लंबे समय तक स्वस्थ रह सकता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति देर रात तक जागता है, फास्ट फूड खाता है और तनाव में जीता है तो जल्दी ही उसे बीमारी घेर लेगी। आयुर्वेद हमें यही सिखाता है कि बीमारी से पहले ही सावधानी बरतना बेहतर है।

क्या है पंचकर्म

आयुर्वेद के अनुसार हमारे शरीर में तीन दोष होते हैं- वात, पित्त और कफ। जब ये संतुलित रहते हैं तो शरीर स्वस्थ रहता है, लेकिन इनके बिगड़ने पर बीमारी आती है। पंचकर्म पांच ऐसी प्रक्रियाओं का समूह है, जिनसे शरीर की गहराई से सफाई की जाती है और दोषों को संतुलित किया जाता है।

पंचकर्म की पांच विधियां

- वमन (उल्टी कराना): इसका विधि का प्रयोग कफ दोष की अधिकता में किया जाता है। दमा, मोटापा, एलर्जी, सोरायसिस जैसे अत्यंत कठिन त्वचा रोग, बार-बार जुकाम होने पर यह बेहद उपयोगी है। कल्पना कीजिए जैसे घर के अंदर जमी धूल साफ करने के लिए झाड़ू लगाई जाती है, वैसे ही वमन संपूर्ण शरीर विशेषत: फेफड़ों और पेट की सफाई करता है।
- विरेचन (दस्त द्वारा शुद्धि): इसका विधि का प्रयोग पित्त दोष की गड़बड़ी में किया जाता है। कब्ज, पीलिया, चर्म रोग (जैसे सोरायसिस) और एसिडिटी में लाभकारी। इसे आप ऐसे समझिए जैसे पेट और आंतों में जमी गंदगी को धुलकर बाहर निकालना।
- बस्ति (औषधीय एनीमा): वात दोष की समस्या में किया जाता है। गठिया, लकवा, पीठ दर्द, जोड़ दर्द, स्नायु विकार और बांझपन में लाभकारी। बस्ति को इतना महत्वपूर्ण माना गया है कि इसे "आधी चिकित्सा" कहा गया है।
- नस्य (नाक में औषधि डालकर शुद्धि करना): सिर, आंख, नाक और दिमाग के रोगों एवं हार्मोन संबंधी रोगों में उपयोगी। साइनस, सिरदर्द, बाल झड़ना, माइग्रेन में कारगर। जैसे नाक शरीर का दरवाजा है, उसी दरवाजे से औषधि देकर पूरे घर यानी शरीर को स्वस्थ किया जाता है।
- रक्तमोक्षण (रक्त की शुद्धि): दूषित रक्त को बाहर निकालना। त्वचा रोग, एलर्जी, फोड़े-फुंसी और गठिया में उपयोगी।

क्यों जरूरी है पंचकर्म

आज की जीवनशैली में बाहर का खाना, प्रदूषण और तनाव आम हो चुका है। इससे शरीर में विषैले तत्व जमा हो जाते हैं। पंचकर्म इन तत्वों को बाहर निकालकर शरीर को रीसेट करता है। इसे आधुनिक भाषा में डीटॉक्स थेरेपी भी कह सकते हैं।

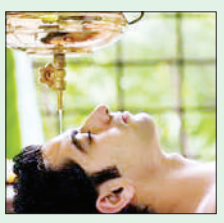

- इससे शरीर हल्का और ऊर्जावान लगता है।
- इम्यूनिटी बढ़ती है।
- त्वचा साफ और चमकदार होती है।
- मानसिक शांति मिलती है।

शल्य चिकित्सा- सुश्रुत की अद्भुत देन

शल्य चिकित्सा का इतिहास- जब हम सर्जरी की बात करते हैं तो हमें गर्व होना चाहिए कि इसके जनक हमारे ही देश के सुश्रुत हैं। उनका ग्रंथ सुश्रुत संहिता सर्जरी का पहला और सबसे बड़ा ग्रंथ माना जाता है। उन्होंने 300 से अधिक उपकरणों और 120 से अधिक शल्य विधियों का विवरण दिया है। नाक का पुनर्निर्माण (प्लास्टिक सर्जरी) का पहला उदाहरण भी सुश्रुत ने ही दिया। इंडियन मेथड ऑफ रायनोप्लास्टी आज तक प्रचलित है।

आज का महत्व- बवासीर, भगंदर और नासूर जैसी बीमारियों में आज भी आयुर्वेद की क्षारसूत्र विधि बहुत सफल है। यह आधुनिक ऑपरेशन से भी ज्यादा सुरक्षित और कम खर्चीली है। सुश्रुत ने साफ-सफाई और उपकरणों की स्वच्छता पर जो जोर दिया था, वही आज आधुनिक सर्जरी की नींव है। यह साबित करता है कि आयुर्वेद केवल जड़ी-बूटी या घरेलू नुस्खों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें आधुनिक विज्ञान से भी आगे की सोच हजारों साल पहले मौजूद थी।

स्त्री एवं प्रसूति तंत्र

आयुर्वेद ने महिलाओं के स्वास्थ्य को बहुत महत्व दिया है। क्योंकि स्वस्थ मां ही स्वस्थ संतान को जन्म देती है।

- गर्भधारण से पहले (गर्भ संस्कार)
- माता-पिता दोनों की शुद्धि पर जोर।
- सही आहार, सही सोच और सकारात्मक वातावरण।
- इसका असर आने वाले बच्चे के शरीर और मन दोनों पर पड़ता है।

गर्भावस्था के दौरान देखभाल

- हर महीने के लिए अलग आहार और जीवनशैली बताई गई है।
- पहले महीने दूध और हल्के आहार पर जोर।
- चौथे महीने से पौष्टिक और ताकत देने वाले आहार।
- सातवें महीने से प्रसव की तैयारी करने वाले आहार और औषधियां।
- उल्टी, थकान, पीठ दर्द जैसी समस्याओं के लिए सुरक्षित और प्राकृतिक उपाय।

प्रसव और प्रसव के बाद देखभाल

- प्राकृतिक और सुरक्षित प्रसव पर जोर।
- सूतिका परिचर्या यानी प्रसव के बाद मां की विशेष देखभाल।
- इस अवधि में आहार और औषधियों से मां की ताकत वापस आती है और बच्चे को अच्छा स्तनपान मिलता है।
- आज जब महिलाओं में बांझपन, पीसीओडी और जटिल प्रसव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, आयुर्वेद इनके लिए सुरक्षित और प्रभावी समाधान देता है।

आधुनिक समय में आयुर्वेद की जरूरत

आज की दुनिया में जहां हर इंसान दवाइयों के साइड इफेक्ट से परेशान है, वहां आयुर्वेद हमें प्राकृतिक और सुरक्षित समाधान देता है। आयुर्वेद की खासियत है कि यह सिर्फ दवा नहीं, बल्कि पूरा जीवन जीने का तरीका है। आयुर्वेद दिवस केवल एक परंपरा का उत्सव नहीं है। यह हमें याद दिलाने का दिन है कि हमारे पूर्वजों ने हमें कितनी गहरी और वैज्ञानिक धरोहर दी है।

- पंचकर्म हमें शरीर की सफाई और संतुलन सिखाता है।
- शल्य चिकित्सा हमें यह दिखाती है कि भारत विज्ञान में कितना आगे था।
- स्त्री एवं प्रसूति तंत्र स्वस्थ मां और स्वस्थ बच्चे की सुरक्षा का आधार है।
- कायचिकित्सा सामान्य से लेकर गंभीर बीमारियों तक का समाधान देती है।
- हमें चाहिए कि आयुर्वेद को केवल ग्रंथों तक न रखें, बल्कि अपनी दिनचर्या और जीवनशैली में अपनाएं। यही आयुर्वेद दिवस का सच्चा संदेश है।

क्या है कायचिकित्सा

"काय" का अर्थ है शरीर और "चिकित्सा" का अर्थ है इलाज। कायचिकित्सा आयुर्वेद की वह शाखा है, जो आंतरिक बीमारियों का इलाज करती है। इसे आधुनिक भाषा में (इंटरनल मशीन) कहा जा सकता है।

कायचिकित्सा के प्रमुख क्षेत्र

- ज्वर (बुखार): आयुर्वेद में ज्वर को सबसे बड़ा रोग कहा गया है। तुलसी, गिलोय, अदरक जैसी औषधियां आज भी कारगर हैं।
- पाचन संबंधी रोग: अपच, कब्ज, गैस और अम्लपित्त में त्रिफला और पंचकर्म बहुत उपयोगी।
- श्वास और हृदय रोग: अस्थमा, खांसी और हृदय रोगों के लिए सुरक्षित और लंबे समय तक असर करने वाले उपाय।
- मानसिक रोग: अनिद्रा, तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं का इलाज ध्यान, योग, शिरोधारा और औषधियों से किया जाता है।
- त्वचा रोग: कुष्ठ, सोरायसिस, एलर्जी जैसी बीमारियों का उपचार रक्तमोक्षण और औषधियों से किया जाता है।

कायचिकित्सा हमें यह सिखाती है कि रोग केवल शरीर में ही नहीं, बल्कि मन और जीवनशैली में भी छिपे होते हैं। इसलिए इनका इलाज केवल दवा से नहीं, बल्कि पूरे जीवनशैली सुधार से होता है।

दस आसान स्वास्थ्य टिप्स

- सुबह उठकर खाली पेट गुनगुना पानी पिएं।
- रोजाना कम से कम 30 मिनट पैदल चलें।
- मौसमी और ताजा भोजन ही करें।
- रात को देर से खाने से बचें।
- समय से सोएं और समय से जागें।
- हफ्ते में एक बार तैलीय मालिश करें।
- तनाव कम करने के लिए रोज 10 मिनट ध्यान करें।
- दही रात को न खाएं।
- भूख लगे तभी भोजन करें।
- हर मौसम में अपनी दिनचर्या क्रमशः बदलें, जैसे-गर्मी में हल्का और ठंड में पौष्टिक खाना।

इन सभी सुविधाओं का लाभ रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बरेली में उपलब्ध है, जहां अनुभवी चिकित्सक, आधुनिक सुविधाएं और आयुर्वेदिक औषधियां एक ही स्थान पर मिलती हैं। यहां पंचकर्म विभाग में प्रशिक्षित चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ टीम द्वारा आधुनिक सुविधाओं के साथ पारंपरिक पंचकर्म प्रक्रियाएं कराई जाती हैं। शल्य विभाग में क्षारसूत्र सहित विभिन्न आयुर्वेदिक शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की जाती हैं। स्त्री एवं प्रसूति तंत्र विभाग में गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण देखभाल विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की जाती है। साथ ही कायचिकित्सा विभाग में योग्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जहां पाचन, श्वसन, मानसिक एवं त्वचा संबंधी रोगों का समग्र आयुर्वेदिक उपचार प्रदान किया जाता है।

ओडीडी डिसऑर्डर
बच्चों में बढ़ता गुस्सा

क्या आपका बच्चा हर बात पर बहस, कामों को न बोलना, उद्दंडता जैसे अवांछित व्यवहार करता हैं? हर वक्त चिड़चिड़ाना, गुस्से में रहना, अथॉरिटी फिगर्स जैसे माता-पिता, शिक्षक आदि द्वारा दिए गए निर्देशों का जानबूझकर उल्लंघन करना? बदला लेने की भावना होना। अपनी गलतियों की कोई जिम्मेदारी न लेना, दूसरों पर दोष डालते रहना? तो हो सकता है कि आपके बच्चे को ऑपोजिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर (ओडीडी) हो। ये बच्चे बेहद डिफिकल्ट चाइल्ड होते हैं, अनुशासन में लाने के सामान्य तरीके इन पर काम नहीं करते हैं। इन बच्चों के साथ माता-पिता का जीवन एक रोज चलने वाला अंतहीन युद्ध बन जाता है। कुछ स्ट्डीज कहती हैं कि वर्तमान में बच्चों में ओडीडी बढ़ रहा है।

डॉ.रश्मि मोघे हिरवे
मनोचिकित्सक

ऑपोजिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर (जिसे शॉर्ट में ओडीडी कहते हैं) बच्चों और किशोरों (टीन्स) में होने वाला एक व्यवहार से जुड़ा डिसऑर्डर है। इसमें बच्चे का पैटर्न गुस्सा करना, चिड़चिड़ापन, बहस करना और अथॉरिटी फिगर्स (जैसे पेरेंट्स, टीचर्स) की बात न मानना आदि होता है। यह समझना जरूरी है कि हर बच्चा कभी न कभी जिद करता है या गुस्सा दिखाता है, लेकिन ओडीडी में यह बिहेवियर नार्मल बच्चों की तुलना में बहुत ज्यादा, लगातार (कम से कम 6 महीने तक) और गंभीर होता है। इससे बच्चे की फैमिली लाइफ, दोस्ती और पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है।

क्या हो सकते हैं ओडीडी के कारण

ओडीडी का कोई एक कारण नहीं है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह कुछ चीजों का कॉम्बिनेशन हो सकता है:

- **जेनेटिक फैक्टर्स:** अगर फैमिली में किसी को मूड डिसऑर्डर, एंग्जायटी या पर्सनालिटी डिसऑर्डर रहा है तो रिस्क बढ़ जाता है।
- **बायोलॉजिकल फैक्टर्स:** दिमाग के कुछ केमिकल मेसेंजर्स (न्यूरोट्रांसमीटर्स) में इम्बैलेंस होने से भी बिहेवियर पर असर पड़ सकता है।
- **एनवायरनमेंटल फैक्टर्स:** घर का माहौल भी एक बड़ा रोल प्ले करता है।
- **पेरेंटिंग स्टाइल:** बहुत ज्यादा सख्त या बहुत लापरवाह पेरेंटिंग।

फैमिली इश्यूज: घर में रोज-रोज के झगड़े या आपस में बनती न हो।

- **इनकंसिस्टेंट डिसिप्लिन:** कभी एक ही गलती पर डांट पड़ना और कभी उसी गलती को इग्नोर कर देना।

ओडीडी का इलाज

ओडीडी के इलाज से इससे बच्चे के बिहेवियर में सुधार आ सकता है। इसमें बच्चे और फैमिली दोनों को शामिल किया जाता है।

- **साइकेट्रिक दवाइयां**- इन बच्चों का व्यवहार इतना अग्रेसिव हो जाता है कि आप चाहें या न चाहें, बच्चे को कई बार दवाइयां देनी ही पड़ती हैं। दवाइयां बेहद जल्दी असर करती हैं, कुछ ही दिनों में परिणाम दिखने लगते हैं, एग्रेशन गुस्सा कम करने की दवाएं, मूड स्विंग को रोकने वाली दवाएं आदि बेहद बेहद प्रभावी होती हैं। (बहुत कम या बिना किसी साइड इफेक्ट्स के) तेज गति से परिणाम लाने के लिए अनुभवी मनोचिकित्सक बड़ी ही कुशलता से इन दवाओं का सही उपयोग करने में सक्षम होते हैं।
- **पेरेंट मैनेजमेंट ट्रेनिंग (पीएमटी):** इसमें पेरेंट्स को सिखाया जाता है कि बच्चे के पॉजिटिव बिहेवियर को कैसे बढ़ावा दें और नेगेटिव बिहेवियर को कैसे हैंडल करें।
- **फैमिली थेरेपी:** इसमें पूरी फैमिली एक साथ थेरेपिस्ट से मिलती है ताकि कम्युनिकेशन बेहतर हो और घर का माहौल आपसी समझ से सुधर सके।
- **कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी (सीबीटी):** यह थेरेपी बच्चे को अपने गुस्से को कंट्रोल करना और प्रॉब्लम्स को आसान तरीके से सॉल्व करना सिखाती है।

क्या हैं ओडीडी के लक्षण

इसके लक्षणों को 3 मुख्य कैटेगरी में बांटा जा सकता है:

गुस्सा और चिड़चिड़ापन

अक्सर गुस्से में आ जाना: छोटी-छोटी बातों पर भड़क जाना।

- उदाहरण: आपने बच्चे को टीवी बंद करके होमवर्क करने को कहा, तो वह छोटी सी बात पर चीखने-चिल्लाने या रिमोट फेंक देने जैसा मिस बिहेव करने लगेगा।

जल्दी इरिटेट हो जाना: दूसरों की बातों से बहुत जल्दी परेशान हो जाना।

- उदाहरण: उसका छोटा भाई/बहन उसके कमरे में आ जाए तो वह फौरन चिड़चिड़ा हो कर उस पर चिल्लाने लगता है।

हमेशा गुस्सा या नाराज रहना: चेहरे पर अक्सर गुस्सा या नफरत के भाव दिखना।

बहस करने वाला और डेफिएंट बिहेवियर

- बड़ों से जरूरत से ज्यादा बहस करना: हर बात को काटना और बहस करना।
- उदाहरण: आप कुछ भी कहेंगे, वह "क्यों?" और "मैं नहीं करूंगा" जैसा जवाब देगा। हर बात पर बहस करना उसकी आदत बन जाती है।
- नियम (रूल्स) को तोड़ना या न मानना: जानबूझकर रिक्वेस्ट या रूल्स को इग्नोर करना।
- उदाहरण: स्कूल में टीचर के बार-बार बोलने पर भी लाइन में खड़े न होना या घर पर "डिनर से पहले स्नैक्स नहीं खाना" जैसे नियम को रोज तोड़ना।
- जानबूझकर दूसरों को परेशान करना: ऐसा काम करना, जिससे दूसरे इरिटेट हों।
- उदाहरण: वह जानता है कि टीवी की आवाज तेज करने से आपको परेशानी होती है, फिर भी वह जानबूझकर वॉल्यूम बढ़ा देगा।
- अपनी गलतियों के लिए दूसरों को ब्लेम करना: कभी अपनी गलती न मानना।
- उदाहरण: अगर उसने दूध का गिलास गिरा दिया, तो वह मानेगा नहीं कि गलती उसकी है। वह कहेगा, "आपने ही गिलास वहां रखा था" या "भाई ने मुझे धक्का दिया।"

बदला लेने वाला बिहेवियर

- दिल में बात रखकर बदला लेना: अगर कोई चीज उसके हिसाब से न हो तो वह बाद में बदला लेने की कोशिश करता है।
- उदाहरण: अगर उसकी बहन ने गलती से उसकी कॉपी ले ली तो वह गुस्से में आकर बाद में उसका फेवरेट खिलौना तोड़ देगा या छिपा देगा।

सोशल स्किल्स ट्रेनिंग

- इससे बच्चे को दूसरों के साथ आसानी से घुलने-मिलने और दोस्ती करने में मदद मिलती है।
- अगर आपको अपने बच्चे में ऊपर दिए गए लक्षण दिखते हैं तो चाइल्ड साइकियाट्री में अनुभवी किसी साइकेट्रिस्ट (मनोचिकित्सक) से सलाह लेना सबसे अच्छा कदम है। सही गाइडेंस और सपोर्ट से इस सिचुएशन को एक हद तक हैंडल किया जा सकता है।

औषधीय गुणों से भरपूर रजनीगंधा

अनामिका शुक्ला
लेखिका

रजनीगंधा का नाम सुनते ही एक भीनी-भीनी महक और सफेद चमकते फूलों की छवि मन में उभर आती है। क्या आप जानते हैं कि यह खूबसूरत फूल केवल आपके वातावरण को ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत को भी बेहतर बना सकता है? आयुर्वेद में रजनीगंधा को एक महत्वपूर्ण औषधि माना गया है, जो कई स्वास्थ्य समस्याओं में फायदेमंद साबित होती है। इसे प्रेम और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। ढेरों औषधीय गुणों से भरपूर रजनीगंधा का इस्तेमाल आयुर्वेद में एक अहम जड़ी-बूटी मानी गई है।

- अगर आप मुंहासे, तैलीय त्वचा या बढ़े हुए रोमछिद्रों की समस्या से परेशान हैं, तो रजनीगंधा के फूलों का अर्क आपकी मदद कर सकता है। इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की जलन को कम करते हैं और उसे स्वस्थ बनाए रखते हैं।
- रजनीगंधा के पल्ब का अर्क यौन संचारित रोगों (एसटीई) जैसे गोनोरिया के इलाज में प्रभावी माना गया है। इसके औषधीय गुण प्रजनन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होते हैं।
- जोड़ों के दर्द और सूजन की समस्या होने पर रजनीगंधा का तेल एक बेहतरीन उपाय है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की सूजन और मांसपेशियों के खिंचाव को कम करने में मदद करते हैं।
- रजनीगंधा का फूल एक बेहतरीन मूत्रवर्धक भी है। इस फूल का अर्क मूत्राशय की सूजन और यूरिनरी रिटेंशन से ग्रस्त लोगों को पेशाब को बढ़ावा देने के लिए दिया जाता है। एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होने के कारण सूजन में भी इसे कारगर माना गया है।
- स्ट्रेस, एंजायटी से परेशान रहने वालों के लिए भी रजनीगंधा बेस्ट है। इसके फूल में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से तनाव दूर करने वाले होते हैं। इस फूल की खुशबू मन को शांत करती है, शरीर को आराम भी देती है। इससे स्ट्रेस, एंजायटी, गुस्सा, भ्रम, चिड़चिड़ापन आदि दूर किया जा सकता है। इसका उपयोग किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की सलाह से ही करें।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत में व्यावसायिक कार्यों को लेकर भागदौड़ करनी पड़ सकती है। अपने कार्यों को मन लगाकर करेंगे और उसमें स्वजनों से अपेक्षित सहयोग और सफलता की प्राप्ति होगी। नौकरीपेशा लोगों पर भी इस दौरान कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रह सकता है।

वृष यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आपके लंबे समय से अटके कार्यों में गति नजर आएगी। सीनियर के सहयोग से कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियां दूर होंगी। यह सप्ताह कामकाजी महिलाओं के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

मिथुन इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको अपनी ऊर्जा, समय आदि का प्रबंधन करके चलना होगा। साथ ही साथ उन लोगों की नजरअंदाज करना होगा, जो अक्सर आपको आपके लक्ष्य से भटकाने का प्रयास करते हैं।

कर्क यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कार्यों में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान घर-परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर तकरार होने की आशंका है। सगे-संबंधियों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन नहीं मिल पाएगा।

सिंह यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके कार्य पूर्व की भांति समय से पूरे होते रहेंगे। करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। यात्रा के दौरान प्रभावी लोगों के साथ संबंध बनेंगे।

कन्या यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह स्वजनों के सहयोग से आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। लंबे समय से अटके कार्यों में गति आएगी। आपको करियर और कारोबार में तरक्की करने के अवसर प्राप्त होंगे। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के पूर्वार्ध में कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

तुला यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपके करियर और कारोबार की गति कुछ धीमी रहने वाली है। सप्ताह के पूर्वार्ध में अचानक से कुछ बड़े खर्चे आ जाने के कारण आपका बना-बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। आर्थिक तंगी का असर आपके पारिवारिक जीवन में भी देखने को मिल सकता है।

वृश्चिक यह सप्ताह अत्यंत ही महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको अप्रत्याशित रूप से उन लोगों से भी सहयोग और समर्थन मिलेगा, जिनसे आप कभी उम्मीद भी नहीं करते थे। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे, जिसके चलते आपके भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा हर समय बनी रहेगी।

धनु यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। सप्ताह में आप पाएंगे कि आपका बड़ा से बड़ा कार्य येन-केन-प्रकारेण पूरा हो जाएगा। आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता मिलेगी, जिससे आप काफी संतुष्ट और प्रसन्न नजर आएंगे। इस सप्ताह आपकी छवि एक सफल इंसान के रूप में लोगों के सामने आएगी और हर आदमी आपसे जुड़ने का प्रयास करेगा।

मकर यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने वरिष्ठ एवं अधीनस्थ लोगों का पूरा सहयोग और समर्थन हासिल रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना सफल साबित होगी और उसकी हर कोई प्रशंसा करेगा। मनचाहे पद अथवा मनचाहे स्थान पर तबादले की कामना पूरी हो सकती है।

कुंभ इस सप्ताह जीवन से जुड़े किसी भी बड़े फैसले को लेते समय खूब समझदारी और विवेक से काम लेना होगा। सप्ताह की शुरुआत में अचानक से जीवन में आने वाली समस्याओं से आपको परेशानी का अनुभव हो सकता है। इस दौरान नियमों की अनदेखी से बचें तथा वाहन सावधानी के साथ चलाएं अन्यथा आर्थिक एवं शारीरिक कष्ट मिलने की आशंका है।

मीन यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। आपको कभी घी घना तो कभी सूखा चना और कभी वो भी मना वाली स्थिति से गुजरना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके कार्यों में जहां तमाम तरह की अड़चनें आएंगे तो वहीं इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों की मदद से उसे दूर करने का रास्ता भी निकलेगा।

चिकित्सा सेवा में लगा हर व्यक्ति विशेष

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

चिकित्सक, शिक्षक और परिचारक दल (नर्सेज) को जो किसी भी चिकित्सा पद्धति से संबंधित हो जैसे एलोपैथी, आयुर्वेद, यूनानी/ हिकमत, होम्योपैथी या प्राकृतिक चिकित्सा उनके अंदर संवेदना, सहानुभूति, हमदर्दी, करुणा और परोपकार के भाव अवश्य होने चाहिए। चिकित्सा सेवा में लोभ, अहं, हठ, उग्रता और व्यापार की भावना को कोई स्थान नहीं है। संवेदना, सहानुभूति, हमदर्दी, करुणा और परोपकार के इन मूल भावों को निर्दिष्ट करते हुए कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं:

- प्रत्येक चिकित्सक के अंदर संवेदना, सहानुभूति, हमदर्दी, करुणा और परोपकार के भाव अवश्य होने चाहिए। चिकित्सा सेवा में लोभ, अहं, हठ, उग्रता और व्यापार की भावना को कोई स्थान नहीं है।
- महर्षि वेदव्यास दो बातें स्पष्ट रूप से लिखी हैं कि दूसरों का भला करना ही पुण्य है और किसी को पीड़ा पहुंचाना ही पाप है। यही बात चिकित्सा शास्त्र का मूल तत्व है।
- तुलसीदास जी कहते हैं कि दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है और दूसरों को दुःख पहुंचाने के समान कोई नीचता या पाप नहीं।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदनमोहन मालवीय कहते हैं कि मैं राज्य की कामना नहीं करता, मुझे स्वर्ग और मोक्ष भी नहीं चाहिए। मैं दुःख से पीड़ित प्राणियों के दुःख दूर करने में सहायक हो सकूं, यही मेरी कामना है।

स्वास्थ्य सेवा के सिद्धांत

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का घोष वाक्य है, जो स्वयं विश्वविद्यालय के संस्थापक पंडित मदनमोहन मालवीय जी द्वारा निर्दिष्ट किया गया है। इसका अर्थ है कि चिकित्सा से बढ़कर कोई अन्य पुण्य कार्य नहीं है।

चिकित्सालय में प्रवेश करते ही हर रोगी यही कामना करता है कि उसके चिकित्सक की समस्त ज्ञानेन्द्रियां जैसे आंख, कान, हाथ, हृदय और मस्तिष्क मरीज के दुख और कष्ट के निवारण में हमेशा तल्लीन रहें। उसका मन और चित्त कहीं और न भटके। आज के समय में जब प्रत्येक के हाथ में मोबाइल और स्मार्ट फोन है, तमाम प्रकार के प्रलोभन और आकर्षण हैं तब ऐसी अपेक्षा करना आशा करना कितना दुष्कर है। फिर भी अपेक्षा और शुभेच्छा तो यही की जाती है। चिकित्सा जैसे पुण्य कार्य के इन्हीं मूल तत्वों को ध्यान में रखते हुए इन पंक्तियों के लेखक ने वर्ष 2013 से जामिया हमदर्द के मेडिकल कालेज के प्रारंभिक वर्षों में नवागंतुक छात्रों को प्रथम वर्ष में शुभ्र कोट समारोह के माध्यम से इन गुणों को आत्मसात करने का शुभारंभ किया गया, जो अपने ढंग का अनूठा प्रयोग था।

नए नवेले चिकित्सा छात्रों को शुभ्र कोट परिधान, पेशे की भद्रता सहिष्णुता निर्मलता गरिमा का प्राविधान, चिकित्सा सेवा में दीक्षित करने का अनूठा विधि विधान, वाणी कर्म कौशल शोधपठन-पाठन रोगी ही संविधान। पर पीड़ा कम करे रोग का शमन करे/हे छात्र गण शुभ्र कोट जब कभी धारण करे/उदात्त पेशे की मर्यादा सदा सर्वदा विचार करे/शुभ्र कोट समारोह पवित्रता महत्ता अंगीकार करे।

शुभ्र कोट चिकित्सा पेशे की निर्मलता, समर्पण और उत्तमता का प्रतीक है। सत्र 2014 में प्रवेश पाए एमबीबीएस के नए छात्रों को चिकित्सा धारा में औपचारिक रूप से सम्मिलित करने के लिए 31 अक्टूबर को शुभ्र कोट समारोह का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध चिकित्सा शास्त्री प्रोफेसर रंजीत राय चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को उद्बोधित किया। डॉ. रॉय चौधरी ने भारत सरकार के द्वारा चिकित्सा सेवा में होने वाले कुछ प्रमुख सुधारों के बारे में और सफल चिकित्सक बनने के गुर बताए। उपकुलपति डॉ. काजी ने नवागंतुक छात्रों को चिकित्सा शपथ दिलाई। चिकित्सक के मानवीय और औषधीय पक्षों पर प्रकाश डाला। डीन के रूप में मैंने शुभ्र कोट समारोह की विशिष्टता, उसकी महत्ता और हमदर्द विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया।

चिकित्सा कार्य का एक व्यावहारिक पक्ष भी है। आज के करीब 500 ईसा पूर्व आचार्य चरक ने चिकित्सा कार्य के विषय में बहुत स्पष्ट लिखा था कि चिकित्सा कार्य से कहीं धर्म (पुण्य) की प्राप्ति होती है तो कहीं मित्रता मिलती है। कहीं धन की प्राप्ति होती है तो कहीं यश मिलता है। यही नहीं इन सबके साथ-साथ चिकित्सा में कौशल और प्रवीणता का अभ्यास भी स्वतः ही होता रहता है। चिकित्सा कार्य कभी निष्फल नहीं होता।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 27

	11	34			16	4	7		
13			3	7				10	
10				10 4					6
16						8			
11			3 22			6	4 8		
	16			15 14					
	24	16 30			4 34			16	
35						4 16			29
16			23	17			9 17		
22				34 16					
	30					20			
		23					7		

काकुरो 26 का हल

	9	7		32	14	33		19	24
5	1	4	24	7	8	9	10	2	8
4	3	1	23 7	9	6	8	16 23	7	9
11	5	2	1	3	22	6	8	1	7
	23	12 22	4	8	16	7	9	13	10
21	8	6	2	5	12	3	6	1	2
16	9	7	15	33		15	4 23	3	1
28	6	9	5	8	29	5	8	9	7
	9	7 23	1	6	13	4	9	8	13
30	6	8	9	7	4 12	3	6	2	1
10	1	9	13	9	3	1	4	1	3
8	2	6	6	3	1	2	14	5	9

कहानी

गूंजी किलकारियां

विवाह के दस वर्ष उपरांत जय के घर में किलकारियां गूंजी तो जय और जय के माता-पिता की खुशी का पारावार न रहा। इन दस वर्षों में जय और उसकी पत्नी राधा ने न जाने कितनी मन्नतें मानी थीं और कितने देवी-देवताओं के दर पर मत्था टेका था। गांव की औरतें अक्सर जय की मां से उलाहना जैसे देतीं और कहतीं-सुधा तुम्हारी बहू में ही कोई कमी है, वरना इसके साथ जिनके हाथ पीले हुए थे, उनके दो-दो बच्चे हैं। हंसता-खेलता परिवार कई बार इस प्रकार के तानों से परेशान हो जाता। हालांकि वे स्वयं किसी से कुछ नहीं कहते थे, उन्हें भगवान के न्याय पर पूरा भरोसा था। वे मानते थे कि एक दिन उनकी बगिया में सुंदर पुष्प अवश्य खिलेगा।

दिन-महीने-साल इसी प्रत्याशा में बीतते रहे और उसकी परणितिस्वरूप आज मीठा फल मिला था। सुधा के अतीत के चलचित्र में सारी तस्वीरें घूम रही थीं। वह खाका खींच रही थी भविष्य के तानों-बानों का। मुन्ने का क्या नाम रखना होगा, कौन-कौन से आयोजन, कब-कब किए जाने हैं। किस-किस को आमंत्रित करना होगा, नाऊ, पंडित, परजा सभी को खुशियों में शरीक करना होगा। जो मनौतियां, मन्नतें, प्रार्थना की हैं, देवी-देवताओं से वादा किया है, सभी को पूरा भी तो करना होगा। भगवान को अप्रसन्न नहीं किया जा सकता। धर्म पर उनकी गहन आस्था थी। सामान्य तौर पर आदमी, आदमी से किए गए वादे को झुठला सकता है, लेकिन भगवान को कैसे धोखा दें, वो तो पग-पग पर, कण-कण में विराजमान हैं। कितने लंबे अरसे के बाद तो बहू की गोद हरी हुई है। क्या सारा काम सेत-मेत में ही हो जाएगा। उसने श्रीसत्यनारायण व्रत कथा श्रवण की थी। उसको भगवान से वादा करे पूरा न करने पर साहूकार का क्या हश्र हुआ था, पता था। सोचते-सोचते कब शाम हुई और सुधा को कब नींद ने अपने आगोश में ले लिया पता ही नहीं चला।

दया शंकर मिश्र
निजी सचिव, एनसीआई

सूर्य की किरणों के आगमन के साथ ही सुधा के कक्ष में उसके पति सुंदर ने प्रवेश किया। कई बार आवाज देने पर भी सुधा की नींद न खुलने पर सुंदर ने उसे झिंझोड़कर जगाया तो वह चौंक उठी। सुंदर समझ गया सुधा निश्चित रूप से कोई मीठा सपना देख रही थी, हालांकि सुधा ने सुंदर से ये सब नहीं बताया, लेकिन सुंदर कोई दूध पीता बच्चा तो नहीं था। उसने स्वयं ही उसको छेड़ा-क्यों सोहर गाने के लिए गांव की औरतों को नहीं बुलाओगी, जय के बेटा हुआ है। भगवान ने हमें जो आशीष दिया है, उस खुशी को हम पूरे गांव के साथ बांटेंगें। सुधा पुनः चुप हो गई। सोचने लगी इस साल फसल भी अच्छी नहीं हुई है, जय जहां काम करता था, उस मालिक ने दो महीने की पगार भी रोक ली है। कैसे सब कुछ होगा। हे रासबिहारी, अब तो तुम्हारी ही शरण में हूं। द्रौपदी की चीर बढ़ाकर आपने उसकी लाज तो बचा ली थी, मेरी कैसे बचाएंगें? जय ने कहा-कितना सोचोगी। अरे बाहर आंगन में गांव की औरतें बच्चे का मुंह देखने आई हैं, सब मुंह मीठा करवाने की बात कर रही हैं और तुम हो कि अभी भी सो ही रही हो। हूं, सुधा चिंहुक उठी, उसकी आंखों में चमक और शरीर में एकदम से जान आ गई। तुरंत उठकर बाहर निकल गई और जय देखता ही रह गया।

आंगन में मोहल्ले की तमाम औरतें जमा थीं। चर्चा छिड़ी थी-किसकी मन्नत से राधा के घर का चिराग रोशन हुआ है। सभी के अपने तर्क और विचार थे, परंतु सुधा ने कुछ भी स्पष्ट न कहा। यही कहकर चुप रह गई कि आप सबके आशीष से बहू की गोद भरी है। भगवान तो सबके ऊपर हैं हीं। मैं सबकी कृतज्ञ हूं। सुधा की स्थिति उस भिखारी जैसी थी, जिसके हाथ एकदम से खजाना लग जाए और वह कुछ भी निश्चय न कर पा रहा हो कि इसे दिखाऊं या छिपाऊं। किसी ने चुहल किया, बिल्कुल अपने बाप पर गया है-वही नाक, वही मुंह कितना सुंदर है। कितने सुंदर बाल हैं। सांवला-सलोना कन्हैया है, किसी की नजर न लगे अभी से हंस रहा है। राधा सौर से सारी बातें कान लगाकर सुन रही थी और पुलकित हो रही थी। उसी दिन उसका नामकरण-कन्हैया हो गया। सब उसको प्यार से कान्हा-कान्हा कहने लगे। हर मां की तरह राधा को भी अपना लाल सबसे सुंदर लग रहा था और सुधा इस बात को लेकर चिंतित थी कि उसने बच्चे को काला टीका क्यों नहीं लगाया। ये औरतें पता नहीं कौन कैसी हैं, बच्चे को नजर न लग जाए, हे प्रभू रक्षा करना। हे शनि महाराज तुम्हारा ही आसरा है। तभी उसकी बेटी रक्षा जो अपनी उमर से कुछ ज्यादा ही समझदार हो चुकी थी या परिस्थितियों ने उसे बना दिया था, बच्चे को लेकर वहां से हट गई और सुधा की जान में जान आई। धीरे-धीरे मोहल्ले की औरतें अपने-अपने घर चली गईं तो सुधा ने रक्षा को ताकीद की-खबरदार जो बच्चे को बिना काला टीका लगाए बाहर लाई। पता नहीं किसके मन में क्या है। किसकी नजर खोटी है, भगवान जानें।

समय पंख लगाकर उड़ता रहा और कन्हैया शुक्लपक्ष के चांद की तरह बढ़ता रहा। उम्र के साथ उसमें चंचलता आई और वह मुहल्ले का प्रिय खिलौना हो गया। उसका तुतलाकर बोलना, दूधिया दातों की हंसी मां-बाप की थकान को दूर कर देती थी। दादा-दादी का खाली समय कन्हैया के साथ ही बीतता था। कन्हैया सभी की आंखों का तारा और पड़ोसियों का दुलारा था। कन्हैया अब बड़ा हो चुका था और उसका दाखिला विद्यालय में करवा दिया गया था। उस पर ईश्वर की विशेष कृपा थी, पढ़ने और खेलने दोनों में ही कन्हैया का कोई जोड़ नहीं थी। विद्यालय के बाद विश्वविद्यालय हर जगह कन्हैया ने अपने नाम का डंका बजाया और समय पर अच्छी पोजीशन के साथ प्रशासनिक सेवा में नौकरी प्राप्त की। दादा-दादी दोनों काल-कवलित हो चुके थे, लेकिन मां-बाप का सीना गर्व से चौड़ा हो रहा था। तमाम नाते-रिश्तेदारी, परिवार, गांव को भोज दिया गया। सभी खुश थे।

अब कन्हैया के लिए उपयुक्त बहू की तलाश शुरू हुई। जिस परिवेश में कन्हैया पला-बढ़ा था, उन परिवारों की लड़कियां उसको रास नहीं आ रही थीं। समय के साथ कन्हैया की आकांक्षाएं और विचार भी ऊंचे हो चुके थे। अब वह गांव वाला कान्हा नहीं था, शहर का आधुनिक विचारों वाला कन्हैया था। वो कन्हैया जिसका बाप ने कभी मांस-मदिरा को स्वप्न में भी हाथ नहीं लगाता था, उनका पुत्र सर्वभक्षी हो चुका था। जब खान-पान में बदलाव हुआ तो विचारों में भी बदलाव स्वाभाविक था। पिता की पसंद की हुई बहू पुत्र को कैसे भाती। पिता भारतीय संस्कृति के मुरीद थे तो पुत्र पाश्चात्य सभ्यता में रंग चुका था। केर और बेर का संग कैसे संभव हो सकता है। जय ने हारकर कहा-बेटा तुम अपनी पसंद की बहू लाओ, तुम्हारी खुशी में ही हमारी खुशी है। कन्हैया की मुराद पूरी हुई, उसने अखबारों के माध्यम से, वैवाहिक विज्ञापनों से अपने अनुरूप पाश्चात्य विचारों वाली नौकरीपेशा सुंदरी का चयन किया। काफी धूमधाम से विवाह हुआ और विवाह के उपरांत मीनाक्षी (पत्नी) घर आई तो कन्हैया अपनी गृहस्थी और नौकरी में मस्त हो गया। मां-बाप गांव में ही रहे, क्योंकि उनको शहरी आबोहवा और बहू का आचरण, व्यवहार भा नहीं रहा था। धीरे-धीरे कन्हैया जो अपनी मां-बाप की इकलौती संतान था ने भी विचारों में अंतर और स्टेटस के अनुरूप मां-बाप के न होने के कारण उनसे दूरी बढ़ानी आरंभ कर दी। जय और राधा ने जो सपने देखे थे, बेटे का विवाह होगा, छोटे-छोटे बच्चे होंगें, उनको गोदी में लेकर वह खिलाएगा, उसका घोड़ा बनेगा, वे सब बिखरने लगे थे। दोनों ने परिस्थितियों से समझौता किया और अपने-आपको ग्रामीण परिवेश में पुनः व्यस्त कर लिया। समय का पहिया चलता रहा। कभी-कभार कन्हैया घूमने के लिए दो-चार घंटे को मां-बाप के पास जाता, लेकिन उसकी पत्नी को अनपढ़, गंवार सास-ससुर कभी पसंद न आने के कारण धीरे-धीरे वह भी बंद हो गया। जय कभी-कभी गर्व से कहता मेरा बेटा कलेक्टर है, लेकिन अंतर्मन से सोचता क्या हम दोनों के बीच अपनत्व की जो डोर होनी चाहिए थी, वह जुड़ी है। वही कन्हैया जिसको छींक आने पर भी हम दोनों रात-रात भर सोते नहीं थे, हकीम-वैद्य के चक्कर लगाते थे, आज हमारी सुधि लेने भी नहीं आता। कभी-कभार केवल फोन से हाल-चाल पूछने की औपचारिकता निभाता है। बालों में सफेदी और आंखों की रोशनी कम होने के साथ-साथ जय की कमर भी झुक चुकी थी। उसको लगता था कि वक्त के साथ-साथ उसके अपने भी उसका साथ छोड़ रहे हैं।

मानसिक चिंताओं ने जय को कृशकाय और रोगग्रसित कर दिया। वह जय, जो कभी बीमार नहीं पड़ता था आज दवाइयों के सहारे जीने को मजबूर था। एक समय ऐसा भी आया कि जय फालिज का शिकार हो गया। खबर कन्हैया के पास गई, कुछ समय के लिए कन्हैया गांव आया और जय को ले जाकर अस्पताल में भर्ती करवा दिया। जय को उपचार के साथ-साथ पुत्र के मानसिक सहारे की जरूरत थी, जो कन्हैया नहीं समझ सका और न जय कह सका। दवा और दुआ के बावजूद जय एक दिन रात में हृदयाघात (हार्टअटैक) से चल बसा। सुबह राधा ने निश्चल और अपलक खुली आंखों से लेटे जय को देखा तो रोने-पीटने लगी, लेकिन होता क्या पंछी पिंजरे से निकलकर उड़ चुका था। आत्मा-परमात्मा के पास पलायन कर चुकी थी। कन्हैया खबर पाकर आया और पहली बार उसको अनुभूत हुआ कि मेरा कुछ खो गया है। पिता की पथराई आंखें उससे बहुत कुछ कह रही थीं। क्रिया-कर्म करने के उपरांत कन्हैया का मन पुरानी घटनाओं को सोच-सोचकर कुछ विरक्त सा हो गया था। कन्हैया को उस रात एक सपना आया, जिसमें बचपन से लेकर यौवन तक का सारा चलचित्र उसने देखा। मां-बाप के त्याग, उत्सर्ग का पहली बार उसको भान हुआ। कैसे बचपन में उसके मल-मूत्र त्याग कर देने पर मां नाराज नहीं होती थी, उसको सूखे की तरफ करके खुद गीले पर सो जाती थी। जय खुद अपनी इच्छाओं का गला घोंटकर उसके लिए सुख-सुविधा की चीजें जुटाता था। उसके लिए घोड़ा बन जाता था। फटे जूते पहनकर उसको नए जूते दिलाता था। कन्हैया अपराधबोध से ग्रस्त था। उसको पहली बार अपना बर्ताव बहुत बुरा लग रहा था। मुझे धिक्कार है, मैंने मां-बाप के लिए कुछ नहीं किया। उसकी आंखों से पश्चाताप के आंसू बह रहे थे। वह सोच रहा था, क्या मेरा बेटा भी इसी प्रकार मेरे साथ बर्ताव करेगा। इसी बीच सीन बदलता है, कन्हैया के मां-बाप दोनों उससे आकर पूछते हैं-मैंने तो अपना कर्ज चुकता कर दिया, तुम कब चुकाओगे।

कविताएं/गीत

ख्यालों की दुनिया

बहुत खूबसूरत है ख्यालों की दुनिया।
नोटों के बिस्तर, घोटालों की दुनिया।

गुरुओं ने पीटा घसीटा जिन्हें था,
आज उन नासपीटे घंटालों की दुनिया।

किसी को उठाएं किसी को गिराएं,
सियासत के पलटू, दलालों की दुनिया।

टोपी पहनकर जो लंगोटी उतारें,
रहनुमाई के नए कलालों की दुनिया।

बनें तीसमारखां गैरत ए जमाने,
लगा मुंह पे ताला सवालों की दुनिया।

मंहगाई मुफलिसी से तार-तार जिंदगी,
गुरबत में दो निवालों की दुनिया।

बहुत खूबसूरत है, ख्यालों की दुनिया।

नरेन्द्र सिंह "नीहार"
वरिष्ठ लेखक

अपनी भाषा

जो रस अपनी भाषा में है
वो रस कहां मिलेगा?
फूल हंसे अपनी मिट्टी में
मरु में कहां खिलेगा?

जीवन की उर्वरा भूमि से
उगती दूब -सी वाणी
ओठों से ऐसे झरती है
जैसे बहता पानी
संवेदन-चिंतन का साथ
ऐसा कहां मिलेगा?

सुख में जो आतिशबाजी बन
फुलझरियां छिटकाए
दुख में पीड़ित अंतस्तल को
परिजन-सा सहलाए
ऐसा हमसाया-हमराही
दूजा कहां मिलेगा?

अंजना वर्मा
लेखिका

पहचान हमारी भाषा है
ज्ञान हमारी भाषा
इतिहास सुरक्षित भाषा में
विश्वास हमारी भाषा
संस्कृति का शिलालेख
ऐसा कहां मिलेगा?
जो रस अपनी भाषा में है
वो रस कहां मिलेगा?

अविरल गंगा

बहुत मैं गंगा हूं
मैं अमरलोक से आई हूं
जन जन तुम
पुण्य कलश भर लो
मैं अमृतमयी जल लाई हूं
सहर्ष सुजन तर लो।
मैं भारत
मां का वैभव हूं
भागीरथ का तप प्रताप
बहती जलधार निरंतर हूं
कल कल छल छल
उन्मुक्त दिव्य
मैं पतित पावनी गंगा हूं।
भक्तों के
सुख की खातिर
मैं देवलोक से बह आई
विष्णु चरण ब्रह्मकमंडल
शिव की चोटी को तज आई
मानव तेरी देहरी पर
मैं सदानीरा निर्मल गंगा हूं।।

इतिहास की मैं ही गवाही हूं
कथाओं की प्रत्यक्ष निशानी हूं
मेरी धारा को बहने दो
मैं सुसंस्कृति दिव्य
आध्यत्मिकता को अंगीकृत कर
प्रकृतिमयी देवभूमि में
मानवता का मेला हूं
मैं अविरल गंगा हूं।

सीमाचौहान
लेखिका

लघुकथा

प्रशिक्षु

वह पहलवान टाइप का लड़का है। साढ़े छह फीट का। कद्दावर शरीर का मालिक। उम्र होगी यही कोई साढ़े अठारह या उन्नीस साल। अचानक ही एक दिन मेरे ऑफिस आया और जयहिंद बोलकर सावधान मुद्रा में खड़ा हो गया। मैं कंप्यूटर पर लेसन प्लान बना रहा था तो उसकी ओर बिना देखे ही जय हिंद का उत्तर दिया और बोला कि बोल बाबू, क्या बात है? जब करीब तीस सेकंड तक कोई आवाज नहीं आई तो मैंने अपना सर उठाया तो देखा कि लड़के का चेहरा एकदम लाल, आंखें, आंसू उबालने को एकदम तैयार और वो जैसे कि अभी ही सुबकने लगेगा। मैंने संयत स्वर में पूछा, "क्या हुआ यार? ऐसे उदास क्यों है?" वो बोला, " सर, मेरे से न हो पाएगी ट्रेनिंग। मुझे घर भिजवा दो।" मैंने रिवर्स साइकोलॉजी चलाई, " ठीक है, भिजवा दूंगा। ये ले तू ये फॉर्म भर दे।" अब वो चुप, क्योंकि उसे इस बात की तो उम्मीद ही नहीं थी और मैं तो फिर से लेसन प्लान बनाने में जुट गया। जब कुछ देर वो ऐसे ही खड़ा रहा और मुझे लगा कि अब उसकी मनः स्थिति मेरे हिसाब से ट्यून हो गई है तब मैंने कहा, "ट्रेनिंग से भाग रहा है या गर्लफ्रेंड की याद आ रही है?" ये सुनकर उसके उदास चेहरे पर मुस्कान आ गई। वो बोला, "सर, ट्रेनिंग की कोई बात न है और गर्लफ्रेंड भी न है हमाई।" मैंने फिर माहौल को हल्का किया," तो इतना क्यों बेचैन हो रहा है बे, कि ट्रेनिंग छोड़कर गर्लफ्रेंड बनाने चल दिया। पहले ट्रेनिंग पूरी कर ले फिर बना लेना।" लड़का फिर मुस्कुराया," सर, मम्मी पापा की बहुत याद आ रही है। मैं अकेला लड़का हूं, पापा के पैर में फ्रैक्चर हो गया है। मम्मी कैसे करती होंगी उनकी सेवा-पानी। मुझे भिजवा दो सर।" इस बार मुझे उस बच्चे पर बहुत प्यार आया। ऐसे सेंसिटिव बच्चे ज्यादा नहीं होते, लेकिन मैंने प्यार दिखाया नहीं, बल्कि पूछा कि तेरी मम्मी ने कहा है तुझे वापस आने को? वो बोला, "नहीं।" "तो फिर पापा ने?" "नहीं सर।" "तो फिर समाज में उनका सर नीचा करवाने क्यों जाना चाहता है बे? पास होके जा, कम से कम पापा का सर तो ऊंचा होगा सोसाइटी में।" लड़का चुप! फिर बोला, "चिंता लगी रहती है उनकी। नींद नहीं आती मुझे ठीक से।" मैं बोला, "कहां का रहने वाला है?" "उज्जैन के पास का।" "उज्जैन में एक नारा बहुत बार बोलते हैं, क्या है वो?" "नहीं पता?" "नहीं सर।" "न चिंता न भय, बोलो बाबा महाकाल...." ".... की जय।", उसने दोहराया। मैंने कहा, "देख, सारा खेल उन्हीं का है। वो बस टेस्ट कर रहे हैं, तुझे भी और तेरे मम्मी-पापा को भी। तेरे मम्मी-पापा तो पास हो जाएंगे और ये कठिन समय भी कट ही जाएगा। अब तू बता, क्या तुझमें गुर्दा है पास होने का? ये जो अपने पुरखों का पहचान चिन्ह "सिंह" लगा रखा है तूने अपने नाम के बाद, क्या इसकी लाज रख पाएगा या फिर बस नाम में सिंह है, असल में तू गीदड़ है?" लड़का जोश में आया, "सर, मैं असल में भी सिंह ही हूं।" मैंने और उकसाया, "बोलने से मैं क्या कोई नहीं मानेगा, प्रूव करके दिखा। बोल दिखाएगा?" "हां सर",लड़का जोश में लगभग चिल्लाया। "तो ठीक है, जा क्लास में। और कभी जब चिंता ज्यादा परेशान करे तो क्या बोलेगा?" सर! ना चिंता न भय, बाबा महाकाल की जय!" कल इस बात के तीन हफ्ते बाद लड़के ने 12 किलोमीटर दौड़ में एक नया लोकल (ट्रेनीज के बीच) रिकॉर्ड बना दिया है। अपने रिकॉर्ड के बारे में बताते हुए लड़के ने कहा,"थैंक यू सर! आप कमाल हैं! मैंने एटीट्यूड में बोला कि टेल मी समथिंग आई डोंट नो!" वो भी हंसने लगा और मैं भी। अगर स्टूडेंट अच्छा करें तो इंस्ट्रक्टर का एटीट्यूड में आना तो बनता है।

राघव शुक्ल
लेखक

दोषी कौन

कैप्टन मैथ्यू थॉमस आज अपनी नौकरी की आखिरी फ्लाइट उड़ाने के लिए तैयार हो गए। आज वह एयर इंडिया में बीस वर्षों के अपने बेदाग कैरियर के शीर्ष पर पहुंचकर सेवानिवृत्त होने वाले थे। वर्षों तक देश-विदेश में जहाजों को उड़ाते रहे दक्ष पायलट मैथ्यू अब अपनी पत्नी शाइनी को पूरा समय देंगे और बेटी सारा के विवाह की तैयारी करेंगे, लेकिन किसे पता था कि अगले पल क्या होने वाला है?

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

कैप्टन ने दो इंजन वाले जोइंग कंपनी के एडवांस तकनीकी से लैस एयरक्राफ्ट का इग्नीशन ऑन किया। रनवे पर कुछ दौड़कर विमान ने तीन सौ यात्रियों को लेकर टेक ऑफ कर लिया, लेकिन कुछ देर हवा में उड़कर एकाएक जमीन पर गिरकर क्रैश हो गया। विमान में सवार सभी इंसान मारे गए। गिरने वाला विमान अरबों डॉलर नेटवर्थ वाली कंपनी का फ्लैगशिप उत्पाद था। इसका क्रश हो जाना पूरी दुनिया में कंपनी की साख गिरा सकता था। एक बार उत्पाद की साख गिर गई तो कंपनी का लाभ गिरना तय होता है। इसे बचाने के लिए विमानन कंपनी सक्रिय हो गई। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में खबरें आई। "अवसाद ग्रसित पायलट के फ्यूल सप्लाई बंद करने से विमान क्रैश हुआ।" "पायलट ने शराब पी रखी थी।" "पत्नी से तकरार के चलते भारतीय पायलट तनाव में था।" विमानन कंपनी दुर्घटना को मानवीय चूक साबित करने में सफल रही। तकनीकी विफलता की बात दवा दी गई। कंपनी की साख बच गई। बेकसूर कैप्टन मैथ्यू अपनी सफाई देने के लिए जीवित नहीं थे।

व्यंग्य

गिरगिट की आत्महत्या

सुबह के अखबार में एक रोचक समाचार छपा था - 'गिरगिट ने आत्महत्या की।' नेता नेकीराम की उत्सुकता बढ़ गई। समाचार की तह में जाने के लिए पूरा समाचार पढ़ना जरूरी हो गया। चाय की चुस्कियों के बीच समाचार का रंग गाढ़ा होता गया। आत्महत्या से पूर्व गिरगिट द्वारा लिखा हुआ एक फुटनोट मिला है- "इंसानों की विशेषकर नेताओं की फितरत देखकर मैं आत्महत्या करने के लिए विवश हूं। गिरगिट बिरादरी पर पहचान का संकट छाया हुआ है। मौलिक रंग का अभाव, अवसाद की पीड़ा तथा मानसिक कुंठा से व्यथित होकर मैं यह कदम उठा रहा हूं।" एक अलग से फुटनोट में उसने लिखा-"मेरी आत्महत्या के बाद पुलिस वाले हमारी बिरादरी के लोगों को बेवजह प्रताड़ित न करें इससे हमारी आत्मा को कष्ट होगा। मैं चाहता हूं कि इंसान हमारी नकल क्यों करता है अलबत्ता इसकी जांच अवश्य की जाए। अलविदा।"

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य

खबर पढ़ने के बाद नेता जी सोच में पड़ गए। गिरगिट की आत्महत्या के पीछे कई तथ्य उभरकर आ रहे थे। यह खबर जंगल में आग की तरह फेसबुक, ट्विटर हैंडल, इंस्टाग्राम और एक्स पोस्ट पर सोशल मीडिया में वायरल होने लगी। टीवी डिबेट्स की यह हेडलाइन बन गई। देखते ही देखते उस अखबार की बिक्री बढ़ गई। गिरगिट ने अपने फुटनोट में नेताओं पर खुलकर बात कही है। राजनीति में सुबह लाल, दोपहर में भगवा, शाम को हरा और रात में नीला रंग, बाप रे बाप इतना रंग तो मैं भी नहीं बदलता। रंगहीनता की भावना से मैं आहत हूं। भीतर का खालीपन, प्रभुत्व खोने का भय तथा पेशा चुराने का डर मुझे आत्महत्या के लिए प्रेरित कर रहा है। डिजिटल गिरगिट तो मुझसे भी तेज निकले। अब मैं क्या करूं? आत्महत्या के सिवाय कोई चारा मेरे पास नहीं है।

नेकीराम की सांस अटक कर रह गई। गिरगिट की आत्महत्या मेरे क्षेत्र में, मेरे घर के पीछे नीम के पेड़ से लटककर हुई है। कहीं पुलिस वाले पूछताछ करने के लिए मेरे घर न आ जाएं। मीडिया के लोग तो खबरों को सूंघते हुए पहुंच जाते हैं। क्यों न अपनी तरफ से समाचार पत्रों में स्पष्टीकरण की सूचना दे दी जाए। या पत्रकारों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ली जाए। आनन-फानन में उन्होंने प्रेसवार्ता का आयोजन कर ही लिया। उन्होंने मीडिया को बताया कि तथाकथित गिरगिट कई दिनों से भूखा होने के कारण अवसाद में था। सरकारी राशन उसे समय से नहीं मिला। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी से मैं जवाब तलब कर रहा हूं। पड़ोस में रहने वाली छिपकली ने मुझको यह जानकारी दी है। वह छिपकली भी अब अज्ञातवास में है। गिरगिट की आत्महत्या पर मैं शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। सरकार से उचित मुआवजे की मैं अनुशंसा करता हूं। विधायक निधि से मैं उसके दाह संस्कार की व्यवस्था कर रहा हूं। मीडिया के लोगों से मैं विनती करता हूं कि उसकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त करें।

शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों और चिकित्सकों की लाइन लग गई। सबने अपने-अपने तरीके से गिरगिट की आत्महत्या पर कहानी गढ़ी और कसीदे पढ़े। समाजशास्त्रियों ने कहा कि गिरगिट की आत्महत्या एक प्रतिकात्मक घटना है। इंसानी आत्महत्या का यह प्रतिरूपीकरण है। मनोवैज्ञानिकों ने गिरगिट की आत्महत्या हताशा, पीड़ा और कुंठा की अभिव्यक्ति बताया। चिकित्सकों ने कहा कि बिना पोस्टमार्टम रिपोर्ट के कुछ कहना सही नहीं है। प्रथम दृष्टया यह मानसिक रोग की अवधारणा है। राजनेताओं ने शंका व्यक्त करते हुए कहा कि इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। यह भी हो सकता है कि आत्महत्या करने का उसका अपना रंग हो। शोकसभा विसर्जित हो गई। लोग सोचने के लिए विवश थे-असली गिरगिट कौन है? यह जो पेड़ पर लटका है या मारकर आत्महत्या का रूप देने का कुत्सित प्रयास।

अंतस से उपजी कहानियां

समीक्षा

अनुभूतियों को करीने से कागज पर उकेरना साहित्य का प्रमुख अंग है। अनुभूतियां साहित्य की विविध विधाओं में ढलकर कभी गजल बन जाती हैं, कभी गीत, कभी कथा बन जाती हैं और कभी उपन्यास। अंतस से उपजे भावों को शब्दों में पिरोकर व्यक्त करना रचनाकार के विशिष्ट रचना कौशल का परिचय देता है।

हिंदी काव्य की सशक्त हस्ताक्षर डॉ. सरोजिनी 'तनहा' का सद्य प्रकाशित कथा संग्रह 'बिन मांगे मोती' कथा साहित्य में उनके विलक्षण योगदान का प्रमाण है। कथा संग्रह में कुल मिलकर दस कहानियां संग्रहित हैं, जिनमें प्रथम छह कहानियां नारी विमर्श से जुड़ी हैं, जिनके लिए कहा जा सकता है कि रचनाकार ने नारी अंतर्मन को हृदय की गहराइयों तक स्पर्श किया है। कहीं-कहीं ये कहानियां आत्मकथ्य की प्रस्तुति का आभास कराती हैं। शीर्ष कहानी 'बिन मांगे मोती' परिस्थिति जन्य विवशता का सुखांत निष्कर्ष प्रस्तुत करती हैं। कहानी 'एक रात की बात' सोशल मीडिया के अपरिचित चरित्रों के मध्य वार्तालाप में प्रेम अभिव्यक्ति, काल्पनिक उड़ान और यथार्थ चिंतन का उत्कृष्ट उदाहरण बन पड़ी है। कहानी 'दिशा' निःसंदेह नारी के अस्तित्व बोध की श्रेष्ठ कथा है। चार कहानियां आपराधिक पृष्ठभूमि पर आधारित हैं। कुल मिलाकर सभी कहानियों में कहानी के मूल तत्व समाहित हैं तथा कथानक पाठकों को कथा के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने हेतु बाध्य करता है। पुस्तक का आवरण पृष्ठ आकर्षक है तथा त्रुटिहीन मुद्रण कथा संग्रह को प्रभावी बनाता है। संग्रह को पाठकों का भरपूर स्नेह मिलेगा, ऐसी कामना है।

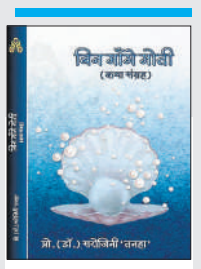

पुस्तक : बिन मांगे मोती (कथा संग्रह)
लेखक : डॉ. सरोजिनी 'तनहा'
प्रकाशक : यशस्विन पब्लिशर एंड डिस्ट्रीब्यूटर, मेरठ
पृष्ठ : 164, मूल्य : 500 रुपये।
समीक्षक : डॉ. सुधाकर आशावादी, मेरठ

स्त्रियों का जीवन यथार्थ एवं मीडिया में प्रस्तुतिकरण

वर्तमान समय में संचार माध्यमों ने महिलाओं के विकास एवं सशक्तीकरण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही यह भी ध्यान दिए जाने योग्य तथ्य है कि महिलाओं की शिक्षा में वृद्धि और रोजगार में उनके प्रवेश ने मीडिया के विकास में भी अपना योगदान दिया है। कई अलग-अलग प्रकार के मीडिया हैं। उदाहरण के लिए-टेलीविजन शो, फिल्में, रेडियो, समाचार पत्र, विज्ञापन, इंटरनेट जो हमारे मन-मस्तिष्क को गहरे रूप से प्रभावित करते हैं। मीडिया के इन विभिन्न रूपों में पुरुषों और महिलाओं की भिन्न-भिन्न छवियां हैं, जिन्हें अलग-अलग तरीकों से और अलग-अलग विशेषताओं के साथ दर्शाया जाता है, लेकिन भारत में मीडिया का एक विडंबनापूर्ण सत्य यह है कि यह विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और असमान व्यवहार एवं उनके द्वारा दर्ज किए गए प्रतिरोधों को संबोधित नहीं करता है।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

एक सभ्य समाज में 'अभिव्यक्ति की आजादी' का मतलब होना चाहिए सभी को अपना मत हर संभव तरीके से समाज के सामने रखने का साधन मुहैया करवाना। दूसरों के मत पर तर्क करने, जिरह कर सकने का माहौल बनाए रखना। क्या हमारा लोकतंत्र और हमारा माडिया सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गुलामी झेल रही महिलाओं को यह सुविधा देती है? यदि हम टेलीविजन देखते हैं, सड़क पर चलते हैं, बस का इंतजार करते हैं या अन्य काम करते हैं तो हमेशा पुरुषों और महिलाओं की छवियों से गुजरते हैं। फिल्मों टेलीविजन श्रृंखलाओं और विज्ञापनों में हम इन चित्रों को देखते हैं और वे आपको सचेतन या अवचेतन रूप से प्रभावित करते हैं। चूंकि मीडिया लोगों के रोजमर्रा के जीवन का इतना बड़ा हिस्सा है, इसलिए यह देखना दिलचस्प है कि लोग खुद को और दुनिया को कैसे देखते हैं। साथ ही पर्दे पर लैंगिक प्रतिनिधित्व को कैसे प्रस्तुत किया जाता है? यह लिंग से जुड़ी राजनीतिक पक्षों को देखने की दृष्टि से विशेष रूप से प्रासंगिक है। महिलाओं के प्रति मीडिया की भूमिका हमेशा से नारीवादी लेखकों की बढ़ती चिंता का विषय बन रही है, मूल रूप से महिलाओं की भागीदारी, प्रतिनिधित्व और उनके प्रस्तुतिकरण के बारे में नारीवादियों द्वारा इस संबंध में प्रस्तुत की गई कई आलोचनाएं हैं। सिमोन द बवुआर, शुलामिथ फायरस्टोन, केट मिलेट, लौरा मलवी, ज्यूडिथ बटलर, ब्रेट्टी फ्रायडन जैसी अलग-अलग नारीवादी लेखकों के अनुसार मीडिया महिलाओं की रूढ़िबद्ध छवियों को मजबूत करता रहा है। भारत में रितु मेनन, कमला भसीन, किरण प्रसाद जैसे विभिन्न नारीवादी चिंतक भी हैं, जिन्होंने महिलाओं के प्रति प्रिंट और विजुअल मीडिया की भूमिका की आलोचना की है।

महिलाओं की दो छवियां

मीडिया ने महिलाओं की दो छवियां बनाई हैं: अच्छी महिलाएं और बुरी महिलाएं। इन विपरीत ध्रुवीय प्रस्तुतियों को अक्सर एक-दूसरे के खिलाफ दिखाया जाता है। अच्छी महिलाएं सुंदर, संकोची, घर-परिवार और दूसरों की देखभाल करने वाली होती हैं। पुरुषों के अधीनस्थ, उन्हें आमतौर पर पीड़ितों, स्वर्गदूतों, शहीदों एवं वफादार पत्नियों और सहायकों के रूप में दिखाया जाता है। कभी-कभी, महिलाओं को सकारात्मक रूप से भी चित्रित किया जाता है, लेकिन यह उनके करियर को अदृश्य बनाने के लिए किया जाता है। 1994 में किए गए एक मीडिया सर्वेक्षण में पाया गया कि टीवी समाचारों में महिलाओं के मुद्दे हाशिए पर थे। हालांकि टीवी के प्राइम टाइम में दिखाए जाने वाले प्रसिद्ध धारावाहिकों के सर्वेक्षण में कुछ उत्साहित करने वाली प्रवृत्तियां भी दिखाई दीं। जिन महिला किरदारों को घरों से बाहर काम करते हुए दिखाया गया, वे मजबूत शख्सियत वाली थीं। अपनी स्वतंत्र पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहीं थीं। इसके विपरीत स्वतंत्र विचारों वाली स्त्रियां परदे पर चरित्रहीन, नाटकीय रूप से नाकारात्मक तथा पतनशील प्राणी के रूप में दर्शायी जाती हैं, जिनसे सामाजिक-सांस्कृतिक प्रणाली को खतरा है। हिंदुस्तानी सिनेमा में महिलाओं के नाम पर हमारे जेहन में देविका रानी, माधवी मुखर्जी और जयलिता से लेकर आलिया भट्ट तक की याद छाने लगती है। इसमें नादिया अभिनीत हंटरवाली और मदर इंडिया की नरगिस, मधुबाला से होते हुए मिर्च मसाला की स्मिता पाटिल और दीप्ति नवल तक शामिल हैं। इन सारे चरित्रों और इनके इर्द-गिर्द आदर्श भारतीय समाज के खाके में फिट हो सकने वाले चरित्रों की रचना मुख्यधारा के हमारे सिनेमा उद्योग ने लगातार जारी रखी है। सिनेमा के इस व्यवसाय में तकनीकी पक्ष और निर्देशन का काम अपवाद स्वरूप ही एकाध बार महिला फिल्मकारों के हिस्से आया है। ऐसे में क्या इस स्वर को ही हम महिला अभिव्यक्ति के प्रतिनिधि स्वर मान लें? हालांकि यह भी सत्य है कि आज से कुछ बरस पहले तक मीडिया में अंगुलियों पर गिनी जाने वाली महिलाएं थीं, लेकिन आज स्थिति भिन्न है। आज मीडिया-जगत का ऐसा कोई कोना नहीं, जहां महिलाएं आत्मविश्वास और दक्षता से मोर्चा नहीं संभाल रही हों।

मीडिया में महिला स्वर

विगत वर्षों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और इंटरनेट पत्रकारिता की दुनिया में महिला स्वर प्रखरता से उभरे हैं। इसका एक अहम कारण यह है कि पत्रकारिता के लिए जिस वांछित संवेदनशीलता की जरूरत होती है वह महिलाओं में नैसर्गिक रूप से पाई जाती है। पत्रकारिता में एक विशिष्ट किस्म की संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है और समानांतर रूप से कुशलतापूर्वक अभिव्यक्त करने की भी। संवाद और संवेदना के सुनियोजित सम्मिश्रण का नाम ही आदर्श पत्रकारिता है। महिलाओं में संवाद के स्तर पर स्वयं को अभिव्यक्त करने का गुण भी पुरुषों की तुलना में अधिक बेहतर होता है। यही वजह रही है कि मीडिया में महिलाओं का गरिमामयी वर्चस्व बढ़ा है। निश्चित तौर पर बाजार एवं मीडिया ने स्त्री के प्रति समाज की पारंपरिक समझ एवं व्यवहार को बदलने में अपनी भूमिका निभाई। उसने 'स्त्री सुलभ/स्त्रियोचित' ऐसे रोजगारों की संभावना उत्पन्न की, जिससे स्त्रियों का बाहर आना संभव हो सका। उन्हें एक उत्पादक एवं उपयोगी संसाधन के रूप में देखा जाने लगा, जिसके कारण स्त्रियां अपनी शिक्षा, अधिकार तथा चेतना से संपन्न हुईं एवं उसकी रक्षा के लिए संगठित होने लगीं, क्योंकि उन्हें बाजार का भागीदार एवं खरीददार बनाना स्वंय पूजीवादी पितृसातात्मक व्यवस्था की भी जरूरत थी, लेकिन अभी भी स्त्रियों को मनुष्य के रूप में देखे जाने की दृष्टि नहीं थी। अर्थात मीडिया ने उसे उतना ही स्वतंत्र किया, जितनी छूट पितृसत्ता ने उसे प्रदान की। मीडिया में महिलाओं का सकारात्मक चित्रण महिलाओं की वास्तविक गरिमा और स्थिति को बनाए रखने के लिए आवश्यक था कि पुरुषों और महिलाओं के बीच अंतर व असमानताओं को कम किया जाए।

वस्तुतः भारत का सामंती समाज सबसे ज्यादा पितृसत्ता से एवं बाजारवाद प्रभावित हुआ है। इस बाजारवाद ने अनेक प्रकार की मनोरंजन-विधियां जो सिर्फ साधन संपन्न तबके तक सीमित थीं, की पहुंच बहुसंख्यक लोगों तक संभव कर दी है। निश्चित तौर पर यह छलावा पिछड़ी और दलित जातियों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाता है, उन्हें यथास्थिति के लिए अनुकूलित करता है और उनकी संघर्ष-चेतना को कुंदकर उन्हें अराजनीतिक बनाए रखने की साजिश में शामिल रहता है कि जो समाज में है, उसी की प्रतिछवि मीडिया में दिख रही है। इसमें कुछ भी अस्वाभाविक नहीं है। उदाहरण के लिए घर और घर से बाहर महिलाओं को जिस तरह लांछित होना पड़ता है, सोशल मीडिया में भी उन्हें ठीक वैसी ही उपेक्षा मिलती है। सोशल मीडिया में अधिकतर पुरुष अपनी नारी विद्वेषी भावना बेहिचक प्रकट करते हैं। किंतु यह बातें इस देश में बाजारवाद के खतरे और दुष्परिणामों पर विमर्श का हिस्सा क्यों नहीं बनतीं? असली सवाल यह है। आदिवासी समुदाय में बाहरी संपर्कों के दबाव के कारण अलग-अलग तरह की समस्याएं झेलती स्त्री, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल-कूद में भागीदारी करतीं आदिवासी युवती को मीडिया अपनी रिपोर्ट में कितना स्थान देती है। आदिवासी स्त्री को किस रूप में प्रस्तुत करती है, विभिन्न क्षेत्रों में उसके योगदान को किस प्रकार रेखांकित करती है। आदिवासी स्त्री की देह को किस प्रकार प्रस्तुत करती है और उसके प्रति क्या नजरिया रखती है। मीडिया के बारे में आदिवासी स्त्री की छवि या तो एक रोमांटिसाइज्ड है या निकृष्ट। जबकि जरूरत यह है कि आदिवासी की वास्तविक मानवीय छवि को मीडिया में दिखाया जाए, उसकी समस्याओं और संघर्षों पर बात की जाए और उसका हल निकालने का रास्ता सुझाया जाए। मीडिया में आदिवासी स्त्री की प्रस्तुति- मांसल देह के रूप में राज्यद्वारा या अन्य वर्चस्वशाली समुदायों द्वारा आदिवासी स्त्री का शोषण होने पर उसकी खबर को किस रूप में प्रस्तुत करती है। उससे भी आदिवासी स्त्री की छवि निर्मित होती है।

मीडिया और आदिवासी समुदाय

आदिवासी समुदाय वस्तुतः जल, जंगल और जमीन पर पोषण करने वाले समुदाय है, जिनका अपना प्रकृति धर्म और अखड़ा समुदाय है। किंतु वर्णव्यवस्था आधारित ग्रंथों में आदिवासी स्त्री और पुरुष दोनों को गैर-मानवीय और आर्य सौंदर्य प्रतिमानों से इतर दिखाया जाता है। मीडिया और आदिवासी विषय पर चर्चा करते समय हरिराम मीणा अपनी किताब आदिवासी दुनिया में कुछ सवाल मीडिया की भूमिका पर उठाते हैं। जैसे उनके सवाल हैं मुख्यधारा के जनसंचार माध्यम अर्थात मास मीडिया में आदिवासियों को कितना स्पेस दिया जाता रहा है? इस सवाल का जवाब तलाश करते वक्त यह मुद्दा भी सामने आता है कि उस दिए गए स्पेस में आदिवासियों के प्रति कहां तक यथार्थ के निकट है? दूसरा सवाल यह उठा है कि आदिवासियों का अपना मीडिया कहां तक विकसित हुआ है चाहे उस मीडिया में योगदान देने वाले व्यक्ति आदिवासी समुदाय के सदस्य हों या आदिवासी जीवन में रूचि रखने वाले गैर-आदिवासी लोग? मीडिया के संदर्भ में बात करते समय हमें यह भी ख्याल रखना होगा कि यहां जनसंचार के सभी माध्यमों को सम्मिलित किया

जा रहा है। जैसे प्रिंट मीडिया, अखबार और पत्रिकाएं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जिसमें दूरदर्शन और सिनेमा और साथ ही साथ खबरी चैनल भी सम्मिलित हैं। विज्ञापनों, धारावाहिकों और फिल्मों के भीतर स्त्री का निर्माण करते हुए मीडिया यह भूल जाता है कि भारत की शोषित, दमित स्त्री की मुक्ति का लक्ष्य बाजार में साबुन बेचने वाली स्त्री नहीं हो सकती। इस पूंजीवादी समाज में महिला को उपभोक्ता वस्तु बनाने की महिला विरोधी जनसंचार माध्यमों और व्यवसायियों की साजिश को समझना होगा। भारत को देह बाजार में तब्दील होने से रोकना होगा। अगर हम ऐसा कर पाने में असफल रहे तो महिलाओं की वास्तविक समस्याओं और उनके वास्तविक मुद्दों पर पर्दा डाल दिया जाएगा। महिला आंदोलनों और संघर्षों से हासिल हुई अब तक की हमारी उपलब्धियों को दरकिनार कर दिया जाएगा। तब महिलाओं की पहचान उनके विचार, विवेक और कर्तव्य से नहीं, देह और सौंदर्य से होगी, क्योंकि तब वे जीती-जागती नारी नहीं, उपभोग करने लायक वस्तु रह जाएंगी।

लड़कीः पराई क्यों

समाज में जब एक लड़की जन्म लेती है, तो अक्सर लोग कहते हैं "लक्ष्मी आई है", लेकिन उसी पल उसे यह भी महसूस करा दिया जाता है कि उसका आना बस एक समझौता है। जन्म लेते ही उसे "पराया धन" कह दिया जाता है।

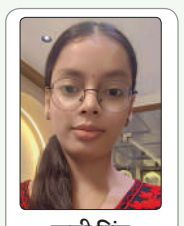

खुशी सिंह
छात्र

जैसे-जैसे वह बड़ी होती है, यह बात और गहरी होती जाती है, उसे समझाया जाता है कि यह घर उसका असली घर नहीं है, उसे एक दिन किसी और घर जाना है। इसलिए गलती की कोई गुंजाइश नहीं, उसे हर गुण सिखा दो। यहां सवाल यह है कि क्या वह लड़की कभी सचमुच अपनों को अपना मान पाएगी, जिन्हें उसके आने के साथ ही "पराया" घोषित कर दिया गया था?

रूप या सीरत?

जब लड़की और बड़ी होती है, तो समाज उसका मूल्यांकन उसके चेहरे से करने लगता है। उसे कहा जाता है कि "थोड़ा संवर कर रहा करो", लेकिन क्या किसी लड़की की पहचान सिर्फ उसकी शक्ल से तय होनी चाहिए? उसका चेहरा उसकी मंजिल नहीं है, बल्कि उसकी सिरत की शुरुआत है।

लड़की की असली खूबसूरती उसके दिल में होती है-उस प्यार में, जिससे वह परायी होकर भी सबको अपना बना लेती है। उस हिम्मत में, जिससे वह अपनों को खुश रखने की कोशिश करती है।

समाज से सवाल

आज भी एक बड़ा सवाल खड़ा है कि क्या यह समाज कभी लड़कियों को सचमुच "अपना" कह पाएगा? जिस दिन यह मान लिया जाएगा कि लड़की परायी नहीं है, उसी दिन हर लड़की अपने आपमें पूरी होगी। न सिर्फ "किसी की", बल्कि "खुद की" भी।

निष्कर्ष- लड़की चाहे बेटी हो, बहन हो, पत्नी हो या मां, वह सबसे पहले एक इंसान है। जब समाज उसकी पहचान को केवल उसके रिश्तों और रूप से नहीं, बल्कि उसकी इंसानियत और आत्मसम्मान से देखने लगेगा, तभी उसे सचमुच "अपना" कहा जा सकेगा।

उत्सव में दिखें सबसे आकर्षक

देश में त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। नवरात्रों की रौनक चारों तरफ छाने लगी है। गरबा, डांडिया, दुर्गा पूजा और पंडालों की चहल-पहल में हर महिला चाहती है कि वह सबसे अलग और आकर्षक नजर आए। अगर आप भी इन दिनों अपनी सुंदरता को निखारना चाहती हैं तो इन आसान टिप्स को अपनाकर खुद को एक अलग और डिसेंट लुक दे सकतीं हैं।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

हल्का और नेचुरल मेकअप

खुले में होने वाले आयोजनों में भारी मेकअप से बचें। केवल प्राइमर, हल्का फाउंडेशन, कंसीलर, आई मेकअप और लिपस्टिक ही काफी हैं। इससे आपका लुक नैचुरल रहेगा और मौसम की उमस या पसीने से मेकअप खराब नहीं होगा।

वाटरप्रूफ मेकअप का चुनाव

गरबा और डांडिया में नृत्य करते समय पसीना आना स्वाभाविक है। ऐसे में वाटरप्रूफ फाउंडेशन, आईलाइनर और लिपस्टिक आपके मेकअप को लंबे समय तक टिकाए रखते हैं और आपका

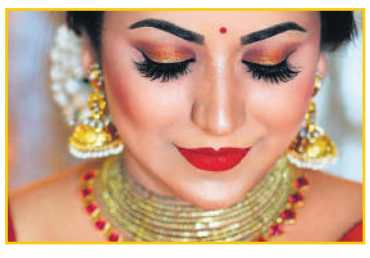

आत्मविश्वास भी बना रहता है।

फाउंडेशन और आई मेकअप

भारी फाउंडेशन पसीने में पिघल सकता है, इसलिए केवल हल्के फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। आंखों की सुंदरता बनाए रखने के लिए पर्याप्त नींद लेना जरूरी है। रोजाना 8-10 घंटे की नींद आपकी आंखों को ताजगी और चमक देती है।

क्लीनजिंग और टोनिंग

मेकअप से पहले त्वचा की क्लीनिंग और टोनिंग जरूरी है। यह त्वचा से अतिरिक्त तेल और गंदगी हटाकर उसे कोमल, नमी से भरपूर और ताजगी से भरा रखता है।

नाखून और पैरों की देखभाल

सिर्फ चेहरे ही नहीं, हाथ-पैर और नाखून भी आपकी खूबसूरती का हिस्सा हैं। नवरात्र शुरू होने से पहले मैनीक्योर और पेडीक्योर कराएं। चाहें तो घर पर नींबू रस और चीनी से स्क्रब करके हाथ-पैरों को चमका सकती हैं।

रात की देखभाल न भूलें

दिनभर के मेकअप और ज्वेलरी को रात में जरूर उतारें। मेकअप हटाने के लिए बेबी ऑयल या नारियल तेल का इस्तेमाल करें। त्वचा पर हल्की मसाज और बर्फ लगाने से त्वचा तरोताजा हो जाती है।

निष्कर्ष

नवरात्र सिर्फ पूजा और उत्सव का नहीं, बल्कि अपनी सुंदरता और आत्मविश्वास को निखारने का भी समय है। सही मेकअप, स्किनकेयर और थोड़ी-सी सावधानियों से आप हर दिन खिली-खिली और आकर्षक नजर आएंगी।

ब्लशर और हाइलाइटर का सही चुनाव

- गोरी त्वचा - गुलाबी, लाल ब्लशर
- गेहुंआ रंग - गुलाबी, कांस्य
- सांवली त्वचा - प्लम, गहरा लाल, कांस्य
- गालों पर हल्का ब्लशर और हाईलाइटर चेहरे की सुंदरता को निखार देता है।

ड्रेस के अनुसार तैयारी

अगर आप बैकलेस चोली या स्कर्ट पहनने वाली हैं तो पीठ पर वैक्स या पॉलिश पहले से करवा लें। ध्यान रखें कि यह काम उत्सव से कुछ दिन पहले ही कराएं ताकि किसी तरह की एलर्जी या फुंसी होने पर उसका इलाज हो सके।

खाना खजाना

नानखटाई

नानखटाई को कुकीज का भारतीय संस्करण कह सकते हैं। बच्चे और बड़े सभी को नानखटाई खाना बहुत पसंद आता है। परपंरागत नानखटाई सूजी, बेसन और मैदा से बनाई जाती थी, लेकिन आजकल इसे अपने स्वादानुसार मैदा से, बेसन से और सूजी के बिना ही बना लेते हैं। नानखटाई में सूजी डालने से ये अधिक कुरकुरी हो जाती हैं। आप कोई भी नानखटाई आसानी से घर में बना सकते हैं। पहले जमाने में हमारे यहां ओवन या माइक्रोवेव नहीं होते थे तब भी दो थालियों के बीच में नानखटाई की ट्रे रखकर ऊपर और नीचे लकड़ी के कोयले के अंगार बिछाकर नानखटाई बनाई जाती थी। आइए आज हम आपको मैदा सूजी और बेसन को मिलाकर नानखटाई बनाना बताते हैं।

अंकिता जोशी
फूड ब्लॉगर, लखनऊ

सामग्री

- मैदा-100 ग्राम (एक कप)
- बेसन- 50 ग्राम (आधा कप)
- सूजी- 50 ग्राम (चौथाई कप)
- चीनी- 200 ग्राम (एक कप)
- घी- 200 ग्राम (एक कप)
- इलाइची- 8-10
- बेकिंग पाउडर - 1 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

सबसे पहले आप चीनी पीस लीजिए, घी गरम करके पिघला लीजिए। किसी बर्तन में पिघला हुआ घी और चीनी डालिए और अच्छी तरह से फैंट लीजिए। मैदा, बेसन, सूजी छान लीजिए, इलायची कूटकर और बेकिंग पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाइए। इसके बाद घी- चीनी के मिश्रण में डालकर, नरम आटे जैसा गूथ लीजिए। अब नानखटाई बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। इस मिश्रण से थोड़ा-थोड़ा मिश्रण निकालिए, दोनों हाथों की सहायता से गोल कीजिए, दबाइए और चिकनी की हुई ट्रे में लगाइए। सारे मिश्रण के गोले इसी तरह बनाकर ट्रे में लगा लीजिए, इनको 10-15 मिनिट के लिए रख दीजिए।

ओवन को 200 डिग्री सेल्सियस तापमान में सैट करके गरम कीजिए। नानखटाई की ट्रे बेक करने के लिए ओवन में रखिए। ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सैट करके 10 मिनट के लिए नानखटाई बेक कीजिए। ओवन खोलकर नानखटाई चैक कीजिए और फिर से ओवन में 5 मिनिट के लिए नानखटाई बेक होने रख दीजिए। लगभग 15 -18 मिनट में नानखटाई बेक होकर तैयार हो जाती है। ओवन से नानखटाई की ट्रे निकालिए, ठंडी होने पर ट्रे से नानखटाई निकालकर, किसी प्लेट या प्याले में रखिए। नानखटाई तैयार हो गई है। ताजा-ताजा नानखटाई अब आप खा सकते हैं। बचे हुई नानखटाई एअर टाइट कंटेनर में भरकर रख लीजिए ये नानखटाई जल्दी भी खराब नहीं होगें।

समारोह

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा शनिवार को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मैक्लोडगंज स्थित त्सुगलागखांग मंदिर में अपने 90वें जन्मदिन समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान। एजेंसी

कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में घटी हिंसा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिंसा में 75 फीसदी कमी आई

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है। शाह ने दोहराया कि वामपंथी उग्रवाद को 31 मार्च 2026 तक समाप्त कर दिया जाएगा।

उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमलों और 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला देते हुए कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई गई है। शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर एक समाचार चैनल से बातचीत में कहा, देश में तीन प्रमुख 'हॉटस्पॉट' थे-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद.. मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में, तीनों 'हॉटस्पॉट' में हिंसा में 75 प्रतिशत की कमी आई है। गृह मंत्री ने कहा कि अगर पूरी दुनिया में कोई भी संकट का प्रबंधन सीखना चाहता है, तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के कोविड प्रबंधन का अध्ययन कर सकता है। उन्होंने कहा, जब दुनिया भर की सरकारें कोविड के खिलाफ अकेले लड़ रही थीं, भारत में केंद्र सरकार, राज्य सरकारें और 140 करोड़ नागरिक इस लड़ाई में एक साथ आए और इसी सामूहिक शक्ति के कारण हमें सफलता मिली। यह मोदी जी के मजबूत नेतृत्व के कारण संभव हुआ।

नई दिल्ली में मोदी एट सेवेंटी फाइव नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

असम राइफल्स के काफिले पर हमले के बाद मणिपुर के राज्यपाल ने उच्च स्तरीय बैठक की

इंफाल। असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले के मद्देनजर शनिवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अध्यक्षता में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में मणिपुर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार शाम नांबोल सबल लेइकाई इलाके में हथियारबंद लोगों के एक समूह ने असम राइफल्स के वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें दो जवानों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, असम राइफल्स के काफिले पर हुए जघन्य हमले के बाद, मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने आज (शनिवार) शाम राजभवन में आयोजित एक बैठक में मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में राज्य सरकार के शीर्ष अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद थे। राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया, बैठक में चर्चा के दौरान अपराधियों की शीघ्र पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया।

नेशनल ब्रीफ

जर्मनी से चार जलयान बनाने का समझौता

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि उसने चार बहुउद्देश्यीय जलयान बनाने के लिए जर्मनी की कंपनी कार्स्टन रेहडर के साथ 6.24 करोड़ अमेरिकी डॉलर का समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि समझौते में दो अतिरिक्त हाइब्रिड प्रोपल्शन जहाजों का प्रावधान भी है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गयाजी में किया पिंड दान

गयाजी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने पूर्वजों की आत्मा की मुक्ति के लिए बिहार के गयाजी स्थित विष्णुपद मंदिर में पिंड दान किया। विष्णुपद मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने बताया कि राष्ट्रपति ने पूजा स्थल पर पिंडदान और जल तर्पण किया। विट्ठल ने कहा कि राष्ट्रपति ने फल्गु नदी के तट पर और विष्णुपद मंदिर में पिंड दान और जल तर्पण किया।

मुठभेड़ में मारा गया वांछित अपराधी

चतरा। झारखंड के हजारीबाग जिले की पुलिस ने शनिवार शाम पड़ोसी चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र में बागरा जाबा रोड पर हुई मुठभेड़ में वांछित अपराधी उत्तम यादव को मार गिराया। हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस की एक टीम सड़क पर डेरा डाले हुए थी, तभी आरोपी ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा, मुठभेड़ हुई और यादव को ढेर कर दिया गया। आरोपी के पास से हथियार और बाइक बरामद की गई।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता ने जहर खाया

केंद्रपाड़ा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में कथित तौर पर एक युवक ने 17 वर्षीय कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म किया जिसके बाद छात्रा ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि अपराध की यह घटना 10 सितंबर की है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब पीड़ित महिला ने शुक्रवार को आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया। पीड़िता ने 10 सितंबर को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया और शुक्रवार को उसे छुट्टी दे दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने दामोदरपुर गांव के चिंटू जेना को आरोपी बताया और आरोपी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर उससे दोस्ती की थी।

बुलेट ट्रेन परियोजना अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी

रेल मंत्री बोले- मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन 2027 में होगी शुरू, शिलफाटा-घनसोली के बीच सुरंग का काम हुआ पूरा

मुंबई, एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भारत की अर्थव्यवस्था के लिए उसी तरह से 'लाभकारी' साबित होगी, जैसा छह दशक से भी अधिक समय पहले जापान में पहली बार 'हाई स्पीड' ट्रेन सेवा शुरू होने पर हुआ था।

बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए शिलफाटा और घनसोली के बीच 4.88 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का कार्य शनिवार सुबह पूरा होने के बाद वैष्णव ने संवाददाताओं से यह बात कही। रेल मंत्री ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि सूरत-बिलिमोरा खंड पर 'हाई-स्पीड कॉरिडोर' का पहला चरण दिसंबर 2027 में शुरू हो जाएगा। सुरंग के घनसोली 'शाफ्ट' पर उन्होंने कहा कि टोक्यो, नागोया और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन ने जापान की पूरी अर्थव्यवस्था को कई गुना बढ़ा दिया। इसी तरह, यह परियोजना आणंद, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, वापी और मुंबई को एक एकल आर्थिक गलियारे में एकीकृत करेगी।

बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत शिलफाटा-घनसोली के बीच बनाए गए सुरंग के पास मौजूद केंद्रीय मंत्री अश्विन वैष्णव। एजेंसी

वैष्णव ने कहा कि इससे एकीकृत बाज़ारों का निर्माण होगा और पूरे मार्ग पर आर्थिक विकास में तेजी आएगी, साथ ही ज्ञान हस्तांतरण और आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। उच्च उत्पादकता और व्यावसायिक विस्तार के माध्यम से आर्थिक लाभ शुरुआती निवेश से कहीं अधिक होगा। सुरंग की खुदाई घनसोली और शिलफाटा, दोनों छोर से एक साथ की गई तथा खुदाई दल पानी के नीचे चुनौतीपूर्ण स्थिति में एक-दूसरे की ओर बढ़े थे। यह परियोजना अत्याधुनिक इंजीनियरिंग नवाचारों को प्रदर्शित करती है जिन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है। दो बुलेट ट्रेनों को समायोजित करने के लिए एकल सुरंग तकनीक का उपयोग और पुल निर्माण में 40 मीटर लंबा गाडर लगाना महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियां हैं।

परियोजना में जापानी साझेदारों ने इस तकनीकी नवाचार की दक्षता और डिजाइन उत्कृष्टता की प्रशंसा की है, और कहा कि भारत ने इस संबंध में पर्याप्त जानकारी हासिल कर ली है। वैष्णव ने कहा कि उन्होंने परियोजना की समीक्षा के लिए एक दिन पहले जापान के एक उप मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिस दौरान दोनों पक्षों ने प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि भारत में नवीनतम ई10 शिंकानसेन (जापान की अगली पीढ़ी की बुलेट ट्रेन) शुरू करने पर भी चर्चा हुई। वैष्णव ने बताया कि जापान, भारत को यह उन्नत ट्रेन प्रणाली उपलब्ध कराने को सहमत हो गया है। रेल मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन मध्यम वर्ग के लिए परिवहन का साधन होगी और किराया उचित होगा। उन्होंने कहा कि गूगल मैप एप मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा का समय नौ घंटे दिखाता है, लेकिन बुलेट ट्रेन से लोग यह दूरी दो घंटे सात मिनट में तय कर सकेंगे। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला चरण 2027 में सूरत-बिलिमोरा खंड पर शुरू किया जाएगा।

एनएटीएम का उपयोग कर खोदी गई सुरंग

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के बारे में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने बताया कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घनसोली शाफ्ट पर मौजूद थे, जब नियंत्रित विस्फोट के जरिए यह सफलता हासिल की गई। न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके खोदी गई यह सुरंग, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिलफाता के बीच 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत खंड का हिस्सा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का खंड भी शामिल है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि सुरंग की खुदाई मई 2024 में तीन चरणों में शुरू हुई थी, और 2.7 किलोमीटर के खंड की पहली सफलता नौ जुलाई को मिली थी। घनसोली और शिलफाता दोनों तरफ से खुदाई के लिए अतिरिक्त मध्यवर्ती सुरंग (एडीआईटी) का निर्माण हुआ था। एनएटीएम सुरंग की आंतरिक चौड़ाई 12.6 मीटर है और इसका निर्माण चुनौतीपूर्ण भूवैज्ञानिक परिस्थितियों में ड्रिलिंग, विस्फोट, सर्वेक्षण कार्यों और सहायक प्रणालियों का उपयोग करके किया गया है।

आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल के पांच राज्यों में बारूद घर व रिक्रूटमेंट कैंप बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी

- **झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी**
- **दिल्ली पुलिस के अनुसार साजिशें ही नहीं, बड़े पैमाने पर हमले करने की थी तैयारी**

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हाल ही में जिस आईएसआईएस आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया था उसकी जांच में कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। शुरुआती गिरफ्तारियों के बाद पांच आतंकियों से गहन पूछताछ पर पुलिस टीमों ने झारखंड, महाराष्ट्र, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की है।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बरामद ठिकानों को आईएसआईएस के रिक्रूटमेंट कैंप और विस्फोटक फैक्ट्री बताया है। इन जगहों से मिले रसायन, हथियार, लैपटॉप और गुप्त दस्तावेज़ों से यह साफ हो गया है कि यह गिरोह सिर्फ साजिशें नहीं रच रहा था, बल्कि बड़े पैमाने पर हमले करने की ठोस तैयारी में जुटा था। जांच में सबसे बड़ा खुलासा झारखंड की राजधानी रांची से हुआ। यहां अश्हर उर्फ दानिश नाम का आतंकी 2024 से तबारक लॉज में किरायेदार बनकर रह रहा था। बाहर से वह भले ही एसएससी की तैयारी करने वाला छात्र लगता था, लेकिन पुलिस ने पाया कि उसका कमरा विस्फोटक बनाने का अड्डा बन था। पुलिस को एक किग्रा पोटेशियम नाइट्रेट समेत कई रसायन, बम का सामान व गुप्त दस्तावेज़ मिले। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दानिश बम बनाने में माहिर था। उसने कबूल किया कि वह सोनरेखा नदी के किनारे जाकर बनाए गए विस्फोटकों का परीक्षण करता था।

वह धमाके कर बमों की शक्ति की जांच करता और फिर सबूत मिटाने के लिए उन्हें नदी में फेंक देता था। स्पेशल सेल की जाँच में सामने आया कि दानिश सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर से जुड़ा था। उन्हें इंटरनेट के ज़रिए बम और विस्फोटक तैयार करने की 'क्लास' दी जाती थी। गिरोह ने युवाओं की भर्ती, फंड जुटाने और आतंकी योजनाओं को साझा करने के लिए गुप्त संदेश सेवा पर इंटर्नस इंटरव्यू-बिजनेस आइडिया नाम का एक ग्रुप भी बनाया था।

विहिप ने गरबा में 'केवल हिंदुओं' के प्रवेश की वकालत की, बावनकुले पक्ष में, कांग्रेस नाराज

- **परिषद ने आयोजकों से कहा- प्रवेश के लिए जारी करें आधार कार्ड**

मुंबई, एजेंसी

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शनिवार को कहा कि नवरात्र पर आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रमों में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश दिया जाना चाहिए। उसने आयोजकों को सलाह दी कि वे पहचान के लिए प्रवेश करने वालों के आधार कार्ड की जांच करें।

महाराष्ट्र के मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि आयोजकों को किसी कार्यक्रम में प्रवेश की शर्तें तय करने का अधिकार है, बशर्ते वह पुलिस की अनुमति से आयोजित हो रहा हो। कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि विहिप समाज में आग लगा देना चाहती है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर ने कहा कि गरबा सिर्फ एक नृत्य नहीं है, बल्कि देवी को प्रसन्न करने के लिए की जाने वाली पूजा है। वे (यानी मुसलमान) मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं करते हैं। केवल उन्हीं लोगों को इसमें भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए जो इन अनुष्ठानों में आस्था रखते हैं। विहिप ने गरबा आयोजकों को परामर्श जारी कर उनसे प्रवेश द्वार पर आधार कार्ड की जांच करने एवं प्रतिभागियों को तिलक लगाने का आग्रह किया है और सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रवेश से पहले प्रतिभागी पूजा करें। विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ता इन आयोजनों पर नजर रखेंगे।

समितियों के पास निर्णय लेने का अधिकार : बावनकुले

भाजपा नेता बावनकुले ने कहा कि प्रवेश द्वार पर इस तरह के प्रतिबंध लगाना आयोजन समितियों के अधिकार में है। निर्णायक बात यह है कि आयोजन के लिए पुलिस की अनुमति है या नहीं। आयोजन समितियों को इसके आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए। प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि गरबा हिंदू आयोजन है और दूसरे धर्मों के लोगों को गरबा और देवी की पूजा में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने विहिप के रुख का विरोध करने के लिए शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत की भी आलोचना की। बान ने राउत को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह एक खास समुदाय के वोटों को ध्यान में रखकर इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन लोग उन्हें या उनकी पार्टी को नहीं बख्शेंगे।

विषय विशेषज्ञता और योग्यता केंद्र सरकार की नियुक्तियों का आधार

मुंबई। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा ने शनिवार को कहा कि सरकार ने शासन में बिना शोर-शराबे के सुधार शुरू कर दिए हैं और अब केंद्र सरकार और सरकारी कंपनियों में नियुक्तियां विषय विशेषज्ञता, योग्यता और प्रतिष्ठा के आधार पर की जा रही हैं। मुंबई स्थित आईआईएम में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि वरिष्ठ नौकरशाहों की चयन प्रक्रिया में विश्वसनीय, निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ तरीके से रणनीतिक परिवर्तन एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। कहा, विषय विशेषज्ञता, योग्यता और प्रतिष्ठा अब केंद्र सरकार और सार्वजनिक उपक्रमों में नियुक्तियों का आधार है। ये बदलाव एक दशक से जारी हैं और तेजी से विकसित हो रहे भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए शासन व्यवस्था को धीरे-धीरे नया रूप दे रहे हैं।

जुबिन की मौत की जांच कराएगी सरकार

- **प्रशंसकों ने असामयिक मृत्यु की जांच की मांग को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराईं**

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह को गर्ग की मौत के मामले में राज्य भर में दर्ज कई प्राथमिकियों को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को स्थानांतरित करने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से भी बात की है और गायक की मौत की परिस्थितियों की विस्तृत जांच का अनुरोध किया है। पहली प्राथमिकी 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजक श्यामकानु महंत और गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ मोरीगांव थाने में दर्ज की गई और इसमें आरोप लगाया गया कि वे (आरोपी) 'एक साजिश के तहत जुबीन को गाने के बहाने विदेश ले गए लेकिन उनका मकसद उसे मारना था। उन्होंने बताया कि तब से, राज्य भर में कई प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारे प्रिय जुबीन गर्ग के दुर्भाग्यपूर्ण और असामयिक निधन के संबंध में श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। मैंने पुलिस महानिदेशक को सभी प्राथमिकियों सीआईडी को सौंपने और गहन जांच के लिए एक समेकित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

गुवाहाटी में गायक जुबीन गर्ग को श्रद्धांजलि देते उनके प्रशंसक।

मजदूर महिला की चमकी किस्मत, मिले 8 हीरे

पन्ना (मध्यप्रदेश), एजेंसी

मध्यप्रदेश के पन्ना में मजदूरी करने वाली महिला को एक सप्ताह के भीतर लाखों रुपये मूल्य के आठ बेशकीमती हीरे मिले हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि बड़गड़ी गांव की निवासी रचना गोलदार को मिले आठ हीरो का वजन 2.53 कैरेट है और इनमें छह उच्च गुणवत्ता वाले हैं।

हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि इन हीरों में छह नग जेम्स क्वालिटी के हैं। इनमें सबसे बड़े हीरे का वजन 0.79 कैरेट है। इसके अलावा, दो हीरे का रंग धूमिल है। इन सभी हीरों को महिला ने हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है और इन्हें आगामी नीलामी में रखा जाएगा। इनकी कीमत लाखों में होने का अनुमान जताया।

गोलदार ने खदान क्षेत्र हजारा मुद्दा

में पट्टा लिया था और खुदाई के दौरान उसे यह हीरे मिले हैं। पन्ना में खदान कई लोगों के पास है पर हीरा हर किसी के हाथ नहीं लगता। कुछ लोग तो कई साल से खदान का पट्टा लेकर हीरा खोज रहे हैं, लेकिन उन्हें नहीं मिला। गोलदार के तीन बच्चे हैं। उनके दो बेटे निजी कंपनी में नौकरी करते हैं जबकि उनकी बेटी की शादी हो चुकी है। पन्ना में आठ मीटर लंबाई और चौड़ाई वाली हीरा खदान 200 रुपये प्रति वर्ष के मान से शुल्क देकर ली जा सकती है। यह खदान एक जनवरी से 31 दिसंबर तक मान्य होती है।

दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को बम की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के 100 से अधिक स्कूलों को शनिवार सुबह बम की धमकी मिली जो बाद में तलाश अभियान में फर्जी पाई गईं। पुलिस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि शनिवार सुबह 6.10 बजे ईमेल टेरराइज़र्स111 समूह के नाम से आया था। ई-मेल में कहा गया था कि आपके भवन में बम रखे गए हैं-कदम उठाएं या आपदा का सामना करें। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, सर्वोदय विद्यालय, द्वारका स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और नजफगढ़ स्थित माता विद्या देवी पब्लिक स्कूल समेत 10 स्कूलों के बारे में सूचना मिली थी। जांच के बाद धमकी फर्जी पाई गई।

सुनवाई | केरल हाईकोर्ट ने भीख मांगने वाले पति से भरण-पोषण मांगने वाली महिला की याचिका पर की टिप्पणी

संसाधनहीन मुस्लिम पुरुषों के लिए वर्जित है बहुविवाह

कोच्चि, एजेंसी

केरल हाईकोर्ट ने कहा कि अपनी पत्नियों का भरण-पोषण करने में असमर्थ मुस्लिम व्यक्ति के कई विवाहों को वह स्वीकार नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन ने यह टिप्पणी उस समय की जब पेरिंथलमन्ना की निवासी 39 वर्षीय महिला ने भीख मांगकर गुजारा करने वाले पति से 10,000 रुपये मासिक भरण-पोषण की मांग करते हुए अदालत का रुख किया।

याचिकाकर्ता ने कुटुंब न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसने उसकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि भीख मांगकर गुजारा करने वाले पलक्कड़ के कुम्बाडी के निवासी उसके 46 वर्षीय पति को गुजारा भत्ता देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। कहा कि मामले में याचिकाकर्ता वव्यक्ति की दूसरी पत्नी के अनुसार उसका पति दृष्टिहीन और भिखारी है, फिर भी धमकी दे रहा है कि वह जल्द ही किसी महिला से तीसरी शादी कर लेगा। अदालत ने पाया कि प्रतिवादी को भीख मांगने समेत विभिन्न स्रोतों से 25,000 रुपये की आय हो रही है, जबकि याचिकाकर्ता ने 10,000 रुपये प्रति माह गुजारा भत्ता मांगा है। प्रतिवादी फिलहाल अपनी पहली पत्नी के साथ रहता है। अदालत ने कहा कि वह पत्नी के इस तर्क को स्वीकार नहीं कर सकती कि उसका दृष्टिहीन पति नियमित रूप से उसे पीटता था। अदालत ने कहा,यह सच है कि प्रतिवादी मुस्लिम समुदाय से है और अपने पारंपरिक कानून का लाभ उठा रहा है, जिसके अनुसार उसे दो या तीन बार शादी करने की अनुमति मिली हुई है। जो व्यक्ति दूसरी या तीसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, वह मुसलमानों के पारंपरिक कानून के अनुसार फिर से शादी भी नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि केवल एक भिखारी होने पर उस व्यक्ति की लगातार शादियां मुस्लिम प्रथागत कानून के तहत भी स्वीकार नहीं की जा सकतीं। अदालत ने कहा, मुस्लिम समुदाय में इस तरह की शादियां शिक्षा की कमी और मुसलमानों के पारंपरिक कानून की जानकारी के अभाव के कारण होती हैं। कोई भी अदालत पत्नियों का भरण-पोषण करने में असमर्थ किसी मुस्लिम व्यक्ति की पहली, दूसरी या तीसरी शादी को मान्यता नहीं दे सकती।

100 रुपये की ली रिश्वत, 39 साल बाद किया गया बरी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 39 साल पहले 100 रुपये रिश्वत लेने के मामले में बिल सहायक की अपील स्वीकार करते हुए उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अपीलार्थी को भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धाराओं के तहत रायपुर की निचली अदालत ने नौ दिसंबर 2004 को एक साल की कैद की सजा और एक हजार रुपए जुर्माना लगाया था। हाईकोर्ट में जस्टिस बिभू दत्त गुरु की एकल पीठ ने सुनवाई के बाद नौ सितंबर, 2025 को आरोपी को बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि साक्ष्य, चाहे मौखिक हो, दस्तावेजी हो, या परिस्थितिजन्य हो, रिश्वतखोरी के अपराध के तत्वों को स्थापित करने में अभियोजन पक्ष विफल रहा, इसलिए, निचली अदालत द्वारा दर्ज दोषसिद्धि टिकने योग्य नहीं है। उच्च न्यायालय ने अपील स्वीकार करते हुए अपीलार्थी की दोषसिद्धि और दण्डादेश को निरस्त कर दिया तथा उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

जब लग आश शरीर की,
मिरतक हुआ न जाय
काया माया मन तजै,
चौड़े रहा बजाय

कबीर दास जी कहते हैं, जब तक शरीर की आशा और आसक्ति है, तब तक कोई मन को मिटा नहीं सकता, इसलिए शरीर का मोह और मन की वासना को त्यागकर, शांति से रहना चाहिए।

मृत पितरों को जीवंत जानना, स्मरण करना आह्लादकारी

पूर्वजों पितरों के प्रति श्रद्धापूर्णता राष्ट्रजीवन की श्रद्धा रही है। जीवन की सांझ आ गई है। पक्षी कलरव कर चुके। प्रकृति विश्राम करने जा रही है, लेकिन बूढ़े लोग जीवन की सांझ में अकेले हैं। पुत्र उनकी उपेक्षा करते हैं। अपमान करते हैं। देश में वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन के शिकार हैं। वे उपयोगी नहीं रहे। उपयोगितावाद यूरोप, अमेरिका से यहां आया है। श्रद्धा भाव है और श्राद्ध कर्मकांड। श्रद्धा अंतःकरण का प्रसाद है। प्रसाद आंतरिक आनंद देता है। पतंजलि ने श्रद्धा को चित्त की स्थिरता या अक्षोभ से जोड़ा है। श्रद्धा की दशा में क्षोभ नहीं होता। श्रद्धा की अभिव्यक्ति श्राद्ध है। भारतीय विद्वानों ने भाव को कर्म बनाया। पिता, पितामह और प्रपितामह के लिए अन्न, जल आदि के अर्पण-तर्पण का कर्मकांड बनाया। श्रद्धा है कि अर्पित किया गया भोजन पितरों को मिलता है। वे प्रसन्न होते हैं और संतति को सभी सुख-साधन देते हैं। हम भारतवासी वरिष्ठों, पूर्वजों के प्रति श्रद्धालु रहते हैं। संप्रति पितर पक्ष है। इस समय को पितरों के प्रति श्राद्ध के लिए श्रेष्ठ माना जाता है।

> श्रद्धा कर्म परंपरा पुरानी है और पुनर्जन्म पर विश्वास भी प्राचीन है। ऋग्वेद मं- पुनर्जन्म की चर्चा है, लेकिन संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों को मिलने की धारणा में पुनर्जन्म सिद्धांत का मेल नहीं है। पहले बात साफ थी कि मृतात्माएं श्राद्धकर्म का भोजन पाती हैं। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। उसके सामने ऋग्वेद में पितरों के उल्लेख की समस्या थी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया।

लोकमान्यता है कि इस पक्ष में पूर्वज पितर आकाश लोक आदि से उतरकर धरती पर आते हैं। हम पूरे वर्ष तमाम गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। इसी में 15 दिन पितरों के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के हैं। वैदिक निरूक्त में श्रत और श्रद्धा को सत्य बताया गया है। हम पितृपंक्ति का विस्तार हैं। वे थे, इसलिए हम हैं। उन्होंने हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए तमाम कर्म किए। वे नमस्कारों के योग्य हैं। वे श्रद्धेय हैं।

कुछ विद्वान कहते हैं कि ऐसे कर्मकांड वैज्ञानिक दृष्टिकोण की संगति में नहीं आते। वे अंधविश्वास जान पड़ते हैं, लेकिन कर्मकांड निराधार नहीं होते। सभ्य समाज में पितरों का आदर होना ही चाहिए। श्राद्धकर्म की वैज्ञानिकता की बहस पुरानी है। मत्स्य पुराण (19.2) में प्रश्न है कि श्राद्ध का भोजन पुरोहित या अग्नि को अर्पित होता है, क्या वह मृत पूर्वजों द्वारा खाया जाता है? जो मृत्यु के बाद अन्य शरीर धारण कर चुके होते हैं? इस प्रश्न का उत्तर भी दिया गया है, "पिता, पितामह और प्रपितामह को वैदिक मंत्रों में क्रमशः वसु, रूद्र और आदित्य देव के समान माना गया है। वे नाम परिचय सहित उच्चारण किए गए मंत्रों आहुतियों को पितरों के पास ले जाते हैं। यदि पितर सत्कर्म के कारण देवता हो गए हैं तो वह भोजन आनंद रूप में उनके पास पहुंचता है, पशु हो गए हैं, तो भोजन घास हो जाता है। यदि सर्प जैसे रेंगने वाली योनि में हैं तो यह भोजन वायु आदि के रूप में उन्हें मिलता है।"

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

मत्स्य पुराण के प्रश्न तत्कालीन समाज के जिज्ञासुओं के तर्क हैं। प्रश्नों के उत्तर श्राद्ध समर्थकों के स्पष्टीकरण हो सकते हैं। श्रद्धा कर्म परंपरा पुरानी है और पुनर्जन्म पर विश्वास भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पुनर्जन्म की चर्चा है, लेकिन संतानों द्वारा प्रेषित भोजन पितरों को मिलने की धारणा में पुनर्जन्म सिद्धांत का मेल नहीं है। पहले बात साफ थी कि मृतात्माएं श्राद्धकर्म का भोजन पाती हैं। पुनर्जन्म सिद्धांत के कारण आत्मा के नए शरीर धारण की बात आई। आर्य समाज श्राद्धकर्म के पक्ष में नहीं है। उसके सामने ऋग्वेद में पितरों के उल्लेख की समस्या थी। आर्य समाज ने ऋग्वैदिक पितरों को मृत नहीं माना। उन्हें जीवित वानप्रस्थी बताया।

समस्या शतपथ ब्राह्मण के रचनाकार के सामने भी थी। यहां मंत्र है, 'यह भोजन पिता जी आपके लिए है।' याज्ञवल्क्य की व्यवस्था है, 'वसु, रूद्र और आदित्य हमारे पितर हैं। वे श्राद्ध के देवता हैं। पितरों का ध्यान वसु रूद्र और आदित्य के रूप में ही करना चाहिए।' वृहदारण्यक उपनिषद् में याज्ञवल्क्य ने शाकल्य को रूद्र और वसु का वास्तविक अर्थ समझाया है। यहां पृथ्वी, आकाश आदि वसु हैं। प्राण, इन्द्रियां मन आदि रूद्र हैं। आदित्य प्रकाश हैं। पितर श्रद्धा यहां प्रकृति की शक्तियों के प्रति समर्पित दिखाई पड़ती है।

ऋग्वेद के दसवें मण्डल (सूक्त 14) में मृत पितरों पर रोचक विवरण हैं। कहते हैं 'यम (नियम) व्यवस्था को कोई बदल नहीं सकता, जिस मार्ग से हमारे पूर्वज गए हैं, उसी मार्ग से सभी मनुष्य जाएंगे। अंततः सबको यम के पास जाना ही पड़ता है।' मृत पिता से कहते हैं, 'जिस पुरातन मार्ग से पूर्वज पितर गए हैं, आप भी उसी से गमन करें।' फिर यज्ञ कर्म की चर्चा है। यम से प्रार्थना है, 'आप अंगिरा आदि पितरजनों सहित हमारे यज्ञ में आएं।'

आगे (सूक्त 15) पितरों को नमस्कार निवेदन करते हैं, 'जो पितामह आदि पितर पूर्वज या उसके बाद मृत्यु को प्राप्त पितर हैं, या जो फिर से उत्पन्न हो गए हैं। उन सबको नमस्कार है। इदं पितृभ्यो नमः अस्त्वद्य ये पूर्वासो या उपरास ईयुः।' फिर कहते हैं, 'हे पितरों! हमारे आवाहन पर आप आएं। यज्ञशाला में दक्षिण की ओर कुश में बैठें।' पूर्वजों पितरों का सम्मान और मृत होने के बावजूद उन्हें स्मरण करना आनंददायी है।

उत्तर प्रदेश में विवाह के एक दिन पूर्व महिलाएं लोक गीत गायन करती हैं, गीत में मृत पितरों को निमंत्रण है कि आप सब इस विवाह में आओ। बरात चलो। विवाह में आशीष दो। शास्त्र पुराना है या लोक? कह नहीं सकता। पितरों को निमंत्रण देने वाला लोकगीत पुराना है या ऋग्वेद के पितर सम्बंधी मंत्र? सच क्या है? मैं नहीं जानता पर मृत पितरों को जीवंत जानना, स्मरण करना आह्लादकारी है। कर्मकांड सचेत भी हो सकते हैं और अचेत भी। दोनों ही स्थिति में अनायास कुछ नया घटित हो सकता है। भारतीय चिंतन में सूक्ष्म शरीर का अस्तित्व भी जाना गया है। सूक्ष्म शरीर पर भी प्रश्न उठाए जा सकते हैं। भोजन अर्पण शुद्ध श्रद्धा है। उन्हें मिलता है कि नहीं? ऐसे प्रश्न महत्वपूर्ण होकर भी श्रद्धा के सामने छोटे हैं। हम स्वाभाविक ही पूर्वजों की निंदा में क्रोध करते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने इसी विषय पर सुंदर उदाहरण सुनाया था। कथा के अनुसार एक श्रद्धालु पितृ श्राद्ध कर रहे थे। तार्किक ने पूछा कि क्या यह भोजन उन्हें ही मिलेगा? श्रद्धालु ने प्रश्नकर्ता के पिता को गाली दी। प्रश्नकर्ता गुस्से में आ गया। श्रद्धालु ने कहा कि आप बेकार गुस्से में हैं। आपके पिता तक यह गाली तो पहुंची ही नहीं। वे मृत हैं, इसलिए गाली उन्हें मिल भी नहीं सकती। प्रश्नकर्ता निरूत्तर थे। श्राद्ध श्रद्धा की ही अभिव्यक्ति है।

श्रद्धा प्रगाढ़ भाव है। यह अंधविश्वास नहीं है। इसकी अपनी उपयोगिता है। श्रद्धालु विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य नहीं खोते। ऋग्वेद में श्रद्धा को देवता कहा गया है। वरिष्ठजनों के प्रति आदरभाव श्रेष्ठ सामाजिक संगठन की आधारशिला है। वरिष्ठ और पूर्वज हमसे पहले से इस संसार में हैं। उनके अनुभव प्रगाढ़ हैं। माथा-पच्ची बेकार है कि वे भोजन या सम्मान चाहते हैं कि नहीं चाहते। मूल बात यही है कि हम उन्हें सम्मान और श्रद्धा भाव देकर स्वयं का आत्मबल बढ़ाते हैं और सामाजिक कर्तव्य का निर्वहन करते हैं।

संप्रति वरिष्ठों का सम्मान घटा है। मृत माता-पिता के प्रति श्रद्धा दूर की बात है, जीवित माता पिता भी फफक रहे हैं। श्राद्ध सामान्य कर्मकांड नहीं है। हमारे पूर्वजों ने ही सुंदर समाज के लिए ऐसे सुंदर कर्मकांड को गढ़ा है। इस कर्मकांड में स्वयं के भीतर पूर्वजों के प्रवाह का पुनर्सृजन संभव है। अग्रजों, मार्गदर्शक, पूर्वजों और मंत्रद्रष्टा पितरों को नमस्कार करते मन नहीं अघाता। ऋग्वेद के ऋषि ने सही गाया है- इदं नमः ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृभ्यः।

नक्सल समस्या से मुक्ति की ओर बढ़ता देश

भारत को नक्सलियों से मुक्त कराने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू किया गया अभियान मार्च 2026 से पहले ही खत्म हो सकता है। एक के बाद एक बड़े नक्सलियों के मुठभेड़ में मारे जाने से डरे नक्सली खुद सरकार से वार्ता करना चाहते हैं और आत्मसर्पण करने को तैयार हैं। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही बड़े पैमाने पर नक्सली हथियार डाल देंगे। सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, ड्रोन आदि तकनीक के सहारे मोदी सरकार ने नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार किया है।

दिग्विजय सिंह
कानपुर

2025 में ही दो सौ से अधिक हार्डकोर नक्सली सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। इनमें एक करोड़ रुपये के इनामी नक्सली भी शामिल हैं। नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सरकार नक्सलियों और उनके समर्थकों के ताबूत में आखिरी कील ठोकने में जुटी हुई है। इससे नक्सली डरे हुए हैं। यही वजह है कि पहली बार उन्होंने सरकार से वार्ता करने और एक माह तक सुरक्षा बलों के अभियान को रोकने का आग्रह किया है। 2014 में 106 जिले नक्सल प्रभावित थे। इनमें 35 जिलों में सबसे ज्यादा हिंसा होती थी, लेकिन अब हिंसाग्रस्त जिलों की संख्या सिर्फ छह बची है। 2024 में विभिन्न मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने 2089 नक्सलियों को मार गिराया। सात सौ से ज्यादा ने आत्म समर्पण कर दिया था।

> 2025 में दो सौ से अधिक हार्डकोर नक्सली सुरक्षा बलों के साथ मुढभेड़ में मारे जा चुके हैं। नक्सल मुक्त भारत अभियान के तहत सरकार नक्सलियों और उनके समर्थकों के ताबूत में आखिरी कील ठोकने में जुटी है। पहली बार उन्होंने सरकार से वार्ता करने और एक माह तक सुरक्षा बलों के अभियान को रोकने का आग्रह किया है।

सुरक्षा बल लगातार नक्सलियों के गढ़ों में छापेमारी कर रहे हैं। जंगलों में उनकी लोकेशन पता करने के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है। डॉग स्क्वाड भी इस अभियान में मददगार साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि नक्सलियों द्वारा बिछाई जाने वाली लैंड माइन्स का पहले ही पता लगा लिया जा रहा है। हर हमले में नाकाम हो रहे नक्सली, इसीलिए अब हथियार छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने को मजबूर हो गए हैं। सरकार भी आत्मसमर्पण की स्थिति में उनके पुनर्वास की व्यवस्था करेगी।

सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय प्रवक्ता अभय ने तो बाकायदा प्रेस नोट जारी कर सरकार से वार्ता की मेज पर आने की अपील की है और कहा है कि हम बातचीत को तैयार हैं। उनका संगठन हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर जनसमस्याओं के समाधान के लिए जन संघर्ष को आगे बढ़ाएगा, हालांकि अभय का जो पत्र वायरल हो रहा है, उसमें यह भी लिखा है कि सरकार एक माह के लिए अपने अभियान को बंद करे, ताकि शांति वार्ता हो सके। पत्र में कहा गया है कि 2025 मार्च से उनकी पार्टी सरकार के साथ शांति वार्ता को लेकर गंभीर और ईमानदारी के साथ प्रयास कर रही है। इससे पहले भी अभय कई पत्र लिख चुके हैं। उधर, छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ने भी कहा है कि अगर नक्सली आत्मसमर्पण करते हैं तो वे उनके पुनर्वास की व्यवस्था करेंगे। यहां गौर करने वाली बात यह है कि बंदूक के बल पर अपनी बात मनवाने वाले नक्सली यूं ही सरकार से वार्ता के लिए तैयार नहीं हुए हैं। सरकार ने कहा है कि मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद को खत्म किया जाएगा।

क्राइंग क्लबः चलो रोने चलते हैं!

मुंबई की लाइफ वैसे ही एक बड़ा ड्रामा है- ट्रैफिक, एक्स की यादें, ऑफिस की डेडलाइन और मकान मालिक की रोज की धमकियां, लेकिन अब शहर में एक नया सवाल चलन में हैः "भाई, रोने चलोगे?" सुनने में फनी लगता है न? मगर खार में खुला 'द क्राइंग क्लब' इस सवाल को बिल्कुल सीरियसली लेता है। यहां पैकेज डील में मिलता है- दिल खोल कर रोना, टिशू पेपर, गरमागरम चाय और बैकग्राउंड में मधुर म्यूज़िक।

असल में यह आइडिया जापान से आया है। वहां रुइकात्सु नाम का ट्रेंड है, जिसका मतलब है 'आंसू ढूंढना'। जापानी लोग मूवी, गाने या कहानियां ढूंढते हैं, ताकि रो सकें। उनका मानना है कि आंसू शरीर और दिमाग के लिए डिटॉक्स हैं। अब भारत जैसे इमोशनल देश में, जहां शादियों की विदाई पर खूब आंसू बहाए जाते हैं, वहां अगर क्राइंग क्लब पॉपुलर हो जाएं तो क्या हैरानी! सूरत ने तो 2017 में ही हेल्दी क्राइंग क्लब शुरू कर दिया था। उसके बाद दिल्ली और बेंगलुरु ने भी ट्रेंड पकड़ा और अब मुंबई भी आंसुओं के इस सफर में शामिल हो गया है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

क्लब का माहौल बिल्कुल अलग है। सोचिए- एक डिम लाइट वाला कमरा, बैकग्राउंड में धीमा गाना, चाय की प्यालियां और अजनबी जो जज करने नहीं, सिर्फ़ सुनने आए हैं। यहां कोई यह नहीं पूछेगा, "इतना क्यों रो रहे हो? मर्द हो या बच्चे?" बल्कि हर कोई यही कहेगा, "आओ, जरा रो लो बाद में हल्का महसूस करोगे।"

अब जरा साइंस की तरफ़ आते हैं। दरअसल, रोना कोई ड्रामा नहीं, बल्कि असली हेल्थी हैक है। जब आप रोते हैं, तो स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल कम होता है। मूड-लिफ्टर एंडोर्फिन एक्टिवेट होता है और अगर किसी के सामने रोते हैं तो रिश्तों में भरोसा बढ़ता है। आंसुओं में मौजूद लाइसोजाइम बैक्टीरिया को भी मारता है और सबसे प्यारा बोनस, रोने के बाद नींद मजेदार आती है। कुल मिलाकर आंसू सिर्फ इमोशनल नहीं, बल्कि मेडिकल बेनिफिट्स भी रखते हैं।

दिक्कत यह है कि हमारे समाज में रोने पर टैबू है। बचपन से ही यही लाइन सुनाई जाती है, "रोया मत करो, आंसू कमजोरी की निशानी हैं।" क्राइंग क्लब इस सोच को सीधी चुनौती देते हैं। ये कहते हैं, अपना मुखौटा बाहर छोड़ो, अंदर आकर आंसू बहाओ।

इस ट्रेंड का फ्यूचर भी बड़ा इंटरेस्टिंग हो सकता है। कंपनियां-कॉर्पोरेट क्राइ डे ऑफर करें, जहां पूरी टीम मिलकर रोए। कोई स्टार्टअप क्राइंग ऐप बना दे, जिसमें वर्चुअल आंसू भेजे जाएं और गिफ्ट में डिजिटल टिश्यू मिले और कौन जानता है, आगे चलकर शादी हॉल्स की तरह क्राइंग हॉल्स भी बुक होने लगें।

कभी-कभी सबसे बहादुरी भरा काम यही होता है कि आप अपने आंसुओं को बहने दें। क्राइंग क्लब हमें यही याद दिलाते हैं कि रोना शर्म नहीं, बल्कि इंसान होने की सबसे प्यारी क्वालिटी है। तो अगली बार जब कोई दोस्त कहे, "चल मूवी देखते हैं", तो आप मजाक में ही सही, यह भी कह सकते हैं, "चल रोने चलते हैं?"

सऊदी-पाक समझौता और भारत

सऊदी-पाक रक्षा समझौता भारत के लिए न सिर्फ नई सुरक्षा चुनौतियां पैदा करता है, अपितु भारत के लिए खाड़ी देशों को लेकर नए चिंतन की पृष्ठभूमि भी तैयार की है। संबंधों के साथ भविष्य में उभरने वाले खतरों पर भारत को फिर से विचार करना होगा। यह रणनीतिक और सुरक्षा दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। सऊदी के साथ भारत के संबंध पहले से बेहतर हैं, लेकिन समझौते के अनुसार, किसी एक देश पर हमला दोनों पर हमला माना जाएगा। भविष्य में किसी आतंकी घटना के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर सऊदी अरब से संबंधों का ख्याल रखना पड़ेगा। पाकिस्तान की ओर से किसी प्रॉक्सी वॉर या आतंकी वारदात के विरोध में भारत कार्रवाई करता है, तो सऊदी अरब का क्या रुख होगा, यह गंभीर प्रश्न है। भारत और खाड़ी देशों पर नजर रखने वाले विशेषज्ञ ऐसा ही मानते हैं। समझौते से पाकिस्तान को सऊदी अरब की पूरी न सही, लेकिन सुरक्षा गारंटी जरूर मिली है, इससे पाकिस्तान का मनोबल बढ़ सकता है। वह भारत के खिलाफ आक्रामकता या घुसपैठ की गतिविधियों के लिए नए सिरे से खड़ा होने का प्रयास करेगा।

> भारत-सऊदी अरब के तटस्थ संबंधों पर पाक-सऊदी समझौते के तत्काल नकारात्मक असर की आशंका कम है, लेकिन ये पाकिस्तान की आंतरिक कमजोरी और सऊदी अरब की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। इससे भारत को सतर्क रहना होगा।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

यह भारत ही नहीं एशिया महाद्वीप के सैन्य संतुलन के लिए भी अहम हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सऊदी अरब की 'परमाणु बीमा' जैसी सुरक्षा पाकिस्तान के जरिए सुनिश्चित होती है, जिससे सऊदी अरब भी क्षेत्रीय गठजोड़ मजबूत कर रहा है। कूटनीतिक और रणनीतिक तौर पर भारत-सऊदी अरब के तटस्थ संबंधों पर तत्काल नकारात्मक असर की आशंका कम है, लेकिन समझौता पाकिस्तान की आंतरिक कमजोरी और सऊदी अरब की महत्वाकांक्षा को दर्शाता है, जिससे भारत को सतर्क रहना होगा। गौर करना होगा कि पाकिस्तान इस सहयोग को भारत विरोधी मकसद के लिए इस्तेमाल न करे।

भारत को अपनी पाक नीति के साथ-साथ अरब देशों के साथ संबंधों का परीक्षण करना होगा। समझौता भारत के लिए अतिरिक्त सतर्कता का संकेत है। भविष्य में सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक संबंधों के मद्देनजर नीतिगत बदलावों की संभावना को और बल देता है। स्वाभाविक है कि समझौते के बाद पाकिस्तान, सऊदी अरब से आर्थिक और सैन्य सहयोग से अपनी सेना व रक्षा तैयारियों को बेहतर बनाने का प्रयास करेगा। जानकारों का कहना है कि यह डील इस्लामिक नाटो जैसी है, जो पाकिस्तान के जिहादी संगठनों और उसकी रणनीति को और प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे भारत के लिए सीमावर्ती इलाकों में खतरा बढ़ सकता है।

भविष्य में अगर भारत को पाकिस्तान के क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक या सैन्य कार्रवाई करनी पड़ती है, तो सऊदी अरब उस पर राजनीतिक, कूटनीतिक या आर्थिक दबाव बना सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, आतंकी संगठनों या सीमित झड़पों पर सऊदी सैन्य दखल की संभावना बेहद कम है। हां, पाकिस्तान के लिए सऊदी सैन्य संसाधनों, हथियारों और फंडिंग के रास्ते खुल सकते हैं, जिससे भारत के लिए चुनौती बढ़ सकती है। समझौते से भारतीय कूटनीतिक हलकों में चिंता है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने में सक्षम है।

भारत को अरब देशों के साथ संतुलन और नए सामरिक गठजोड़ों पर भी ध्यान देना होगा, ताकि इस समीकरण का तोड़ निकाला जा सके। यह समझौता पाकिस्तान के लिए एक सुरक्षा कवच और भारत के लिए रणनीतिक चुनौती का संकेत है, लेकिन यह कोई सीधे सैन्य टकराव की गारंटी नहीं देता, फिर भी, इससे भारत को अपनी सुरक्षा, कूटनीति और सैन्य नीति को सजग रखना होगा।

यह रक्षा समझौता वैश्विक शक्ति, संतुलन, मध्य-पूर्व की राजनीति, इस्लामी देशों की सुरक्षा सोच और पश्चिमी देशों की भूमिका, इन सभी क्षेत्रों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। केवल दक्षिण एशिया ही नहीं, बल्कि मध्य-पूर्व, पश्चिम और इस्लामिक दुनिया के सामरिक संतुलन को भी प्रभावित कर सकता है। भारत, ईरान, इजरायल और अन्य पड़ोसी देशों के प्रति शक्ति संतुलन बदल सकता है, क्योंकि पाकिस्तान को सऊदी की सुरक्षा गारंटी मिल गई है और सऊदी अरब को पाकिस्तान जैसे परमाणु-सम्पन्न देश की सैन्य क्षमताओं का समर्थन। कतर या यमन में चल रहे संघर्ष पर भी इसका अप्रत्यक्ष असर देखने को मिल सकता है।

परेशान नहीं, शान से जिंदगी बिताने को मिला है ये जीवन

हर मनुष्य को यह जरूर समझना चाहिए कि जीवन शान से जीने के लिए मिला है, न कि परेशान हाल होकर जीने के लिए। शान से जीने के लिए सदाचरण की जरूरत पड़ती है। सदाचार की नींव बचपन से ही जब पड़ जाती है, तो वह बेहतर होता है। शुरुआत अच्छी होती है तो अंत भी अच्छा होता है। घर के बड़े सदस्यों, माता-पिता आदि को चाहिए कि वे ऐसा आचरण न अपनाएं, जिससे छोटी उम्र के बच्चों पर गलत असर पड़े।

सलिल पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार

प्रथमतः प्रायः अधिकांश लोग निजी हित के लिए झूठ बोलते है। घर में रहते हुए बाहर से मिलने आए किसी व्यक्ति के लिए छोटे बच्चों से कह देते हैं, "जाओ, कह दो पिताजी नहीं हैं।" बच्चा पिता की आज्ञा मानकर कह देता है कि पिता जी घर में नहीं हैं, लेकिन बच्चे के मन में यहीं से झूठ बोलने की आदत पड़ने लगती है।

प्रायः घर के बड़े-बुजुर्ग परिवार के छोटे सदस्यों की आलोचना करते हैं और अनुशासन-हीन होने का आरोप लगाते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि घर के बड़े सदस्यों में ही खामियां ज्यादा होती हैं, उसी का अनुकरण छोटे सदस्य करते हैं। परिवार में अनुशासन कायम रहे, इसके लिए बड़े सदस्यों को खुद अनुशासित होना पड़ेगा।

यहां यह उद्धरण प्रासंगिक है कि गांधी जी के पास एक महिला गई और अपने बच्चे की शिकायत करने लगी कि वह गुड़ बहुत खाता है। गांधी जी ने चार दिनों बाद उस महिला को बच्चे सहित बुलाया। जब चार दिनों बाद वह महिला बच्चे के साथ गांधी जी के पास आई तो गांधी जी ने कहा, "बेटा गुड़ मत खाया करो"। इतना कहकर उस महिला से कहा, "जाओ"। महिला प्रश्नवाचक भाव से गांधी जी की ओर देखने लगी और बोली, "जब इतना ही कहना था, तो उसी दिन कह देते?" गांधी जी ने जवाब दिया, "उस दिन मैं खुद अधिक खाता था। पहले मैंने गुड़ खाना छोड़ा तब इस बालक से कहा कि गुड़ मत खाओ।"

गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में 'वृथा न होय देव ऋषि वाणी' चौपाई में भी उल्लिखित है कि उन्हीं लोगों की वाणी प्रभावी होती है, जिनका खुद पर आत्म-नियंत्रण रहता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति को पहले खुद का आचरण उत्तम बनाना होगा, क्योंकि अनुचित जीवन जीने वाले व्यक्ति का प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है।

दस फीसदी महिलाएं ही अपने शहर में खुद को पाती हैं सुरक्षित

हाल ही में जारी राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट एवं सूचकांक 2025 के मुताबिक दिल्ली के साथ-साथ पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची को महिलाओं ने सबसे असुरक्षित करार दिया है। भारत के अलग-अलग शहरों में महिलाओं की सुरक्षा और उन पर खतरों को लेकर बनने वाली इस सालाना रिपोर्ट में कोहिमा, विशाखापट्टनम, भुवनेश्वर, आइजोल, गंगटोक, ईटानगर और मुंबई को सबसे सुरक्षित माना गया है। दूसरी तरफ पटना, जयपुर, फरीदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, श्रीनगर और रांची को सबसे असुरक्षित माना गया है। ये आंकड़े कुछ दिन पहले जारी 2025 के एक सर्वे पर आधारित हैं, जिनमें 31 शहरों का सर्वे किया गया था।

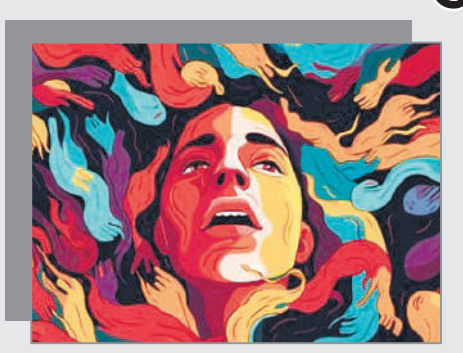

मनोज कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

यहां पर महिलाओं से बात करके यह पूछा गया था कि वे इन शहरों में अपने आपको कितना महफूज महसूस करती हैं? यह सर्वे राष्ट्रीय महिला आयोग ने जारी किया है और कुछ विश्वविद्यालयों व कुछ संगठनों ने मिलकर इसे पूरा किया है। सर्वे के कुछ और आंकड़ों को देखें, तो 24 बरस से कम उम्र की महिलाएं सबसे अधिक खतरे में हैं और इस आयु वर्ग 14 फीसदी ने किसी न किसी तरह का शोषण बताया है। ऐसी घटनाओं पर महिलाओं की प्रतिक्रिया भी समझने की जरूरत है। 28 फीसदी महिलाओं ने हमलावर या शोषण करने वाले का सामना किया। 25 फीसदी घटनास्थल को छोड़कर चली गईं। 21 फीसदी ने भीड़ के बीच जाकर अपनी सुरक्षा की और 20 फीसदी ने पुलिस या अधिकारियों तक इसकी शिकायत की। शिकायत करने वाली महिलाओं में से कुल एक चौथाई को यह भरोसा है कि उनकी शिकायत पर कार्रवाई होगी।

महिलाओं में से आधी से अधिक को इस बात की पक्की जानकारी नहीं है कि उनके कामकाज की जगह पर यौन शोषण के खिलाफ कोई नीति लागू है, या नहीं। ऐसे और भी बहुत से आंकड़े इस सर्वे से सामने आए हैं और अलग-अलग प्रदेशों या शहरों को या विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों को अपने-अपने इलाकों के बारे में अधिक खुलासे से समझना चाहिए और कुछ करना चाहिए। यह राष्ट्रव्यापी सूचकांक 31 शहरों की 12,770 महिलाओं पर की गई रायशुमारी पर आधारित है। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा स्कोर 65 फीसदी रखा गया है और शहरों को उक्त मानक से 'काफी ऊपर', 'ऊपर', 'समान', 'नीचे' या 'काफी नीचे' श्रेणियों में बांटा गया है। सूचकांक में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले कोहिमा और विशाखापत्तनम जैसे शहरों के अच्छे प्रदर्शन के पीछे मजबूत लैंगिक समानता, नागरिक भागीदारी, पुलिस व्यवस्था और महिला-अनुकूल बुनियादी ढांचे का हाथ बताया गया है।

सर्वेक्षण में शामिल 10 में से छह महिलाओं ने अपने शहर में 'सुरक्षित' महसूस करने की बात कही, लेकिन 40 प्रतिशत ने अब भी खुद को 'उतना सुरक्षित नहीं' या 'असुरक्षित' माना। सात प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि 2024 में उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। 24 साल से कम उम्र की महिलाओं के मामले में यह आंकड़ा 14 प्रतिशत पाया गया। सर्वेक्षण में आस-पड़ोस (38 प्रतिशत) और सार्वजनिक परिवहन (29 प्रतिशत) को उन जगहों के रूप में चिह्नित किया गया, जहां महिलाओं को अधिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। इसमें पाया गया कि सिर्फ हर तीन में से एक पीड़ित ही उत्पीड़न की घटनाओं की शिकायत करने के लिए आगे आती हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि रात में सुरक्षित महसूस करने की धारणा में भारी गिरावट आई है, खासकर सार्वजनिक परिवहन में और मनोरंजन स्थलों पर। इसमें पाया गया है कि शैक्षणिक संस्थानों में 86 फीसदी महिलाएं दिन में सुरक्षित महसूस करती हैं, लेकिन रात में या परिसर के बाहर वे अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता में घिरी रहती हैं। महिलाएं जहां अपने आपको सबसे अधिक असुरक्षित पाती हैं, उनमें दो शहर ध्यान खींचते हैं, जयपुर और दिल्ली।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

प्रियंका : छोटे कस्बे की बड़ी आर्टिस्ट

पिछले दिनों अयोध्या में आयोजित पूर्वांचल ब्यूटी अवार्ड शो में सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट अवार्ड से सम्मानित प्रियंका जायसवाल ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभाएं केवल शहरों और कुछ परंपरागत घरानों से ही नहीं उभरतीं। छोटे से कस्बे बृजमनगंज की बहू प्रियंका जायसवाल ने सिलेब्रिटी मेकअप की दुनिया में मुकाम हासिल कर न केवल बृजमनगंज, बल्कि जनपद महराजगंज (उत्तर प्रदेश) का मान बढ़ाया है। प्रियंका जायसवाल के खाते में मेकअप अचीवमेंट के ढेर सारे अवार्ड हैं। उन्होंने कभी इसका गुमान नहीं किया। वे सुर्खियों में अयोध्या के एक होटल में आयोजित बड़े ब्यूटी अवार्ड शो में परिधि शर्मा के हाथों मिले अवार्ड के बाद आईं। परिधि शर्मा मशहूर टीवी आर्टिस्ट हैं। टीवी सीरियल जोधा अकबर में वे जोधा की भूमिका में थीं।

-यशोदा श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार

अभिनेत्री परिधि शर्मा के साथ प्रियंका

छात्राओं के साथ प्रियंका

प्रियंका जायसवाल को अपने हाथों अवार्ड देते वक्त, उन्होंने कहा कि वे जानती हैं कि ब्यूटीशियन कितनी मेहनत से इस मुकाम तक पहुंचती हैं। जोधा के रूप में मेरी कामयाब रोल के पीछे प्रियंका जैसी ही मेहनती और अपनी कला में पारंगत कोई ब्यूटीशियन ही हैं, जिसने अपनी मेकअप आर्ट के हुनर से मुझे जोधा के रूप में प्रस्तुत किया। प्रियंका जायसवाल अब एक कामयाब सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट हैं। गोरखपुर की रहने वाली प्रियंका को यह हुनर उनकी मां से हासिल हुआ, जो एक ब्यूटीशियन थीं। अब वे अपने ससुराल बृजमनगंज में रह रही हैं। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के इस छोटे कस्बे में उनका एक शानदार मेकअप स्टूडियो है, जहां वे बच्चियों को ट्रेनिंग भी देती हैं। वे अपनी कामयाबी की श्रेय पति गौरव जायसवाल और अपने सास-ससुर को देती हैं। कहती हैं कि मां से मिला यह हुनर फ्लॉप हो जाता यदि ससुराल में प्रोत्साहन न मिलता। उनका यह भी मानना है कि प्रतिभाओं को यदि सहारा न मिले तो वे धरी रह जाती हैं। कहती हैं कि चूंकि वे ब्यूटीशियन हैं इसलिए तमाम जगहों पर ऑफर मिलने पर जाना पड़ता था। इसी आने-जाने में उनकी मुलाकात बस्ती की रहने वाली कविता श्रीवास्तव से हुई। वे एक सुप्रसिद्ध इवेंट मैनेजर हैं। बड़े-बड़े सेलिब्रिटीज के कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं। प्रियंका कहती हैं कि उन्हें इस दुनिया में आगे बढ़ने की सीख उन्हीं से मिलीं, उन्होंने ही मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया। मैं उनकी हृदय से आभारी हूं। सदैव रहूंगी। प्रियंका जायसवाल को इससे पहले भी कई अवार्ड मिल चुके हैं। इसके पहले 2024 में लखनऊ में आयोजित एक्सीलेंस अवार्ड समारोह में मशहूर सिने स्टार अमीषा पटेल के हाथों मेकअप आर्टिस्ट अवार्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। इसके पहले भी विभिन्न समारोहों में वे तमाम हस्तियों के हाथों सम्मानित हो चुकी हैं, जिसमें मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब, अनुराग आर्यवर्धन, सियमा चंद्रा आदि के हाथों मिला अवार्ड शामिल है। प्रियंका कहती हैं कि पिछले आठ सालों में उन्होंने 25-30 इवेंट में हिस्सा लिया, जहां उन्हें सिने और टीवी की दुनिया के मशहूर शख्सियतों के हाथों सम्मानित होने का सौभाग्य हासिल हुआ है।

फिल्म समीक्षा

कॉमेडी और इमोशन्स का कॉकटेल जॉली एलएलबी-3

जैसा कि ट्रैलर से अनुमान किया था फिल्म वैसी ही जबरदस्त निकली। इस फिल्म में दो नहीं, बल्कि चार हीरो हैं। अक्षय कुमार, अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला और लेखक-निर्देशक सुभाष कपूर। तीन हीरो तो सबको दिखेंगे, लेकिन चौथे को बहुत कम लोग जानते हैं। मुझे पूरा विश्वास था चौथे पर, जो एकदम खरे उतरे। जॉली फ्रेंचाइजी को उन्होंने गंभीर रूप से लिया है। सिर्फ पैसा बनाना उनका मकसद नहीं।

निर्देशक सुभाष कपूर ने अपनी एक शैली बना ली है, इंटरवल तक टाइमपास करो, फिर अपनी बात इतनी जबरदस्त तरीके से कहो कि दर्शकों के दिल तक जाए। जॉली एलएलबी 3 के तीन मुख्य स्तंभ, बेहतरीन निर्देशन, मजबूत पटकथा और शानदार अभिनय हैं। फिल्म में कोई नाच-गाना नहीं, बस एक बैकग्राउंड सॉन्ग है, जो अच्छा लगता है। अमीर बिजनेसमैन के रूप में गजराव राव और वकील राम कपूर का अभिनय शानदार है। नब्बे के दशक के हीरो अक्षय कुमार ने जो रोल किया है वैसा रोल शायद अन्य कोई सुपरस्टार नहीं कर सकता। अरशद वारसी कितने बेहतरीन एक्टर हैं, ये उन्होंने क्लाइमैक्स में एक बार फिर से साबित किया है। फिल्म में हुमा कुरैशी और अमृता राव के लिए कुछ खास नहीं था। सीमा विश्वास के हिस्से में कुछ अच्छे दृश्य आए, जिसे उन्होंने बिना कुछ बोले बेहतरीन बनाया है। फिल्म में कॉमेडी है, इमोशन है, सोशल मैसेज है, जो इस फ्रेंचाइजी की पहचान है और इसमें भी बरकरार है। अच्छी स्क्रिप्ट क्या होती है, उसकी मिसाल है ये फिल्म। अच्छी फिल्म देखने के शौकीन हैं तो अवश्य देखिए।

- गोविंद परिहार

एक नए अंदाज की सीरीज

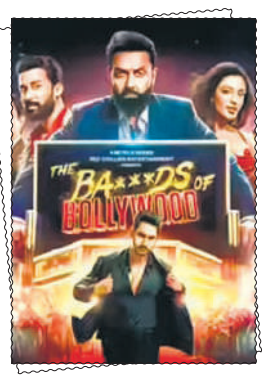

शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान के लेखन-निर्देशन व रेडचिली एंटरटेनमेंट तले नेटफ्लिक्स के लिए बनी 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज आर्यन खान के अपने पिता से अलग सचमुच वर्सेटाइल क्रिएटर होने की निशानी है। आर्यन चाहते तो बाकी एक्टर के बेटों की तरह किसी प्रेमकहानी से आगाज कर सकते थे, मगर उन्होंने लेखन निर्देशन की कठिन राह चुनी। यह वर्तमान पीढ़ी कैसे पिछले पचास बरसों वाली पीढ़ियों से हटकर है। इसका उदाहरण है यह सीरीज है। सीरीज के देखकर ऐसा लगता है मानो आर्यन ने जो देखा बस उन्हीं स्मृतियों को रचा दिया है।

सात एपिसोड की इस सीरीज में लक्ष्य लालवानी मुख्य हैं, जो आसमान सिंह की भूमिका में हैं और स्टार बनने बॉलीवुड पहुंचे हैं। बॉबी देओल अजय तलवार बने हैं, जिनकी बेटी करिश्मा तलवार (साहेर बांभा) हीरोइन बनी हैं। करण जौहर सीरीज में एक खास अदा में मिलते हैं और छा जाते हैं। आमिर, सलमान, अर्जुन आदि अनेक सितारे केमियो करते सीरीज में नजर आएंगे। पहले ही एपिसोड में यह इंडस्ट्री कितनी निर्मोही व स्वकेन्द्रित या खुदगर्ज है। इसका उदाहरण देखने को मिल जाता है, जहां बॉडी डबल एक एक्शन शॉट के कारण घायल पड़ा है और सबको फिक्र 'शॉट कैसे पूरा होगा' की है, न कि उसके ईलाज की। सीरीज जहां फिल्म इंडस्ट्री के बेदर्द होने को बताती है वहीं नेपोटिज्म पर भी खुलकर इजहार करती है। सीरीज में बाहर से आए स्ट्रगलर और नेपोटिज्म के जरिए प्लांटेड अभिनेता-अभिनेत्री का फर्क आप महसूस कर सकते हैं। अकबर इलाहाबादी ने कहा था कि 'जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो' यानी हिंसा का जवाब क्रिएटिवली दिया जाना चाहिए। इसमें समीर वानखेड़े नामक अधिकारी का हमशक्ल भी है। यह शायद उस अधिकारी की आर्यन द्वारा महसूस की गई मानसिकता को जवाब है, एक क्रिएटिव जवाब।

- अरविंद सिंह अशिया

ऑस्कर की रेस में शामिल हुई 'होमबाउंड'

भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी और गर्व की न्यूज सामने आई है। फिल्म स्टार ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर 2026 में भारत की ओर से ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि फिल्म अभी तक भारत में रिलीज भी नहीं हुई है और उससे पहले ही यह सफलता हासिल कर चुकी है। फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया (एफएफआई) ने बीते शुक्रवार को घोषणा की है कि इस साल इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए भारत की तरफ से 'होमबाउंड' को भेजा जाएगा। यह खबर सामने आते ही फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई।

फिल्म फेस्टिवल्स में मिला शानदार रिस्पॉन्स

इस फिल्म के निर्देशक नीरज घायवान ने पहले भी नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता है। इस फिल्म को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है, जिसमें ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म भारत में 26 सितंबर को रिलीज होगी, लेकिन फिल्म को पहले ही दुनिया के बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में दिखाया जा चुका है। 'होमबाउंड' की स्क्रीनिंग कान्स फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुई, जहां इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला। टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में इसे पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड में दूसरा स्थान मिला। यहां तक कि दर्शकों ने फिल्म खत्म होने के बाद पूरे 9 मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाईं, जो भारतीय फिल्मों के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

2026 ऑस्कर शेड्यूल जारी

अब सबकी निगाहें ऑस्कर पर टिकी हैं। दो महीने बाद यानी 16 दिसंबर 2025 को एकेडमी की ओर से इंटरनेशनल फीचर फिल्मों की लंबी लिस्ट जारी की जाएगी। इसके बाद 22 जनवरी 2026 को टॉप 5 फिल्मों का ऐलान होगा। फाइनल अवॉर्ड नाइट 15 मार्च 2026 को लॉस एंजिल्स के डॉल्बी थिएटर में आयोजित की जाएगी। 'होमबाउंड' फिल्म एक इमोशनल कहानी है, जो उत्तर भारत के एक छोटे से गांव पर बनी है। फिल्म में दोस्ती, संघर्ष और रिश्तों की खूबसूरत झलक दिखाई गई है। एक्टर ईशान खट्टर की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। समीक्षकों का मानना है कि यह उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस है। फिल्म में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने भी अपने रोल को बखूबी निभाया है।

छावा और विक्की कौशल संग रिश्ते पर बोले अनुराग

डायरेक्टर अनुराग कश्यप अक्सर अपने बयानों के लेकर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर अनुराग फिल्म 'छावा' को लेकर चर्चा में हैं। अनुराग का कहना है कि उन्हें फिल्म 'छावा' पसंद नहीं आई। साथ ही उन्होंने एक्टर विक्की कौशल संग अपने बदले रिश्ते पर भी बात की। गौरतलब है कि विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' इस साल की सबसे सक्सेसफुल हिंदी फिल्मों में से एक है। जब ये रिलीज हुई थी, तब इसकी चर्चा देश के हर कोने में हुई थी। हर किसी ने फिल्म की स्टोरीटेलिंग, एक्टिंग और डायरेक्शन की जमकर तारीफ की थी, लेकिन अनुराग कश्यप को 'छावा' उतनी पसंद नहीं आई जितनी इसकी चर्चा हुई थी।

अनुराग कश्यप आजकल अपनी नई फिल्म 'निशांची' को लेकर कैमरे के सामने रूबरू हैं। वो इसे हर तरफ प्रमोट भी कर रहे हैं। इसी बीच फिल्ममेकर ने एक मीटिंग में खास बातचीत भी की, जिसमें उन्होंने हिंदी सिनेमा को लेकर कई बातें कहीं। अनुराग ने इस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'छावा' पर भी अपनी बात रखी। उनका कहना है, 'छावा से ज्यादा, मुझे वो फिल्म हॉलीवुड की द पैशन ऑफ द प्रीस्ट जैसी लगी, मुझे जमी नहीं। बेचैनी से जो इमोशन्स पैदा किए जा रहे थे, मुझे वो पसंद नहीं आया। मैं वो फिल्म देख भी नहीं पाया। मैं हिंदी फिल्में देखना बंद कर चुका हूं। मैंने अभी सिर्फ 'धड़क 2', 'चमकीला' और 'लापता लेडीज' देखी है। मैंने छावा के कुछ सीन्स देखे, जिसके बारे में लोग बात कर रहे थे। मैंने छावा विनीत कुमार सिंह के लिए ही देखी थी, लेकिन मैं इसे जज नहीं करना चाहता हूं। मुझे फिल्म के डायरेक्टर की स्टोरीटेलिंग चॉइस समझ नहीं आई, लेकिन बाकी लोगों को आ गई। इसलिए मैं मेनस्ट्रीम सिनेमा का हिस्सा नहीं हूं, मुझे रोमांटिक फिल्में ज्यादा लुभाती हैं।

कैसे हैं विक्की कौशल और अनुराग कश्यप के रिलेशन

इस दौरान अनुराग ने एक्टर विक्की कौशल संग अपने बदले रिश्ते पर भी बात की। एक वक्त था जब अनुराग ने विक्की संग कई फिल्में बनाईं। गौर करने वाली बात ये है कि विक्की ने भी अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत अनुराग की 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर की थी। अनुराग का कहना है कि वो अब विक्की कौशल से ज्यादा बातचीत नहीं करते हैं। इस बीच डायरेक्टर ने आगे बॉलीवुड इंडस्ट्री में पैसों को लेकर बनी सोच पर भी कमेंट किया। अनुराग का कहना है कि इंडस्ट्री में अब ये देखा जाता है कि कौनसी फिल्म करोड़ों रुपये कमा सकती है। अब हर कोई पैसों के पीछे भाग रहा है। इसी कारण से उन्होंने मुंबई छोड़ा था और अब वो बॉलीवुड में दोबारा आने की नहीं सोचेंगे।

22 को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका जाएंगे गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 22 सितंबर को व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर चर्चा को आगे बढ़ाना है। मंत्री न्यूयॉर्क जाएंगे और उनके साथ मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और अन्य अधिकारी भी होंगे। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों का एक दल 16 सितंबर को भारत आया था।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 21 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2615, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि. 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2050, सूरज 1975, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1895, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2165, चक्र टिन 2375, ब्लू 2125, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2570

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छौंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 7050, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10900, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8800, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4380, पीलीभीत 4280, सितारगंज 4260, धामपुर 4360

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ने से भारतीय आईटी कंपनियां होंगी प्रभावित

उद्योग निकाय नैस्कॉम ने कहा- एक दिन की समयसीमा व्यवसायों, पेशेवरों व छात्रों के लिए पैदा करेगी अनिश्चितता

नई दिल्ली, एजेंसी

● उद्योग निकाय ने राशि को लागू करने के लिए 21 सितंबर की समय-सीमा पर भी चिंता जताई

उद्योग निकाय नैस्कॉम ने शनिवार को कहा कि एच-1बी वीजा आवेदन शुल्क बढ़ाकर एक लाख डॉलर करने के अमेरिका के कदम से भारत की प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियों पर असर पड़ेगा। नैस्कॉम ने कहा कि इससे विदेश में चल रही उन परियोजनाओं की व्यावसायिक निरंतरता बाधित होगी, जिनमें समायोजन की जरूरत हो सकती है।

शीर्ष निकाय ने इस बढ़ी हुई राशि को लागू करने के लिए 21 सितंबर की समय-सीमा पर भी चिंता जताई और कहा कि एक दिन की समय-सीमा दुनिया भर के व्यवसायों, पेशेवरों और छात्रों के लिए काफी अनिश्चितता पैदा करती है। एक बयान के मुताबिक अमेरिका के इस कदम से वैश्विक और भारतीय कंपनियों के लिए काम करने वाले एच-1बी वीजा धारक भारतीय नागरिक प्रभावित होंगे। इसमें आगे कहा गया कि हम आदेश के बारीक विवरणों की समीक्षा कर रहे हैं। इस प्रकार के समायोजन का अमेरिका के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापक रोजगार अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है।

नैस्कॉम ने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी सेवा कंपनियां भी प्रभावित होंगी, जबकि विदेश में चल रही उन परियोजनाओं के लिए व्यावसायिक निरंतरता बाधित होगी, जिनमें समायोजन की आवश्यकता हो सकती है। कंपनियां बदलावों के अनुसार ढलने के लिए ग्राहकों के साथ मिलकर काम करेंगी। नैस्कॉम ने कहा कि भारत और भारत-केंद्रित कंपनियों ने हाल के वर्षों में स्थानीय नियुक्तियों में वृद्धि करके इन वीजा पर अपनी निर्भरता लगातार कम की है। ये कंपनियां अमेरिका में एच-1बी प्रक्रियाओं के लिए सभी जरूरी अनुपालन का पालन करती हैं, प्रचलित वेतन का भुगतान करती हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देती हैं तथा शिक्षा जगत और स्टार्टअप के साथ नवाचार साझेदारी करती हैं। उद्योग निकाय ने जोर देकर कहा कि इन कंपनियों के एच-1बी कर्मचारी किसी भी तरह से अमेरिका में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं हैं।

नैस्कॉम ने कहा कि इस फैसले को लागू करने की समय-सीमा (21 सितंबर) भी चिंता का विषय है। एक दिन की समय-सीमा दुनिया भर के व्यवसायों, पेशेवरों और छात्रों के लिए काफी अनिश्चितता पैदा करती है। नैस्कॉम के अनुसार इस पैमाने के नीतिगत बदलाव के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए, जिससे संगठनों और व्यक्तियों को प्रभावी ढंग से योजना बनाने और व्यवधान को कम करने में मदद मिलती है। बयान अनुसार उच्च-कौशल वाली प्रतिभा अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नवाचार, प्रतिस्पर्धात्मकता और वृद्धि को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है। नैस्कॉम ने कहा कि यह बात ऐसे समय में खासतौर से महत्वपूर्ण है, जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य अग्रणी तकनीकों में प्रगति वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को परिभाषित करने के लिए तैयार है।

वीजा शुल्क वृद्धि से अमेरिकी नवाचार पर पड़ेगा असर: कांत

● अमेरिकी दरवाजे बंद होने से अगली पीढ़ी की प्रयोगशालाएं, पेटेंट, नवाचार व स्टार्टअप बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे व गुरुग्राम की ओर बढ़ेंगी

नई दिल्ली। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच1-बी वीजा शुल्क को 1,00,000 डॉलर करने का निर्णय अमेरिकी नवाचार को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले से प्रयोगशालाओं, पेटेंट और स्टार्टअप की अगली लहर अब बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे भारतीय शहरों की ओर रुख करेगी, जिससे भारत के नवाचार और प्रगति को नई गति मिलेगी। कांत ने एक्स पर कहा कि ट्रंप का वीजा शुल्क अमेरिकी नवाचार को दबा देगा, जबकि भारत के नवाचार को तेज करेगा। वैश्विक प्रतिभा के लिए अमेरिका के दरवाजे बंद होने से अगली पीढ़ी की प्रयोगशालाएं, पेटेंट, नवाचार और स्टार्टअप बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और गुरुग्राम जैसे शहरों की ओर बढ़ेंगी। भारत के बेहतरीन डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और नवप्रवर्तनकारी भारत के विकास और विकसित भारत की दिशा में योगदान देने का अवसर पाएंगे। अमेरिका का नुकसान भारत का लाभ होगा। अमेरिका में वीजा पर काम कर रहे भारतीयों पर प्रभाव डालने वाले एक कदम के तहत ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। यह आव्रजन पर नकेल कसने के प्रशासन के प्रयासों का नवीनतम कदम है। जेएसए एडवोकेट्स एंड सॉलिसिटर्स के पार्टनर, सजाई सिंह ने कहा कि अमेरिका द्वारा वीजा पर शुल्क लगाने से उन भारतीय आईटी कंपनियों और पेशेवरों के लिए लागत बढ़ेगी, जो इस वीजा पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

नए आवेदन होंगे कम, बढ़ेगी आउटसोर्सिंग : पई

नई दिल्ली। इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मोहनदास पई ने कहा कि वीजा आवेदकों पर भारी वार्षिक शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले से कंपनियों के नए आवेदन कम होंगे। आने वाले महीनों में अमेरिका में आउटसोर्सिंग बढ़ सकती है। पई ने इस धारणा को खारिज किया कि कंपनियां अमेरिका में सस्ते श्रम भेजने को एच-1बी वीजा का इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष 20 एच-1बी नियोक्ताओं द्वारा दिया जाने वाला औसत वेतन एक लाख डॉलर से अधिक है। उन्होंने ट्रंप के कथन को बेतुकी बयानबाजी करार दिया। एक आईटी उद्योग विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि भारतीय तकनीकी कंपनियों को हर साल 8,000-12,000 नए स्वीकृतियां मिलती हैं। इसका असर सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक तकनीकी दिग्गज कंपनियों पर भी होगा।

अमेरिका में भारतीय कंपनियों के शेयर गिरे

नई दिल्ली। वीजा की फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी से शुक्रवार को अमेरिका में भारतीय आईटी और बैंकिंग कंपनियों के शेयर गिर गए। ट्रंप के वीजा का शुल्क बढ़ाने पहले भारत में शेयर बाजार बंद हो चुके थे, लेकिन अमेरिका में भारतीय आईटी और बैंकिंग कंपनियों पर असर पड़ा। नैसडेक में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों कॉग्निजेंट का शेयर 4.73%, इंफोसिस में 3.41% और विप्रो में 2.10% की गिरावट में रही। सिफी टेक्नोलॉजीज का शेयर 0.17% टूटा। एचडीएफसी बैंक 0.48 और आईसीआईसीआई बैंक का 0.28% की गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिकी वित्त वर्ष 2024 (30 सितंबर को समाप्त) में दो लाख सात हजार भारतीयों को वीजा जारी किया गया।

अमेजन के बाद दूसरा सबसे बड़ा लाभार्थी टीसीएस

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के संघीय आंकड़ों के अनुसार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 2025 तक 5,000 से अधिक स्वीकृत एच-1बी वीजा के साथ दूसरी सबसे बड़ी लाभार्थी है। इस लिहाज से पहले स्थान पर अमेजन है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) के अनुसार, जून 2025 तक अमेजन के 10,044 कर्मचारी एच-1बी वीजा का उपयोग कर रहे थे। दूसरे स्थान पर 5,505 स्वीकृत वीजा के साथ टीसीएस रही। अन्य शीर्ष लाभार्थियों में माइक्रोसॉफ्ट (5189), मेटा (5123), एप्पल (4202), गूगल (4181), डेलॉइट (2353), इंफोसिस (2004), विप्रो (1523) और टेक महिंद्रा अमेरिकाज (951) शामिल हैं। वीजा के नए शुल्क वॉशिंगटन में शनिवार-रविवार की आधी रात से लागू होंगे। पुराने नियम के तहत एच-1बी वीजा की लॉटरी में शामिल होने के लिए 215 डॉलर का शुल्क अदा करना पड़ता था। लॉटरी में नाम आने के बाद नियोक्ता कंपनी को फॉर्म आई-129 भरने के लिए 780 डॉलर का शुल्क देना होता था। वीजा शुल्क कंपनी के आकार, कर्मचारियों की संख्या आदि पर निर्भर करती थी।

ओला ने त्योहारी सत्र को लेकर तैयारियां कीं तेज

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने त्योहारी सत्र को देखते हुए आक्रामक उत्पादन और भंडारण रणनीति अपनाई है। कंपनी का लक्ष्य वाहनों की डिलीवरी अवधि को मौजूदा 12-14 दिनों से घटाकर आधे से भी कम करना है। इस त्योहारी सत्र में डिलीवरी के समय को कम करना और ग्राहकों को बेहतर अनुभव देना, कंपनी की मुख्य प्राथमिकता है। कंपनी यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि ग्राहकों को पहले की तरह लंबा इंतजार न करना पड़े। तेज डिलीवरी ही हमें दूसरों से अलग बनाएगी।

कर्नाटक से मूंग, काला चना व सूरजमुखी खरीदेगा केंद्र

बेंगलुरु, एजेंसी

● केंद्रीय मंत्री के आग्रह पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से खरीद को दे दी है मंजूरी

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शनिवार को कहा कि मूल्य समर्थन योजना प्रणाली के तहत केंद्र सरकार कर्नाटक से मूंग, काला मूंग, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद करेगी, जिससे राज्य के किसानों को काफी लाभ होगा।

मंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से अनुरोध किया है कि वह राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 खरीफ सीजन के दौरान कर्नाटक में उगाई गई इन फसलों की खरीद को मंजूरी दें। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में चौहान का पत्र साझा किया कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केंद्र सरकार ने अब इस अनुरोध को मंजूरी दे दी है। चौहान ने जोशी को 20 सितंबर को लिखे पत्र में कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कर्नाटक सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 खरीफ सत्र के दौरान राज्य में मूंग, काला चना, सूरजमुखी, मूंगफली और सोयाबीन की खरीद के लिए पीएसएस के कार्यान्वयन के प्रस्ताव भेजे हैं। उचित विचार-विमर्श के बाद, इस मंत्रालय ने कर्नाटक में पीएसएस के तहत 38,000 मीट्रिक टन मूंग, 60,180 मीट्रिक टन काला चना, 15,650 मीट्रिक टन सूरजमुखी, 61,148 मीट्रिक टन मूंगफली और 1,15,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद को मंजूरी दे दी है। पत्र में आगे कहा गया कि यह मंजूरी किसानों के हितों की रक्षा करने और उन्हें एक स्थिर व टिकाऊ आय सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जोशी ने कहा कि यह निर्णय किसानों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कर्नाटक सरकार से आग्रह किया कि वह तुरंत जिला-वार खरीद केंद्र स्थापित करे और पूरे राज्य में खरीद प्रक्रिया शुरू करे।

सिविल कंस्ट्रक्शन

आधुनिक विकास की रीढ़

सिविल कंस्ट्रक्शन यानी भवन, सड़क, पुल, डैम, मेट्रो, एयरपोर्ट जैसी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कार्य। यह क्षेत्र किसी भी देश की आर्थिक प्रगति और शहरीकरण का आधार माना जाता है। इसमें बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और लंबे समय की योजना की जरूरत होती है। सिविल कंस्ट्रक्शन न केवल रोजगार और विकास लाता है बल्कि निवेशकों के लिए भी आकर्षक क्षेत्र है। हालांकि इसमें जोखिम और चुनौतियाँ भी मौजूद हैं, इसलिए निवेशक को लाभ-हानि को समझकर ही निर्णय लेना चाहिए।

सिविल कंस्ट्रक्शन

सिविल कंस्ट्रक्शन क्षेत्र निर्माण उद्योग की वह शाखा है, जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं आती हैं। इसमें हाईवे, रेल प्रोजेक्ट, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, स्मार्ट सिटी और औद्योगिक ढांचे का निर्माण शामिल होता है। यह क्षेत्र समाज को सुविधाएं देने के साथ देश की आर्थिक गतिविधियों को भी गति देता है।

- **इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और शेयर बाजार :** सिविल कंस्ट्रक्शन सेक्टर (सड़क, पुल, मेट्रो, बिल्डिंग, हाइवे) में निवेश बढ़ने से अर्थव्यवस्था तेज़ी पकड़ती है। सरकार या निजी कंपनियां बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश करती हैं तो शेयरों की मांग बढ़ती है।
- **रोजगार और मांग में वृद्धि :** निर्माण कार्यों से लाखों लोगों को रोज़गार मिलता है। जब आय बढ़ती है तो उपभोक्ता खर्च बढ़ता है। इससे रियल एस्टेट, सीमेंट, स्टील और बैंकिंग कंपनियों के शेयर मज़बूत होते हैं।
- **सरकारी नीतियों का असर :** बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ने की घोषणा होती है तो सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनियों के शेयर ऊपर जाते हैं। वहीं, प्रोजेक्ट्स में देरी या नीति अस्थिरता आने पर इन शेयरों में गिरावट आती है।
- **ग्लोबल और लोकल निवेशकों का भरोसा :** इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स से यह संदेश जाता है कि देश तेजी से विकास कर रहा है। इससे विदेशी निवेशक और घरेलू निवेशक (डीआईआई) भारतीय शेयर बाजार में निवेश बढ़ाते हैं।

निवेशकों को संभावित लाभ

- **आर्थिक विकास :** देश की जीडीपी और उद्योगों को मजबूत करता है।
- **रोजगार सृजन :** मजदूरों से लेकर इंजीनियर तक, लाखों को रोजगार देता है।
- **लंबी अवधि का निवेश :** एक बार बनी संरचनाएं दशकों तक उपयोगी रहती हैं।
- **निवेशकों के लिए अवसर :** सरकारी परियोजनाओं, पीपीपी मॉडल और प्राइवेट हाउसिंग में निवेश से अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

संभावित जोखिम का रखें ख्याल

- **उच्च लागत :** प्रोजेक्ट्स में भारी पूंजी और लंबे समय का निवेश लगता है।
- **जोखिम :** देरी, कानूनी विवाद, तकनीकी खामियां और प्राकृतिक आपदाएं नुकसान पहुंचा सकती हैं।
- **पर्यावरणीय प्रभाव :** प्रदूषण, वनों की कटाई और भू-क्षरण जैसी समस्याएं होती हैं।
- **बाजार उतार-चढ़ाव :** सीमेंट, स्टील और रियल एस्टेट कंपनियों की कीमतों से लागत बढ़ सकती है।

इन पर दें ध्यान

- प्रोजेक्ट की वित्तीय स्थिरता और कंपनी की बैलेंस शीट।
- सरकारी नीतियां और मंजूरी से जुड़े नियम।
- कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड और समय पर प्रोजेक्ट पूरे करने की क्षमता।
- तकनीकी विशेषज्ञता और मैनेजमेंट टीम की दक्षता।
- दीर्घकालिक मांग, जैसे स्मार्ट सिटी, हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर योजनाएं।

जीएसटी की शिकायतों के लिए 'इनग्राम' पोर्टल पर बनाई गई समर्पित श्रेणी

नई दिल्ली, एजेंसी

● उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एनसीएच को जीएसटी सुधार के अनुरूप बनाने को उठाए कदम

केंद्र ने संशोधित जीएसटी दरों से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण और उनके निवारण के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के 'इनग्राम' पोर्टल पर एक समर्पित श्रेणी बनाई है। जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर से विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं पर कर की दरें कम कर दी हैं।

शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, उपभोक्ता मामलों के विभाग ने राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) को जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में अनुमोदित जीएसटी सुधार के अनुरूप बनाने के लिए कदम उठाए हैं। 22 सितंबर से प्रभावी होने वाले संशोधित जीएसटी शुल्कों, दरों और छूटों से संबंधित उपभोक्ताओं के सवालों और शिकायतों को संभालने के लिए 'इनग्राम' (इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस रिड्रेसल मैकेनिज्म) पोर्टल पर एक नई, समर्पित श्रेणी शुरू की गई है। इसमें कई प्रमुख उप-श्रेणियां शामिल हैं, जैसे वाहन, बैंकिंग, ई-कॉमर्स, एफएमसीजी (रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं) और अन्य, जिनमें जीएसटी से संबंधित शिकायतें दर्ज की जा सकेंगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों द्वारा 11 सितंबर को एक उद्घाटन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य एनसीएच परामर्शदाताओं को जीएसटी से संबंधित प्रश्नों और शिकायतों को प्रभावी ढंग से संभालने में सक्षम बनाना था।

अमूल ने 700 से ज्यादा उत्पाद पैक की कीमत की कम

नई दिल्ली। अमूल के डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली जीसीएमएमएफ ने शनिवार को घी, मक्खन, आइसक्रीम, बेकरी व फ्रोजन स्नैक्स सहित 700 से अधिक उत्पाद पैक की खुदरा कीमतों में कमी की। कंपनी ने जीएसटी दर में कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का फैसला किया है। नई कीमतें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी।

गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने कहा कि यह संशोधन मक्खन, घी, यूएचटी दूध, आइसक्रीम, पनीर, चॉकलेट, बेकरी उत्पादों, फ्रोजन डेयरी और आलू स्नैक्स, कंडेंस्ड मिल्क, पीनट स्प्रेड, माल्ट आधारित पेय जैसी उत्पाद श्रेणियों में किया गया है। मक्खन (100 ग्राम) का खुदरा मूल्य 62 से घटाकर 58 रुपये किया गया है, घी की कीमत घटकर 610 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं।

भारत को मिला हिंद महासागर में खनिजों के अन्वेषण का अनुबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

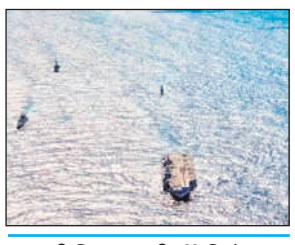

● पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एमओईएस-आईएसए में हुए अनुबंध की जानकारी दी

भारत ने हिंद महासागर के नीचे कार्ल्सबर्ग घाट क्षेत्र के 10 हजार वर्ग किमी में खनिजों के अन्वेषण का अधिकार हासिल किया है। इससे गहरे समुद्र के नीचे खनिजों की खोज और निकासी के क्षेत्र में भारत के प्रयासों को बल मिला है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) और अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण (आईएसए) के बीच नए 15-वर्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर की जानकारी दी। इसके तहत भारत को कार्ल्सबर्ग घाट क्षेत्र के उस 10 हजार वर्ग किमी क्षेत्र में पॉलीमेटेलिक सल्फाइड (पीएमएस) के अन्वेषण का विशिष्ट अधिकार होगा। पॉलीमेटेलिक सल्फाइड में लोहा, तांबा, जस्ता, चांदी, सोना और प्लैटिनम जैसी मूल्यवान धातुएं होती हैं। पीएमएस समुद्र तल की कठोर परत से निकलने वाले गर्म जलतापीय तरल पदार्थों द्वारा निर्मित एक प्रकार के अवक्षेप होते हैं। इनकी रणनीतिक और व्यावसायिक क्षमता ने देशों का ध्यान आकर्षित किया है। अफ्रीकी महाद्वीप और भारत के बीच हिंद महासागर से लेकर अरब सागर तक समुद्र के नीचे तीन लाख वर्ग किमी में फैला कार्ल्सबर्ग घाट क्षेत्र पीएमएस खनिज की संभावनाओं वाला क्षेत्र है।

मांग के बावजूद तेल-तिलहन में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

● कमजोर कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली, सोयाबीन तिलहन के दाम रहे स्थिर

देश में त्योहारी मौसम की मांग होने के बावजूद घरेलू बाजार में शनिवार को सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में गिरावट आई। दूसरी ओर, कमजोर कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन के दाम स्थिरता का रुख लिए बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि खरीफ तिलहन फसलों की मंडियों में आवक शुरू हो चुकी है। इसमें सभी तिलहन फसलों का न्यूनतम समर्थनन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा हुआ है। हालत ये है कि पहले कम एमएसपी वाले सोयाबीन, मूंगफली, सूरजमुखी जैसी फसलें खप नहीं रही हैं तो इन बढ़े हुए एमएसपी वाली फसलों को कहां और कैसे खपाया जाएगा? अगर देशी तेल-तिलहनों का बाजार ही नहीं होगा तो वे खपेंगी कहां? किसान तो अच्छे लाभ की उम्मीद में उत्पादन बढ़ा रहे हैं और जब उनकी फसलों को एमएसपी भी ना मिले और हाजिर बाजार में उन्हें एमएसपी से नीचे दाम मिलें तो किसानों को निराशा होगी। सूरजमुखी के मामले में देश यह अनुभव कर चुका है, जिसकी खेती अब नगण्य रह गई है।

सूत्रों ने कहा कि बैंकों का कर्ज चुकाने के लिए आयातक लागत से कम कीमत पर तेल बेच रहे हैं। उनकी वित्तीय स्थिति ऐसी नहीं है कि वे माल रोककर अच्छी कीमत का इंतजार कर सकें। इसके कारण सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट आई। जब बाजार में मूंगफली, सोयाबीन की स्थिति अच्छी नहीं है और ये एमएसपी से नीचे बिक रहे हैं तो पाम-पामोलीन की कहां से पूछ होगी।

शुक्रवार को मूंगफली में भारी गिरावट देखी गई, जिसकी मार से पाम-पामोलीन भी अछूते नहीं रहे। मांग कमजोर होने से बिनौला तेल में भी गिरावट रही। किसानों द्वारा और नीचे दाम पर बिक्री करने से बचने से सोयाबीन तिलहन के भाव स्थिर रहे। मौजूदा स्थिति से किसानों, व्यापारियों, आयातकों, मिल वालों या उपभोक्ताओं में किसी को भी लाभ नहीं मिल रहा है।

जीएसटी कटौती | नवरात्र और आने वाले त्योहारों को लेकर बिक्री में दोगुनी बढ़ोतरी होने की व्यापार जगत को उम्मीद

एसी 4,700 और डिशवॉशर 8,000 रुपये तक होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों ने रूम एयर कंडीशनर (एसी) की कीमतों में 4,500 रुपये तक और डिशवॉशर की कीमतों में 8,000 रुपये तक की कटौती की है। यह नई कीमतें सोमवार (22 सितंबर) से लागू होंगी। कंपनियों को उम्मीद है कि इस हफ्ते शुरू हो रहे नवरात्रों और आने वाले त्योहारों के मौसम में उनकी बिक्री में दोगुनी बढ़ोतरी होगी।

जीएसटी दरों में कटौती और कीमतों में कमी से ग्राहक खरीदारी के लिए आगे आएंगे, जिससे कंपनियों की त्योहारी बिक्री में उछाल आने की संभावना है। वोल्टास, डाइकिन, गोदरेज अप्लायंसेज, पैनासोनिक और हायर जैसी कंपनियों ने नई कीमतों की सूची जारी की है, जो सोमवार, 22 सितंबर से लागू होगी। इसी तारीख से जीएसटी दरों में हुई कटौती भी प्रभाव में आ रही हैं, जिसका सीधा लाभ ग्राहकों को मिलेगा। कुछ एसी निर्माता कंपनियों ने अपने डीलरों के साथ मिलकर कम कीमतों पर बुकिंग शुरू कर दी है। शुरुआती दौर में ग्राहकों की तरफ से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने से कंपनियां काफी उत्साहित हैं। गोदरेज अप्लायंसेज ने कैसेट और टावर एसी की कीमतों में 8,550 से लेकर 12,450 रुपये तक की कटौती की है। वहीं, स्प्लिट एसी (इन्वर्टर मॉडल) में 5,900 रुपये, हायर ने ग्रेविटी (1.6 टन इन्वर्टर) एसी 46,085 और किनोउची एआई (1.5 टन 4 स्टार) एसी 37,788 रुपये कर दी है। इस महीने की शुरुआत में जीएसटी परिषद ने एयर कंडीशनर और डिशवॉशर पर शुल्क 28 से घटाकर 18% करने का फैसला किया था।

प्रमुख एसी विनिर्माता वोल्टास ने फिक्स्ड स्पीड विंडो एसी की कीमत घटाकर 39,590 और इन्वर्टर विंडो एसी 43,290 रुपये कर दी है। डाइकिन ने 1 टन 5 स्टार इन्वर्टर स्प्लिट एसी 18,890 रुपये व 1.5 टन 5 स्टार इन्वर्टर स्प्लिट एसी 68,020 और 1.8 टन एसी 84,980 रुपये कर दी है। डाइकिन के 1 टन 3-स्टार हॉट एंड कोल्ड इन्वर्टर स्प्लिट एसी 46,730 और 1.5-टन 3-स्टार हॉट एंड कोल्ड इन्वर्टर स्प्लिट एसी 61,300 से घटाकर 56,500 रुपये की है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक ने एंट्री लेवल 1 टन 3-स्टार इन्वर्टर स्प्लिट एसी 32,890 रुपये, 1.5 टन एसी 42,390 और दो टन स्प्लिट एसी 55,490 रुपये कर दी है। पैनासोनिक इंडिया ने 1.5 टन वाले विंडो एसी की कीमतें क्रमशः 45,650 और 49,990 से शुरू होकर 46,000 रुपये तक की है। इसके फिक्स्ड स्पीड स्प्लिट एसी (1टन) क्रमशः 46,100 और 69,400 से शुरू होकर 42,400 रुपये (2 टन) से शुरू होकर 63,900 रुपये तक जाती हैं।

डिशवॉशर की कीमतों में कमी से ग्राहक होंगे लाभान्वित

डिशवॉशर विनिर्माता कंपनियों ने भी कीमतों में कमी कर उपभोक्ताओं को जीएसटी कटौती का लाभ दिया है। डिशवॉशर खंड की अग्रणी विनिर्माता कंपनी बीएसएच होम अप्लायंसेज ने जीएसटी कटौती के बाद कीमतों में 8,000 रुपये तक की कमी की है। सोमवार से इसके प्रवेश स्तर के मॉडल की कीमत 49,000 रुपये से घटकर 45,000 रुपये हो जाएगी और इसके शीर्ष मॉडल की कीमत 8,000 रुपये कम कर दी गई है, जिसकी कीमत 104,500 रुपये से घटकर 96,500 रुपये हो जाएगी। जीएसटी परिषद ने जीएसटी स्लैब में सुधार करते हुए डिशवॉशर को भी 28 के स्लैब से हटाकर 18% के स्लैब में कर दिया है।

कलाकारी

चेन्नई में शनिवार को एक कार्यशाला में दुर्गा पूजा उत्सव से पहले एक कारीगर देवी दुर्गा की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ।

एच-1 बी वीजा शुल्क से भारतीयों पर पड़ेगा प्रभाव

एच-1बी वीजा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक फैसले के कारण भारतीयों के लिए एक बड़ा झटका बन गया है। ट्रंप ने एच-1बी वीजा की सालाना फीस बढ़ाकर 1 लाख डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) कर दी है, जिसका सबसे ज्यादा असर भारतीय कामगारों पर पड़ने की संभावना है। फीस बढ़ने से पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में सीमित अवसर होंगे। अगर आप पढ़ाई करने गए और वहां पर आप नौकरी का अवसर तलाशते हैं तो वो भी सीमित हो जाएंगे क्योंकि वरीयता होगी अमेरिका के लोगों को लिया जाए। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में मास्टर या पीएचडी करने वाले छात्रों पर असर पड़ेगा।

अब आगे क्या?

- अब 85,000 वार्षिक एच-1बी कोटा (65,000 सामान्य, 20,000 उच्च डिग्री धारकों के लिए) पर यह शुल्क लागू होगा। छोटी कंपनियां और नए स्नातक पीछे हट सकते हैं। नियोक्ता केवल उच्च वेतन वाले विशेषज्ञों को स्पॉन्सर करेंगे, जिससे अवसर और भी सीमित हो जाएंगे।
- विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम अमेरिका की इनोवेशन क्षमता पर टैक्स लगाने जैसा है और इससे ग्लोबल टैलेंट अमेरिका आने से कतराएगा। नतीजतन, कंपनियां नौकरियां ऑफशोर ले जा सकती हैं, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और भारतीय प्रोफेशनल दोनों प्रभावित होंगे।

भारतीयों पर असर

- **आर्थिक बोझ :** बढ़ी हुई फीस भारतीय पेशेवरों के लिए एक बड़ा आर्थिक बोझ है, खासकर जब उनकी औसत सैलरी इस फीस से कम है। भारतीय छात्रों और लोगों पर वित्तीय दबाव बढ़ेगा।
- **नौकरी के अवसर :** यह फैसला भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए नौकरी के अवसरों को कम कर सकता है, क्योंकि कंपनियां इस बढ़ी हुई फीस को वहन करने में असमर्थ हो सकती हैं।
- **प्रतिभा पलायन :** यह फैसला भारत से अमेरिका जाने वाली प्रतिभाओं को प्रभावित कर सकता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।
- **एच1बी वीजा धारकों की संख्या :** अमेरिका में एच1बी वीजा धारकों में 71% भारतीय हैं, जो इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

रिश्तों पर प्रभाव

- भारत सरकार इस मुद्दे को कूटनीतिक स्तर पर जरूर उठाएगी क्योंकि लाखों भारतीय प्रभावित होंगे। ट्रंप अपने मतदाताओं को यह संदेश देना चाहते हैं कि वह अमेरिकी नौकरियों की रक्षा कर रहे हैं, लेकिन भारत के साथ साझेदारी और टेक्नोलॉजी सहयोग पर इसका निगेटिव असर हो सकता है। फिलहाल अब सरकार पर हर किसी की नजर है।

यह सबसे ज्यादा होंगे प्रभावित

- **आइटी कंपनियां :** इंफोसिस, टीसीएस, विप्रो और एचसीएल जैसी भारतीय आई कंपनियां लंबे समय से एच-1बी वीजा पर अमेरिकी प्रोजेक्ट चलाती रही हैं। लेकिन नया शुल्क मॉडल अब उन्हें ऐसा करना बेहद महंगा बना देगा।
- **आईटी पेशेवर :** सॉफ्टवेयर इंजीनियर, टेक प्रोग्राम मैनेजर और अन्य आईटी पेशेवर इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। दो लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधे तौर पर असर पड़ सकता है

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस-यूक्रेन युद्ध से अमेरिका पैसे कमा रहा: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका देश रूस-यूक्रेन की जंग से पैसे कमा रहा है। उनका यह बयान उनके पहले के रुख के विपरीत है, जिसमें उन्होंने कीव को बिना शर्त सैन्य समर्थन देने की बात कही थी, जिसके तहत अमेरिका उसे हथियारों की आपूर्ति करता रहा है। आरटी की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने जुलाई में उस हस्ताक्षरित समझौते की प्रशंसा की, जिसके तहत अमेरिका अपने साथी नाटो सदस्यों को हथियार बेचता है, जो बाद में वे यूक्रेन को सौंप देते हैं।

गाजा शहर पर इजराइली हमलों में 14 लोगों की मौत

काहिरा। गाजा शहर में रात भर इजराइली हमलों में कम से कम 14 लोग मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने वहां अपना आक्रमण तेज करते हुए फलस्तीनियों से वहां से चले जाने का आग्रह किया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है जब पश्चिमी देश गाजा में बढ़ते युद्ध से तंग आ चुके हैं, तथा कुछ देश अगले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में विश्व नेताओं के सम्मेलन में फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने की मांग कर रहे हैं। पुर्तगाल के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि वह रविवार को फलस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देगा।

भारत और कनाडा संबंधों में नया अध्याय जोड़ने की दिशा में काम करने पर राजी

एनएसए डोभाल की कनाडाई समकक्ष से हुई वार्ता, आतंकवाद व अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से मिलकर निपटेंगे

- निज्जर की हत्या को लेकर हुए राजनयिक विवाद के बाद गंभीर तनाव से गुजर रहे थे द्विपक्षीय संबंध
- विदेश मंत्रालय ने कहा- दोनों देश सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शनिवार को कहा कि भारत और कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए हैं, जिसमें आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए मिलकर काम करना शामिल है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और उनकी कनाडाई समकक्ष नथाली ड्रोइन ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में व्यापक मुद्दों पर वार्ता की जिसका मुख्य उद्देश्य 2023 में एक सिख अलगाववादी की हत्या को लेकर हुए राजनयिक विवाद के बाद गंभीर तनाव से गुजर रहे द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना था। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को वार्ता के व्यापक परिणामों की जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है, ''दोनों पक्ष आगे बढ़ने के रास्ते पर मिलकर काम करने और द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ने की दिशा में सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर सहमत हुए।

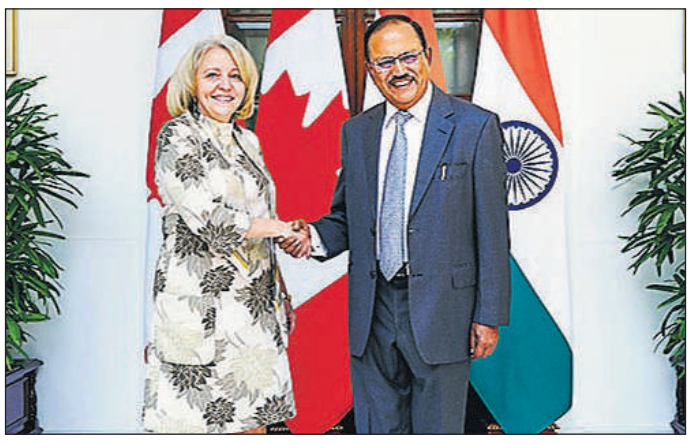

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल कनाडाई समकक्ष के साथ। ● एजेंसी

तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद चरमरा गए थे रिश्ते

एनएसए के बीच यह वार्ता भारत और कनाडा द्वारा एक-दूसरे की राजधानियों में राजनयिक नियुक्त करने के तीन सप्ताह बाद हुई। भारत-कनाडा के संबंध तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उन आरोपों के बाद चरमरा गए थे जिनमें वर्ष 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से जुड़े मामले से भारत का संबंध होने की संभावना जताई गई थी। पिछले साल अक्टूबर में भारत ने अपने उच्चायुक्त और पांच अन्य राजनयिकों को तब वापस बुला लिया था, जब ओटावा ने उन्हें निज्जर मामले से जोड़ने की कोशिश की थी। भारत ने कनाडा के भी इतने ही राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। मामले को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में दरारें पड़ती चली गईं थी।

जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान सबंधों को सुधारने की बनी थी सहमति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून में कनाडा के कनैनिस्किस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ बातचीत की थी। बयान के मुताबिक, बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में स्थिरता बहाल करने के लिए रचनात्मक कदम उठाने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने डोभाल-ड्रोइन वार्ता पर कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष कार्नी के बीच हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाने का भी एक अवसर था। इसमें कहा गया है, दोनों पक्षों ने राजनीतिक नेतृत्व के उच्चतम स्तरों पर विश्वास के पुनर्निर्माण और सहयोग के विस्तार की स्पष्ट गति को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर 'लाभकारी' चर्चा की, जिसमें आतंकवाद निरोध और अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने और खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान जैसे क्षेत्र शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वे सुरक्षा सहयोग को सशक्त बनाने और जुड़ाव के मौजूदा तंत्र को और मजबूत करने पर सहमत हुए। दोनों देशों के बीच संबंध पुनः मजबूत हो रहे हैं।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर किया हमला, तीन की मौत, कई अन्य घायल

- शनिवार तड़के मिसाइल और ड्रोन दागकर बनाया निशाना

कीव, एजेंसी

रूस ने शनिवार तड़के यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, चेर्निहाइव, जापोरिजिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खार्किव सहित नौ क्षेत्रों में हुए।

उन्होंने कहा, दुश्मन का लक्ष्य हमारा बुनियादी ढांचा, आवासीय क्षेत्र और गैर सरकारी प्रतिष्ठान थे। उन्होंने कहा कि क्लस्टर हथियारों से लैस एक मिसाइल ने दिनप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर हमला किया। उन्होंने अपने आधिकारिक 'टेलीग्राम' पर एक बयान में कहा, ऐसा प्रत्येक हमला सैन्य आवश्यकता नहीं है, बल्कि नागरिकों को डराने और हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए रूस की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन और अमेरिका की प्रथम महिलाओं (राष्ट्रपति की पत्नी) के बीच, बच्चों से जुड़े मानवीय मुद्दों पर अलग-अलग बातचीत होने की संभावना है। स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि यूक्रेन के मध्य दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में हुए हमले में कम से कम 26 लोग घायल हुए हैं।

पूर्वी शहर दिनप्रो में कई ऊंची इमारतें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने 619 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कुल मिलाकर 579 ड्रोन, आठ बैलिस्टिक मिसाइलें और 32 क्रूज मिसाइलों का पता लगाया गया। यूक्रेनी सेना ने 552 ड्रोन, दो बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 क्रूज मिसाइलें मार गिराईं और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। रूस ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से इनकार किया है।

जेन जी समूह ने पूर्व प्रधानमंत्री ओली की गिरफ्तारी की मांग की

काठमांडू, एजेंसी

- उच्च पदस्थ नेताओं व अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए जांच आयोग के गठन की भी मांग

जेन जी समूह ने 8 सितंबर को सरकार विरोधी-प्रदर्शनों के दौरान हुई गोलीबारी में कथित भूमिका को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी की शनिवार को मांग की। इस गोलीबारी में 19 लोग मारे गए थे।

विरोध-प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले 'जेन जी' समूह के सलाहकारों में से एक डॉ. निकोलस बुशल ने यहां संबाद दाबली में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि ओली, लेखक और काठमांडू के मुख्य जिला अधिकारी छवि रिजाल को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए, क्योंकि वे नया बानेश्वर में गोलीबारी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार थे, जिसमें 19 कार्यकर्ता मारे गए थे। बुशल ने 1990 के बाद से सभी उच्च पदस्थ नेताओं और सरकारी अधिकारियों की संपत्ति की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच आयोग के गठन की भी मांग की। इसके अलावा, जेन जी के कार्यकर्ताओं ने यहां सिंह दरबार सचिवालय के पास मैतीघर मंडला में ओली और लेखक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दिया। यहीं से उन्होंने आठ सितंबर को अपनी विरोध रैली शुरू की थी।

अमेरिकी सांसद बोले- भारतीयों पर लगाया गया एच-1बी वीजा शुल्क विवेकहीन व दुर्भाग्यपूर्ण

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- शुल्क से आईटी उद्योग पर पड़ेगा नकारात्मक प्रभाव

अमेरिकी सांसदों और सामुदायिक नेताओं ने एच-1बी वीजा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को विवेकहीन और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया, साथ ही इस कदम का आईटी उद्योग पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका जताई।

सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि एच-1बी वीजा पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क लगाने का ट्रंप का फैसला बेहद कुशल कामगारों को अमेरिका से दूर करने का एक भयावह प्रयास है, जिन्होंने लंबे समय से हमारे कार्यबल को मजबूत किया है, नवाचार को बढ़ावा दिया है और लाखों अमेरिकियों को रोजगार देने के साथ-साथ आव्रजन प्रणाली को आधुनिक बनाना चाहिए। अमेरिका को ऐसी बाधाएं खड़ी नहीं करनी चाहिए जो हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को कमजोर करें। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान उनके सलाहकार रहे और आव्रजन नीति पर एशियाई-अमेरिकी समुदाय के नेता अजय भुटोरिया ने एच1-बी शुल्क बढ़ाने संबंधी ट्रंप की नयी योजना से अमेरिकी प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त पर संकट मंडराने की चेतावनी दी। भूटोरिया ने कहा, एच-1बी कार्यक्रम के तहत फिलहाल 2000 से 5000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लिया जा रहा था।

अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति।

वाले उद्योगों की स्थापना में मदद की है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि कई एच-1बी वीजा धारक अंततः नागरिक बन जाते हैं और ऐसे व्यवसाय शुरू करते हैं जिनसे अमेरिका में अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां सृजित होती हैं। उन्होंने कहा, जब दूसरे देश वैश्विक प्रतिभाओं को आकर्षित करने की होड़ में लगे हैं तो अमेरिका को भी अपने कार्यबल को मजबूत बनाने

भारतवंशियों पर हमले की निंदा करने वाले आयरलैंड के नेतृत्व को सराहा

लंदन, एजेंसी

- भारतीय राजदूत ने समिति के अध्यक्ष संग बैठक में की प्रशंसा

आयरलैंड में भारतीयों पर हुए हमलों की आयरिश नेतृत्व द्वारा निंदा किए जाने से समुदाय को आश्वासन और सांत्वना का संदेश मिला है। भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा ने आयरलैंड के विदेश और व्यापार मामलों की समिति के अध्यक्ष जॉन लाहार्ट टीडी के साथ बैठक में यह बात कही।

इससे पहले, पिछले महीने भारतीय दूतावास ने परामर्श जारी कर भारतीय नागरिकों से नस्ली हमलों के आलोक में अपनी सुरक्षा के लिए उचित सावधानी बरतने का आग्रह किया था। भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में राजदूत मिश्रा ने कहा, भारतीयों पर हमलों की घटनाओं की राष्ट्रपति हिगिंस, उप प्रधानमंत्री हैरिस, न्याय मंत्री और गार्डा आयुक्त द्वारा कड़ी एवं स्पष्ट निंदा किए जाने से आयरलैंड में भारतीय समुदाय के साथ-साथ भारत में उनके परिवारों के बीच आश्वासन का एक बहुत जरूरी संदेश गया है।

गुरुवार को मिश्रा के साथ एक भेंट के दौरान लाहार्ट ने आयरलैंड में भारतीय समुदाय के बारे में 'स्नेहभरी बातें' बात कीं। इन भारतीयों में उनके निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। मिश्रा ने भारतीय समुदाय और भारत-आयरलैंड संबंधों के प्रति उनके समर्थन के लिए लाहार्ट का आभार व्यक्त किया।

ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित गीतकार ब्रेट की विमान हादसे में मौत

लॉस एंजिलिस। ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित गीतकार ब्रेट जेम्स का नॉर्थ कैरोलिना में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिका के 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए)' ने प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा कि तीन लोगों को लेकर जा रहा छोटा विमान गुरुवार दोपहर को फ्रैंकलिन के जंगलों में 'अज्ञात परिस्थितियों में' दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य राजमार्ग गश्ती दल ने एक बयान में कहा कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा। एफएए के अनुसार, जेम्स एक सिरस एसआर22टी विमान में सवार थे, जो उनके कानूनी नाम ब्रेट जेम्स कॉर्नेलियस के नाम से पंजीकृत था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 सितंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 22 सितंबर 01.23 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

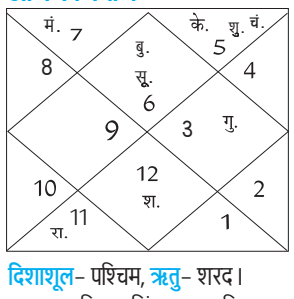

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 09.32 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज का दिन आपके लिए अत्यंत विशेष रहेगा। व्यापार में कुछ तकनीकी समस्या हो सकती है, जिसे शाम तक सुलझा लेंगे। आयात-निर्यात से बड़ा धन लाभ हो सकता है। दूसरों के सामने अपने हितों को अनदेखा न करें। पेटदर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज यात्रा के दौरान थकान हो सकती है। अनावश्यक बातों पर अधिक ध्यान न दें। रियल एस्टेट से जुड़े लोग किसी भी सौदे से पहले पूरी जांच-परख कर लें। अनावश्यक कार्यों को अधिक समय देने के कारण आवश्यक कार्य छूट सकते हैं।

मिथुन — आज अपनी प्रतिभा से लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। बुजुर्ग लोगों का सम्मान अवश्य करें। दिन के उत्तरार्ध भाग में रुका हुआ सरकारी काम बन सकता है। परिस्थितियां आपके लिए अत्यंत अनुकूल हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क — आज बेरोजगार लोगों को जॉब मिल सकती है, किंतु आप अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे। मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। व्यापार में नए लोगों से थोड़ा संभलकर सौदे करें। यदि कोई स्वास्थ्य समस्या है तो चिकित्सक से परामर्श ले लें।

सिंह — आज प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। बड़ा काम करने का विचार बनेगा। शेयर और लाटरी आदि से धन लाभ मिलने की सम्भावना बन रही है। अचल संपत्ति के झगड़ों का निवारण होगा। कलात्मक विधाओं में आपकी रुचि बढ़ेगी।

कन्या — आज गुप्त शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास करेंगे। दिखावे के कारण आपकी छवि खराब हो सकती है। कोई महत्वपूर्ण कार्य अटक सकता है। यात्राओं के दौरान सावधानी रखें। बुरे लोगों की संगत के कारण धन हानि हो सकती है।

तुला — आज आप अपने शौक को पूरा करने में लगे रहेंगे। संतान के आज्ञाकारी व्यवहार से प्रसन्नता होगी। मित्रों के साथ किसी महत्वपूर्ण कार्य की चर्चा कर सकते हैं। नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अनुकूल है।

वृश्चिक — आज कारोबार में तरक्की होगी। आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। माताजी को उपहार दे सकते हैं। पुराने कर्जों से छुटकारा मिल सकता है। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। अटके हुए कार्यों को आप दोबारा शुरू कर सकते हैं।

धनु — आज यदि नई जॉब के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं तो सफलता मिलेगी। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। पिता की सलाह लेना आपके लिए हितकर होगा। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर महसूस करेंगे। व्यापार में दोगुनी वृद्धि हो सकती है।

मकर — आज जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। सोच-विचार में अधिक समय बर्बाद न करें। आपके कार्यों की लोग सराहना करेंगे। व्यवसाय को लेकर परेशानी हो सकती है। ब्लडप्रेशर के रोगियों को समस्या होने की आशंका है।

कुंभ — आज मन में नए विचार उत्पन्न होंगे। लोग आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। समय आपके लिए अत्यंत अनुकूल रहेगा। किसी सामाजिक कार्य के लिए आपकी प्रशंसा हो सकती है। नव-विवाहित लोग कहीं घूमने जा सकते हैं।

मीन — आज आपके सामाजिक यश में वृद्धि होगी। मेहनत का उत्तम लाभ मिलेगा। सिर में थोड़ा भारीपन हो सकता है। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। करियर को लेकर उत्तम अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भविष्य को लेकर योजना बनाएंगे।

सुडोकू-106

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

6					7		2	
	8				9		3	
			8			1		
9		4						2
		7				6		
5					3			9
	1	3			8		6	
	9		4				8	
			2					7

सुडोकू - 105 का हल

1	3	2	7	6	9	4	8	5
4	7	8	1	5	3	9	6	2
9	5	6	2	8	4	7	3	1
6	8	1	4	9	5	3	2	7
3	9	7	6	2	1	5	4	8
5	2	4	8	3	7	6	1	9
2	6	3	9	7	8	1	5	4
8	4	9	5	1	6	2	7	3
7	1	5	3	4	2	8	9	6

मुझे आज भी 2017 महिला विश्व कप फाइनल याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। तभी मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा। मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई जेंडर नहीं होता। -अक्षय कुमार

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 21 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पूर्व भारतीय फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया ने शनिवार को मुंबई में स्पोर्ट फॉर लाइफ (एसएफएल) फुटबॉल लीग सीजन 2 ट्रॉफी का अनावरण किया।

आईपीएल मॉडल से सुधरेगा फुटबाल

मुंबई : पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी बाईचुंग भूटिया ने शनिवार को कहा कि एआईएफएफ अपनी शीर्ष लीग चलाने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग का अनुसरण कर सकता है। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को मंजूरी दे दी है। न्यायालय के आदेश के अनुसार भारत की शीर्ष स्तरीय फुटबॉल लीग का स्वामित्व या प्रबंधन अब निजी खिलाड़ियों के पास नहीं रह जाएगा और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को इसका एकमात्र स्वामित्व लेना होगा।

ओमान के खिलाफ कप्तान का फैसला सही

दुबई : महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के ओमान के खिलाफ एशिया कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में अपने साथियों को आगे भेजने और खुद बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतरने के फैसले का समर्थन किया। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान पर जीत के बाद पहले ही सुपर 4 में जगह पक्की कर ली थी, इसलिए सूर्यकुमार ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को खेलने का मौका देने के लिए बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल किया, यहां तक कि खुद को 11वें नंबर पर धकेल दिया।

अक्षर का पाकिस्तान मैच में खेलना संदिग्ध

अबु धाबी : अक्षर पटेल पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले भारत के सुपर फोर मैच में नहीं भी खेल सकते हैं। उन्हें अबु धाबी में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए मैच में फील्डिंग करते समय सिर पर चोट लगी थी। अक्षर को 15वें ओवर में यह चोट लगी थी। वह मिड-ऑफ से दौड़ते हुए हम्माद मिर्जा का कैच लेने की कोशिश में संतुलन खोकर गिर पड़े, जिससे उनका सिर जमीन से टकरा गया। इसके बाद उन्हें सिर और गर्दन को पकड़ते हुए देखा गया और फिजियो की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। वे ओमान की पारी के बचे हुए हिस्से में फील्ड पर नहीं लौटे। अक्षर ने सिर्फ एक ओवर डाला।

चोटिल नेमार अभ्यास से हुए बाहर

रियो डी जेनेरियो : ब्राजील के फुटबॉल क्लब सैंटोस ने बताया है कि फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे फॉरवर्ड नेमार जांघ की चोट के कारण अभ्यास से बाहर हो गए हैं। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर 33 वर्षीय नेमार गुरुवार को दाहिनी जांघ में दर्द के कारण अभ्यास से बाहर हो गए। बाद में हुई जांच में रेक्टस फेमोरिस मांसपेशी में चोट की पुष्टि हुई। क्लब ने शुक्रवार को कहा नेमार जूनियर ने सैंटोस एफसी के चिकित्सा विभाग के मार्गदर्शन में इलाज शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ प्रभावशाली जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

एशिया कप : सुपर 4 के मैच में दोनों टीमों के बीच फिर होगा आमना-सामना

दुबई, एजेंसी

एशिया कप खेलने गई भारत और पाकिस्तान की टीम।

फाइल फोटो

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव।

दोनों टीमों में बढ़ते तनाव के बीच भारत जब रविवार को यहां एशिया कप सुपर 4 के मैच में पाकिस्तान का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपनी स्पिन तिकड़ी के दम पर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक और प्रभावशाली जीत दर्ज करना होगा। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो उनके खिलाड़ियों के बीच तनाव बना रहता है, लेकिन इस बार यह नए स्तर पर पहुंच गया है।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके साथियों ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था जिससे नया बवाल पैदा हो गया। ऐसा समझा जाता है कि भारतीय टीम इस रविवार को भी पड़ोसी देश के खिलाफ इसी नीति को जारी रखेगी तथा हाथ मिलाना भी संभवतः आम बात नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ी और उनके समर्थक इस मैच को द्वेषपूर्ण मैच के रूप में देख रहे हैं।

रविवार हमेशा सबसे आरामदायक दिन नहीं होता है और पिछले मैच में भारत को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार भी इस बात की पुष्टि करते हैं। इस टूर्नामेंट में सूर्यकुमार से सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, एक रणनीतिक कप्तान और अपने देश के लिए एक राजदूत होने की उम्मीद की जा रही है। ओमान के खिलाफ कैच लेने के प्रयास में अक्षर पटेल के सिर में लगी चोट से वह और मुख्य कोच गौतम गंभीर थोड़े चिंतित होंगे लेकिन क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने यह कहकर आशंकाओं को दूर कर दिया कि यह ऑलराउंडर ठीक है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले सूर्यकुमार को टीम के सभी महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को परखने की जरूरत थी। पूरी संभावना है कि में तेज गेंदबाज हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि पाकिस्तान में जन्मे ओमान के 43 वर्षीय बल्लेबाज आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा जैसे कम चर्चित खिलाड़ियों ने इस जोड़ी की जमकर धुनाई की। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की पाकिस्तान के खिलाफ मैच में वापसी होगी। इन दोनों को ओमान के खिलाफ मैच में विश्राम दिया गया था। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिचें धीमी गेंदबाजों के लिए मददगार हैं और एक बार फिर से कुलदीप यादव, अक्षर और वरुण पर जिम्मेदारी होगी कि वे निर्णायक रूप से भारत के पक्ष में पलड़ा झुकाएं।

बाहरी शोर को बंद करना आसान नहीं : सूर्यकुमार

दुबई, एजेंसी : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप सुपर 4 के महत्वपूर्ण मैच से पहले कहा कि दोनों टीम के बीच संबंधों को लेकर बाहर हो रही बातों को पूरी तरह से नजरअंदाज करना मुश्किल है, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही स्पष्ट किया कि इनमें से कुछ बातें महत्वपूर्ण भी हो सकती हैं। पिछले रविवार को इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ नाबाद 47 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने वाले भारतीय कप्तान ने न तो टॉस के समय विपक्षी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ मिलाया और न ही उस दिन छक्का लगाकर मैच समाप्त करने के बाद खेल के अंत में उनसे हाथ मिलाया। पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ एकजुटता दिखाने और जीत को भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करने के उनके कदम से सुपर 4 मुकाबले से पहले तनाव बढ़ गया। तो फिर बाहरी शोर को बंद करने का तरीका क्या है? इस सवाल के जवाब में सूर्यकुमार ने कहा अपना कमरा बंद करो, अपना फोन बंद करो और सो जाओ। मुझे लगता है कि यह सबसे अच्छी बात है। यह कहना आसान है, लेकिन कभी-कभी यह मुश्किल होता है क्योंकि आप बहुत सारे दोस्तों से मिलते हैं। आप डिनर के लिए बाहर जाते हैं और आपके साथ बहुत सारे खिलाड़ी होते हैं जो ये सब चीजें देखना पसंद करते हैं, इसलिए यह बहुत मुश्किल है। भारतीय कप्तान हालांकि जानते हैं कि बाहरी शोर को पूरी तरह से बंद नहीं किया जा सकता है और अपने विवेक का उपयोग करके कुछ अच्छी चीजों को सुना जा सकता है। उन्होंने कहा यह आप पर निर्भर करता है कि आप क्या सुनना चाहते हैं, आप अपने मन में क्या रखना चाहते हैं और आगे बढ़कर अभ्यास सत्र या खेल खेलना चाहते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान आगा और टीम मैनेजर बात करते हुए।

पाकिस्तान ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द की

- यूएई के खिलाफ भी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से इन्कार कर दिया था पाकिस्तान ने

दुबई, एजेंसी

पाकिस्तान ने रविवार को भारत के खिलाफ होने वाले सुपर फोर मैच से पहले होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी है। एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, एक पाकिस्तानी खिलाड़ी या कोचिंग स्टाफ के सदस्य को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी थी। टीम को दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में शाम 6 बजे से तीन घंटे तक प्रशिक्षण भी लेना था। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि प्रशिक्षण निर्धारित समय पर ही होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द करने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इतने ही मैचों में यह दूसरी बार है जब पाकिस्तान ने मैच से पहले मीडिया से बात करने की अपनी पारंपरिक जिम्मेदारी रद्द कर दी है। उन्होंने यूएई के खिलाफ अपने जरूरी मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से इन्कार कर दिया था, जबकि मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ हाथ मिलाने का मामला लगातार गरमाता रहा। इसके बाद, आईसीसी द्वारा पाइक्रॉफ्ट और पाकिस्तान के कोच, कप्तान, मीडिया और टीम मैनेजरों के बीच एक बैठक आयोजित करने के बाद यह विवाद काफी हद तक शांत हो गया, जहां पाइक्रॉफ्ट ने भारत के खिलाफ टॉस के दौरान हुई घटनाओं पर खेद व्यक्त किया।

एंडी पाइक्रॉफ्ट फिर होंगे मैच रैफरी

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप सुपर 4 के मैच की जिम्मेदारी फिर अपने एलीट पैनल के मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को सौंपी है। जबकि पीसीबी ने बार बार उन्हें हटाने का अनुरोध किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बताया एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत और पाकिस्तान के मुकाबले के लिए मैच रैफरी हैं। इसके बाद पाकिस्तान टीम प्रबंधन ने सुपर 4 मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत नहीं करने का फैसला किया। रविवार के मैच के लिए मैच अधिकारियों की सूची अब भी सार्वजनिक नहीं की गई है।

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाती हुईं स्मृति मंधाना। एजेंसी

भारतीय महिला टीम इतिहास रचने से चूकी

- ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में 43 रन से हराने के साथ सीरीज 2-1 से जीती
- 413 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 369 रनों पर हुई ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

स्मृति मंधाना (125 रन) की शानदार पारी बेथ मूनी (138 रन) के शतकीय पारी को नहीं पछाड़ सकी, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मैच में भारत को 43 रन से हराकर मेजबान टीम के खिलाफ अपनी 11वीं द्विपक्षीय श्रृंखला 2-1 से जीत ली। मूनी की 79 गेंद की तूफानी पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 412 रन पर ऑलआउट होकर अपने रिकॉर्ड वनडे स्कोर की बराबरी की।

यह भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा स्कोर भी था। इससे उसने पिछले साल ब्रिस्बेन में बनाए गए आठ विकेट पर 371 रन के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद भारत की शानदार बल्लेबाजी के सामने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने संयम बनाए रखा। मंधाना (63 गेंद में 125 रन) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (35 गेंद में 52 रन) के बीच 121 रन की साझेदारी के अलावा दीप्ति शर्मा (58 गेंद में 72 रन) की अंत में खेली गई आक्रामक पारी के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज भारत को 369 रन पर ऑल आउट करके श्रृंखला जीतने में सफल रहे।

अगर भारतीय टीम सफल हो जाती तो वह सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ देती। यह रिकॉर्ड अभी श्रीलंका के नाम है जिसने 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 302 रन का पीछा किया था। पूरे मैच में दनादन बाउंड्री लगी जिसमें भारत ने 60 चौके और पांच छक्के खाए तो वहीं ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 39 चौके और सात छक्के लगने दिए। यही निर्णायक साबित हुआ। मंधाना ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार फॉर्म जारी रखी और 50 गेंदों में शतक जड़ दिया जो वनडे में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक है। हरमनप्रीत के साथ साझेदारी करते हुए मंधाना ने प्रति ओवर दस रन की रफ्तार से रन बनाए। इनकी साझेदारी से ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण थोड़ा निराश था। पर 20वें ओवर में खेल का रुख बदल गया जब मेडिकल ब्रेक लेने के बाद हरमनप्रीत अगली ही गेंद पर पगबाधा आउट हो गईं। इन दोनों के आउट होने के बाद दीप्ति ने पांच चौके और दो छक्के लगाकर अच्छा खेलना जारी रखा लेकिन लगातार विकेट गिरने के कारण भारत जीत से महरूम रह गया।

इससे पहले मूनी ने दिल्ली की गर्मी के बावजूद तेज तर्रार शतकीय पारी खेली जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 412 रन बनाकर अपने रिकॉर्ड स्कोर की बराबरी की। ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में डेनमार्क के खिलाफ तीन विकेट पर 412 रन का स्कोर खड़ा किया था। ऑस्ट्रेलिया ने इस तरह भारत के खिलाफ अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया जो इससे पहले आठ विकेट पर 371 रन था।

125 रनों की पारी स्मृति मंधाना ने 63 गेंदों में खेली, जिसमें 17 चौके और 5 छक्के शामिल हैं

बंगलादेश ने श्रीलंका को चार विकेट से हराया

दुबई : मुस्तफिजुर रहमान (तीन विकेट) और मेहदी हसन (दो विकेट) के बाद सैफ हसन (61) और मोहम्मद तौहीद हृदाये (58) की शानदार के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बंगलादेश ने शनिवार को एशिया कप के पहले सुपर चार मुकाबले में श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हरा दिया।

169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में तंजिद हसन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान लिटन कुमार दास ने सैफ हसन के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 जोड़े। सातवें ओवर में वानिंदु हसरंगा ने लिटन कुमार दास 16 गेंदों में 23 रन को आउट इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोहम्मद तौहीद हृदोय ने सैफ हसन के साथ तीन के विकेट के लिए 56 रन जोड़े। हसरंगा ने सैफ हसन को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी फाइनल में

चाइना मास्टर्स बैडमिंटन

शेनझेन (चीन), एजेंसी

भारत के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने शनिवार को यहां चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे पुरुष युगल के फाइनल में प्रवेश किया।

पिछले हफ्ते विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने और हांगकांग ओपन में उपविजेता रहने के बाद एशियाई खेलों की चैंपियन जोड़ी ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी आरोन और सोह को 21-17, 21-14 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त विश्व चैम्पियन कोरियाई जोड़ी किम वोन हो और सियो सियुंग जाए से होगा जिन्होंने इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी को 21-13, 21-17 से हराया। इस मैच से पहले सात्विक और चिराग का दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 4-11 था। भारतीय जोड़ी ने हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में आरोन और सोह को हराकर कांस्य पदक जीता था। भारतीयों ने आक्रामक रुख अपनाया और फ्रंट कोर्ट पर भी दबदबा बनाए रखा जबकि मलेशियाई खिलाड़ी विशेषकर आरोन 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लय में नहीं दिखे। चिराग ने जीत के बाद कहा बहुत अच्छा लग रहा है। हम बात कर रहे थे कि इस साल बहुत सेमीफाइनल खेले हैं लेकिन फाइनल नहीं खेल पाए। पिछले सप्ताह फाइनल खेला हालांकि जीत नहीं सके। इस सप्ताह फिर फाइनल में हैं और अब बेहतर प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा हम आराम करने के बाद कल फाइनल की तैयारी करेंगे। शुरुआती गेम में दोनों जोड़ियों कड़ी टक्कर देखने को मिली। आरोन और सोह ने लगातार चार अंक लेकर 10-7 की बढ़त बना ली। लेकिन आरोन की तीन गलतियों से सात्विक और चिराग ने वापसी की। ब्रेक तक मलेशियाई खिलाड़ियों ने एक अंक की बढ़त बनाई हुई थी। आरोन नेट पर फिर लड़खड़ा गए जिससे भारतीयों को फिर से बढ़त मिल गई। सात्विक के लगातार स्मैश लगाए और प्रतिद्वंद्वियों की गलतियों ने भारतीय जोड़ी को 18-14 से आगे कर दिया।

मिलान-कॉर्टिना खेलों में तटस्थ रूप से भाग लेगा रूसः आइओसी

मिलान : रूस के खिलाड़ियों को अगले वर्ष होने वाले मिलान-कॉर्टिना शीतकालीन खेलों में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने कहा कि उसने कभी भी इजरायल पर प्रतिबंध लगाने पर चर्चा नहीं की। आईओसी ने शुक्रवार को मिलान में कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद पुष्टि की कि वह पिछले वर्ष पेरिस ओलंपिक खेलों में अपनाई गई प्रणाली का पालन करेगा, जिसके तहत रूस के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी के रूप में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी जाएगी।

आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा हमने मिलान-कॉर्टिना खेलों में व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ियों को लेकर बात की। बोर्ड बिल्कुल वही दृष्टिकोण अपनाएगा जो पेरिस ओलंपिक में अपनाया गया था।

विश्व एथलेटिक्स | अमेरिकी धावक ने 200 मीटर दौड़ में शानदार जीत हासिल की और 100 मीटर में भी खिताब जीता

जेफरसन-वुडन का स्वर्णिम स्प्रिंट डबल

टोक्यो, एजेंसी

मेलिसा जेफरसन-वुडन।

अमेरिकी मेलिसा जेफरसन-वुडन ने शुक्रवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्णिम स्प्रिंट डबल पूरा किया। उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में शानदार जीत हासिल की और 100 मीटर में भी अपना खिताब जोड़ा।

24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने 21.68 सेकंड का विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए अपने करियर का चौथा विश्व खिताब जीता। वह पिछली दो चैंपियनशिप में अमेरिका की विजेता 4x100 मीटर रिले टीमों का भी हिस्सा थीं। ब्रिटेन की एमी हंट ने 22.14 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि जमैका की गत चैंपियन शेरिका जैक्सन ने 22.18 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस बीच अमेरिकी स्प्रिंट सनसनी नोआ लाइल्स ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में 19.52 सेकंड का प्रभावशाली समय निकालकर लगातार चौथी जीत हासिल की। 28 वर्षीय लाइल्स ने चार विश्व चैंपियनशिप में अपना छठा स्वर्ण पदक हासिल किया, जिसमें बुडापेस्ट में 100 मीटर का खिताब और दोहा तथा बुडापेस्ट में 4x100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक शामिल हैं। दो बार के ओलंपिक रजत पदक विजेता केनेथ बेडनारेक ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ 19.58 सेकंड का समय निकालकर रजत पदक जीता और अमेरिका को पहला-दो स्थान दिलाया। जमैका के ब्रायन लेवेल ने 19.64 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता। इस सप्ताह के शुरू में 100 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने वाले बोत्सवाना के लेत्सिले तेबोगो, 19.65 सेकंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहकर पोडियम से चूक गए। पुर्तगाल के टोक्यो ओलंपिक चैंपियन पेड्रो पिचार्डो ने पुरुषों की ट्रिपल जंप में जीत हासिल की। उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 17.91 मीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया। 32 वर्षीय इस खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन साल पहले यूजीन में जीत के बाद अपना दूसरा विश्व खिताब हासिल किया।

महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ में चेबेट की धमाकेदार जीत

केन्या की बीट्राइस चेबेट ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्णिम डबल हासिल किया उन्होंने महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ में सीधे फाइनल में धमाकेदार जीत हासिल की। 25 वर्षीय ओलंपिक चैंपियन, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में यूजीन में 13:58.06 के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था, ने 14:54.36 के समय के साथ 5,000 मीटर दौड़ के साथ 10,000 मीटर का खिताब भी अपने नाम किया। उनकी हमवतन और गत चैंपियन फेथ किपयेगोन, जो पहले ही टोक्यो में 1,500 मीटर दौड़ जीत चुकी हैं, को उनसे केवल 0.71 सेकंड पीछे रहकर रजत जीता।